AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CTET

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा-2021

Paper-1 (कक्षा 1 से 5 के लिए)

वर्ष 2011–2021 के पेपर्स का विश्लेषण चार्ट एवं CTET Exemplar दिसम्बर 2021 का समावेश

100% पाठ्यक्रमानुसार

सम्पूर्ण गाइड बुक

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र | हिन्दी भाषा | English Language | गणित | पर्यावरणीय अध्ययन

परीक्षा की अच्छी तैयारी वो भी कम समय में !

इस गाइड बुक की थ्योरी को काफी गहन अध्ययन के बाद तैयार किया गया है और हमारी आशा है की यह पुस्तक आपकी परीक्षा की तैयारी और उसमें अच्छे अंक लाने के लिए पर्याप्त होगी।

मुख्य विशेषताएँ

- NCERT पैटर्न, CTET पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित थ्योरी
- 1000+ महत्वपूर्ण अध्यायवार प्रश्न
- वर्ष 2021 के सॉल्व्ड पेपर का समावेश

Code	Price	Pages
CB783	₹ 469	626

CTET

Paper-1 (कक्षा 1 से 5 के लिए)
पर्यावरणीय अध्ययन

100% पाठ्यक्रमानुसार

सम्पूर्ण गाइड बुक

Prepared by:

Examcart Experts

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS

EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	CTET गाइड बुक Paper-1 (कक्षा 1 - 5) पर्यावरणीय अध्ययन
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ISBN	978-93-5561-041-6
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

यह पेज अवश्य पढ़ें।

(जानिए हम आपकी परीक्षा की तैयारी में कैसे मदद करते हैं)

कुछ ही वर्षों में **Agrawal Examcart** की पुस्तकें शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो गयी हैं। हमारे **Subject Experts** पुस्तकों की विषय सामग्री पर विशेष ध्यान देते हैं। परीक्षा के पाठ्यक्रमानुसार पाठ्यपुस्तकों और गाइडबुक्स के माध्यम से हम आपको **Syllabus-wise** सटीक और सरल भाषा में पुस्तकें प्रदान करते रहे हैं जिससे आपको कम समय में परीक्षा की तैयारी में मदद मिले। किसी भी परीक्षा सम्बन्धी **Practice set** को तैयार करते समय, हमारा उद्देश्य यही रहता है कि आप अपनी परीक्षा की तैयारी का स्वयं मूल्यांकन **90%** से अधिक सटीकता से कर सकें। यही कारण है कि प्रत्येक **Practice set** पिछले परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें बहुत अच्छे प्रश्नों का संग्रह होता है।

"हमारा उद्देश्य सिर्फ आपको पुस्तक उपलब्ध करना ही नहीं बल्कि आपके पुस्तक खरीदने से लेकर पुस्तक पूरा पढ़ने तक के सफर में हम आपके सारथि होंगे। इसीलिए हमने कुछ ऐसी सेवाएँ (नीचे दी गई) शुरू की हैं जिनकी मदद से हम आपकी सहायता कर पाएंगे।"

अपने Phone पर इस पुस्तक के संशोधित Updates प्राप्त करें!

हर बार जब हम इस पुस्तक में संशोधन या कोई भी नया Update करेंगे तो उसकी जानकारी हम आपके Whatsapp Number पर भेजेंगे जिससे आपको इस बुक का नया संस्करण न लेना पड़े और आपको free में Updated Content मिल जाये। इसके लिए आपको नीचे दिए हुए फॉर्म को भरना होगा जिससे हम आपको Updated content भेज पाएं। ध्यान दें कि फॉर्म भरते समय Book Code सही डालें नहीं तो आपको किसी और बुक के Updates मिलेंगे। बुक का कोड पुस्तक के पीछे कवर पर नीचे से बायीं तरफ दिया है जो 'CB' से शुरू होता है।

Form link ☞ http://bit.ly/exmcrtrev or Scan Code ☞

Whatsapp Helpline No. (पुस्तक में गलती या परीक्षा सम्बन्धित जानकारी)

परीक्षाओं से सम्बन्धित किसी भी तरह की जानकारी जैसे—पाठ्यक्रम, पेपर पैटर्न, सबसे अच्छी पुस्तकें, परीक्षा सम्बन्धित महत्वपूर्ण Dates, किसी प्रश्न का हल एवं हमारी पुस्तकों में किसी भी तरह की गलती पाए जाने पर हमारे Whatsapp Helpline नंबर पर संपर्क करें। हमारी Experts की Team आपको उससे सम्बन्धित सही जानकारी उपलब्ध कराएगी।

Whatsapp number ☞ 8937099777 or Scan Code ☞

Join Telegram Group

Agrawal Examcart ने Examcart Live के नाम से एक नया Telegram Group शुरू किया है जिससे आपको कई तरह से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी

- नवीनतम परीक्षा का पूर्ण Notification और पाठ्यक्रम के Updates प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बन्धित Best नवीनतम पुस्तकों के Updates प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बन्धित Free Study material प्राप्त करें।
- अपनी परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करने के लिए weekly practice problem sheet प्राप्त करें।

Join us on Telegram: ☞ examcartlive or Scan Code ☞

Read & Practice Online

हमारी Android App और Website पर पढ़ने की जानकारी अगले पृष्ठ पर दी गयी है।

Agrawal Examcart Catalog ☞ https://bit.ly/exmcat21 Website ☞ https://bit.ly/amzexmcrt

AGRAWAL EXAMCART

ANDROID APP ON
Google Play

App की विशेषताएँ!!!

- एकमात्र App जिसमें आपको परीक्षाओं से सम्बन्धित सभी Contents नए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न अनुसार Up-to-date मिलेंगे।
- App पर Course को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जानने के लिए Free Content दिया गया है।
- हमारे App पर 100 से अधिक परीक्षाओं पर Courses आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध हैं।
- App पर Online Quiz देते समय आपको वास्तविक Online परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त होगा।

Examcart Android App को चलाने की जानकारी

Step 1: Google Playstore से Examcart की App को Download करें। Examcart App को Playstore पर देखने का link http://bit.ly/examcartapp2021

Step 2: Examcart App में login करें और Category Section में जाके अपने Exam से सम्बन्धित Course को देखें।

हमारे App के Features एवं उसकी कार्य प्रणाली को समझने के लिए 15 seconds का Tutorial देखें।
http://bit.ly/exmcrtdemo

Laptop, Desktop या iphone Users के लिए

Step 1: Mobile या Laptop Browser पर www.examcart.sikhaoo.com टाइप करें।

Step 2: हमारे Course को use करने के लिए Sign in करें।

Subscribe to our

YouTube Channel ☞ Examcart Live

Agrawal Examcart के Experts अब आपको न केवल सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें उपलब्ध कराएँगे, बल्कि आपको ऑनलाइन भी पढ़ाएँगे। इसी दिशा में काम करते हुए हमने अपना "Examcart Live" के नाम से Youtube Channel शुरू किया है। हमारे आने वाले Live Courses की जानकारी, महत्वपूर्ण पुस्तकें, आगामी परीक्षा के पाठ्यक्रम और Notifications सम्बन्धित Videos को देखने के लिए हमारे Youtube Channel को Subscribe करें।

Join our Telegram Channel ☞ Examcart Live

Agrawal Examcart ने "Examcart Live" के नाम से अपना Telegram Channel शुरू किया है। इस Channel के माध्यम से हम जो भी नयी Online Classes शुरू करने वाले हैं, उनका Timetable, Classes कब से शुरू होंगी, उनका Price और अन्य जानकारी आपको इस चैनल के माध्यम से हमारे Experts देते रहेंगे। इसलिए इस चैनल को Join करना न भूलें।

Telegram Channel link ☞ https://t.me/Examcartlive

BEST DISCOUNTS पर Books को खरीदें हमारी Website से!

☞ www.examcart.in

Agrawal Examcart की सभी पुस्तकें हमारी Website पर काफी आकर्षक Discount पर उपलब्ध हैं। हमारी Website पर हर पुस्तक की विषय सूची और Sample Chapter उपलब्ध हैं। इससे आपको पुस्तक को खरीदने से पहले उसका मूल्यांकन करने में आसानी होगी। हम एक Promotional offer चला रहे हैं जिसके माध्यम से आप हमारी Website से प्रत्येक खरीदारी पर 5% अतिरिक्त छूट का लाभ ले सकते हैं।

COUPON CODE ☞ EXAM2021

(5% extra discount पाने के लिए ऊपर दिए गए coupon code को checkout से पहले प्रयोग करें।)

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (1-5) का पाठ्यक्रम

बाल विकास व शिक्षाशास्त्र

■ बाल विकास (प्राथमिक विद्यालय बालक)

- विकास की अवधारणा और सीखने के साथ इसका संबंध
- बच्चों के विकास के सिद्धांत
- आनुवंशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- समाजीकरण की प्रक्रिया : सामाजिक दुनिया और बच्चे (शिक्षक, माता-पिता, साथी)
- मल्टी-डाइमेंशनल इंटेलिजेंस
- भाषा और विचार
- सामाजिक निर्माण के रूप में लिंग; लिंग भूमिकाएँ, लिंग-भेदभाव और शैक्षिक अभ्यास
- शिक्षार्थियों के बीच अलग-अलग अंतर, अंतर के आधार को समझना
- भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता
- पियाजे, कोहलबर्ग और वायगोत्स्की : निर्माण और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण
- बाल-केंद्रित और प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा
- बौद्धिक निर्माण का महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य
- सीखने के लिए मूल्यांकन और सीखने का मूल्यांकन के बीच का अंतर
- स्कूल-आधारित मूल्यांकन, सतत और व्यापक मूल्यांकन
- परिप्रेक्ष्य और अभ्यास
- शिक्षार्थियों के तत्परता के स्तर का आकलन करने के लिए उचित प्रश्नों का निर्माण; कक्षा में सीखने और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ाने और सीखने की उपलब्धि का आकलन करने के लिए।

■ समावेशी शिक्षा की अवधारणा और विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को समझना

- वंचितों सहित विविध पृष्ठभूमि के शिक्षार्थियों को संबोधित करना
- सीखने की कठिनाइयों वाले बच्चों की आवश्यकताओं को संबोधित करना
- टैलेंटेड, क्रिएटिव और विशेष रूप से एबल्ड लर्नर को संबोधित करना

■ शिक्षण और शिक्षाशास्त्र

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं; कैसे और क्यों बच्चे स्कूल के प्रदर्शन में सफलता पाने के लिए 'असफल' हो जाते हैं।
- बच्चों में सीखने की वैकल्पिक अवधारणा, बच्चों की 'त्रुटियों' से सीखने की प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों को समझना।
- अनुभूति और भावनाएँ
- प्रेरणा और सीख
- सीखने में योगदान करने वाले कारक : व्यक्तिगत और पर्यावरण
- शिक्षण और सीखने की बुनियादी प्रक्रियाएँ; बच्चों की सीखने की रणनीति; एक सामाजिक गतिविधि के रूप में सीखना; सीखने का सामाजिक संदर्भ।
- बालक 'समस्या समाधानकर्ता' और 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में

हिन्दी

■ भाषा की समझ

- अपठित गद्यांश पढ़ना : दो गद्य एक गद्य या नाटक और एक कविता में बोध, अंतर्ज्ञान, व्याकरण और मौखिक क्षमता पर प्रश्न (गद्य साहित्यिक, वैज्ञानिक, कथ्य या विवेकपूर्ण हो सकता है)

- **भाषा विकास का शिक्षण**
  - सीखना और अधिग्रहण
  - भाषा शिक्षण के सिद्धांत
  - सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य और बच्चे इसे एक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग करते हैं
  - भाषा कौशल
  - भाषा की समझ और दक्षता का मूल्यांकन : बोलना, सुनना,
  - पढ़ना और लिखना
  - शिक्षक-शिक्षण सामग्री : पाठ्यपुस्तक, बहु-मीडिया सामग्री
  - कक्षा का बहुभाषी संसाधन
  - उपचारात्मक शिक्षण
  - मौखिक और लिखित रूप में विचारों को संप्रेषित करने के लिए एक भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका पर एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य
  - विविध कक्षा में भाषा सिखाने की चुनौतियाँ; भाषा, कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार

English

- **COMPREHENSION**
  - Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with question on comprehension, grammar and verbal ability
- **PEDAGOGY OF LANGUAGE DEVELOPMENT**
  - Learning and acquisition
  - Principles of Language Teaching
  - Role of listening and speaking; function of language and how children use it as a tool
  - Critical perspective on the role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form;
  - Challenges of teaching language in a diverse classroom; language difficulties, errors and disorders
  - Language Skills
  - Evaluating language comprehension and proficiency: speaking, listening, reading and writing
  - Teaching-learning materials : Textbook, multi-media materials, multilingual resource of the classroom
  - Remedial Teaching

गणित

- **सामग्री**
  - ज्यामिति
  - आकार और स्थानिक समझ
  - हमारे आस-पास की सामान्य गणितीय प्रणाली
  - नम्बर
  - जोड़ और घटाव
  - गुणन
  - विभाजन
  - माप
  - वजन

- समय
- आयतन
- डेटा संधारण
- पैटर्न्स
- मुद्रा

■ **शैक्षणिक मुद्दे**

- गणित की प्रकृति/तार्किक सोच; बच्चों की सोच को समझना
- तर्क पैटर्न, अर्थ और सीखने की रणनीति
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों के माध्यम से मूल्यांकन
- शिक्षण की समस्याएँ
- त्रुटि विश्लेषण और सम्बन्धित पहलू

पर्यावरणीय अध्ययन

■ **सामग्री**

- परिवार और दोस्त
- रिश्ते
- कार्य और खेल
- जानवर
- पौधा
- भोजन
- आवास
- पानी
- यात्रा
- चीजें हम बनाते हैं और करते हैं

■ **शैक्षणिक मुद्दे**

- ईवीएस की अवधारणा और क्षेत्र
- ईवीएस का महत्व, एकीकृत ईवीएस
- पर्यावरण अध्ययन और पर्यावरण शिक्षा
- सीखने के सिद्धांत
- विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का संबंध और क्षेत्र
- अवधारणाओं को प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण
- क्रियाएँ
- प्रयोग/व्यावहारिक कार्य
- विचार–विमर्श
- सीसीई
- शिक्षण सामग्री
- समस्याएँ

CTET (1-5) के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्रों का विश्लेषण चार्ट

बाल विकास व शिक्षाशास्त्र

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	बाल मनोविज्ञान											1		1	1
2	विकास की अवधारणा एवं उसका अधिगम से सम्बन्ध	2	1	4	1	1	2	3	4	1	3	1	3	2	3
3	बाल विकास के सिद्धांत		1		1	0	0	1	2	0	0	0	0	1	0
4	वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव			1	3	1	0	1	1	1	1	1	0	4	0
5	सामाजिक प्रक्रियाएँ : सामाजिक दुनिया और बच्चे	1	2	1	1	5	0	1	1	0	1	1	0	1	0
6	पियाजे, कोह्लबर्ग और वाइगोत्स्की : निर्माण और आलोचनात्मक दृष्टिकोण	6	6	4	4	6	5	5	2	5	2	5	1	3	3
7	बाल-केंद्रित और प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा	2	1	1	1	1	2	1	1	1	1	0	1	2	0
8	बुद्धि के निर्माण का आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं बहुआयामी बुद्धि	1	4	1	2	3		2	1	3	2	3	3	0	1
9	भाषा और विचार			1		1	3	2	1	2	2	2	1	0	1
10	सामाजिक निर्माण के रूप में लिंग : लिंग की भूमिका, लिंग भेद और शैक्षिक अभ्यास	1	1	2	1	1	2	1	2	2	0	1	3	2	1
11	व्यक्तिगत विभिन्नता	1	1				1	1		1	1	2	1	1	0
12	आंकलन, मूल्यांकन तथा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन	1	1	2	1		2	1	4	3	4	2	2	3	1
13	उपलब्धि परीक्षण का निर्माण				1				0	0	0	1	2	0	0
14	अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ता की पहचान		2	2	2	3	3	2	1	1	3	1	2	1	1
15	अधिगम कठिनाइयाँ एवं अक्षमता वाले बालकों की आवश्यकताओं की पहचान	1		1	`		1		1	2	1	2	2	1	2
16	प्रतिभाशाली, सृजनात्मक, विशेष वाले बालको की पहचान		1	1	1		1	2	2	1	1	2	1	0	3
17	बालक कैसे सोचते हैं य सीखते हैं		1	1	1			1	1	0	0	0	1	0	0
18	शिक्षण एवं अधिगम	1		4	2	4	4	2	3	2	3	1	2		5
19	समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक	2		1	3	2	1		1	1	1	1	1	0	2

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
20	बालकों में अधिगम की वैकल्पिक अवधारणाएँ एवं बच्चों की त्रुटियाँ	5	2	1	1			2	1	2	2	1	2	3	3
21	संज्ञान और संवेग	1	1		1	1	1	1	0	1	0	1	0	1	1
22	अभिप्रेरणा और अधिगम : अधिगम में योगदान देने वाले कारक	1		2	3	2	2	1	1	1	1	1	2	3	2

हिन्दी

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	अपठित गद्यांश/पद्यांश	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15
2	शिक्षणशास्त्र	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15

English

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	**Comprehension**	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15
2	**Pedagogy**	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15

संस्कृतम्

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	22 Feb. 2015	July 2014	16 Feb. 2014	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	अपठित गद्यांश (भाग-I)	9	9	9	9	9	9	9	9	15	9	9	10
2	अपठित पद्यांश (भाग-I)	6	6	6	6	6	6	6	6		6	6	5
3	शिक्षणशास्त्र	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15	15

गणित

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	संख्या पद्धति	2	6	6	4	4	4	5	3	6	4	5	3	7	6
2	गणितीय मूल संक्रियाएं	4	2	3	1	5	1	1	3		2	2	1	2	
3	म.स.प. एवं ल.स.प.		1	1		1	2	2	2	1	2	2	2	1	
4	भिन्न तथा दशमलव संख्याएँ	1	1	3	4	2	1	1	2	3	4		2	2	3
5	औसत								1						
6	लाभ एवं हानि						1					1			
7	समय एवं दूरी						1					1			

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
8	क्षेत्रमिति	3	2	2	1	2	2	4	1	1	2	1	4	1	1
10	ज्यामिति				2				2	1		1	1		3
11	बीजीय व्यंजक	2													
12	घडी	2	1	1	1	2		1	1	1	1	1	1	1	1
13	पैटर्न			1	1							1			
14	मुद्रा या राशि	1	1												
15	राशियाँ एवं मापन		1			1	4	2	1	2	1	1	1	1	1
16	सांख्यिकी				1										
17	गणित शिक्षण : अर्थ, महत्व, भाषा एवं तर्कशक्ति	8	10	9	7	8	8	6	7	7	7	8	9	8	9
18	गणित शिक्षण : मूल्यांकन, समस्याएँ एवं निदानात्मक तथा उपचारात्मक शिक्षण	7	5	4	8	5	6	8	7	8	7	6	6	7	6
		30	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**

पर्यावरणीय अध्ययन

क्रम सं.	अध्याय	31 Jan. 2021	8 Dec. 2019	9 July 2019	9 Dec. 2018	Sept. 2016	Feb. 2016	Sept. 2015	22 Feb. 2015	21 Sept. 2014	16 Feb. 2014	28 July 2013	18 Nov. 2012	29 Jan. 2012	26 June 2011
1	पर्यावरण, परिवार तथा मित्र	3	7	2	2	6	3	3	6	6	6	5	4	3	2
2	भोजन एवं रोग	2	1	1		4		3	4	3	1	3	1	4	6
3	आश्रय	2	1	1		2	2	3		1	1		1	2	1
4	सौरमंडल एवं पृथ्वी						1						1	1	1
5	जलमंडल			1	1		2				1				
6	यात्रा तथा यात्री (परिवहन)	2	2	2	1		1	2	4	2	2	3	1		
7	चीज़ें जो हम बनाते हैं और करते हैं			2	5	1	2						1		2
8	तत्त्व, मिश्रण एवं पृथक्करण	1		1	1				1	1		1	3	2	1
9	भारतीय जनजातियाँ, लोक कलाएँ, संस्कृति, त्यौहार एवं भाषा	2	1	2	1	1	2	2		1	2		2		
10	भारत: विविधता में एकता	2	1	2	2	1	1	1	1	1	1	1			
11	खेलकूद, भारतीय इतिहास की झलक तथा विश्व परिदृश्य		2	1	1		1			1	1	2	1		
12	अध्यापन संबंधी मुद्दे	16	15	15	16	15	15	16	14	14	15	15	15	18	17

विषय-सूची

अध्याय		पृष्ठ सं.
	खण्ड-1 : बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र	**1-185**
1.	विकास की अवधारणा एवं उसका अधिगम से सम्बन्ध एवं सिद्धान्त	1-31
2.	वंशानुक्रम (आनुवंशिकता) एवं वातावरण का प्रभाव	32-39
3.	समाजीकरण प्रक्रियाएँ	40-42
4.	पियाजे, कोहलबर्ग एवं वाइगोत्स्की : निर्माण एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण	43-53
5.	बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा	54-58
6.	बुद्धि के निर्माण का आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं बहुआयामी बुद्धि	59-76
7.	भाषा और विचार	77-82
8.	सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर : जेंडर की भूमिका, लिंग भेद और शैक्षिक अभ्यास	83-89
9.	व्यक्तिगत विभिन्नता	90-95
10.	आकलन, मूल्यांकन तथा सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	96-111
11.	उपलब्धि परीक्षण का निर्माण	112-118
12.	अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ता की पहचान	119-136
13.	अधिगम कठिनाइयाँ एवं अक्षमता वाले बालकों की आवश्यकताओं की पहचान	137-147
14.	प्रतिभाशाली, सृजनात्मक, विशेष योग्यता वाले बालकों की पहचान	148-155
15.	बालकों का सोचना और सीखना	156-167
16.	समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक	168-173
17.	संज्ञान और संवेग	174-177
18.	अभिप्रेरणा और अधिगम : अधिगम में योगदान देने वाले कारक	178-185
	खण्ड-2 : हिन्दी भाषा	**186-284**
1.	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश	186-192
2.	हिन्दी व्याकरण	193-197
3.	शब्द विचार	198-201
4.	पर्यायवाची शब्द	202-204
5.	विलोम शब्द	205-207

6. उपसर्ग एवं प्रत्यय 208-212
7. सन्धि 213-216
8. समास 217-220
9. अलंकार 221-223
10. वाक्य के भेद 224-227
11. वाक्यगत अशुद्धियाँ 228-229
12. वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ 230-232
13. वाक्यांश के लिए एक शब्द 233-235
14. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 236-240
15. छन्द 241-243
16. रस 244-247
17. भाषा विकास का शिक्षाशास्त्र 248-284

खण्ड-3 : English Language 285-382

1. **Comprehension** 285-294
   [Questions based on Inference, Grammar and Verbal Ability]
2. **Pedagogy of Language Development** 295-321
3. **Vocabulary** 322-329
4. **Parts of Speech** 330-356
   - **Noun** 330-331
   - **The Noun : Gender** 332-333
   - **Singular & Plural (Nouns)** 334-335
   - **Pronoun** 336-338
   - **Verb** 339-341
   - **Adjective** 342-346
   - **Adverb** 347-348
   - **Preposition** 349-352
   - **Conjunction** 353-355
   - **The Interjection** 356
5. **Tenses** 357-361
6. **Articles** 362-365
7. **Fill in the Blanks** 366-367

8. Clauses 368-369
9. Voice 370-375
10. Narration 376-379
11. Figures of Speech 380-382

खण्ड-4 : गणित 383-528

1. संख्या पद्धति 383-391
2. गणितीय मूल संक्रियाएँ 392-397
3. म.स.प. एवं ल.स.प. 398-402
4. भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ 403-410
5. औसत 411-413
6. प्रतिशतता 414-415
7. लाभ और हानि 416-419
8. समय एवं दूरी 420-422
9. क्षेत्रमिति 423-430
10. ज्यामिति 431-450
11. बीजीय व्यंजक 451-454
12. घड़ी 455-458
13. पैटर्न 459-460
14. मुद्रा या राशि 461-463
15. राशियाँ एवं मापन 464-467
16. सांख्यिकी 468-483
17. गणित शिक्षण : अर्थ, महत्व, भाषा एवं तर्कशक्ति 484-503
18. गणित शिक्षण : मूल्यांकन, समस्याएँ एवं निदानात्मक तथा उपचारात्मक 504-528

खण्ड-5 : पर्यावरणीय अध्ययन 529-620

1. परिवार 529-532
2. भोजन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता 533-537
3. जन्तु एवं पेड़-पौधे 538-546
4. आवास (आश्रय) 547-550
5. जल 551-554

6. यात्रा 555-561

7. हम चीजें कैसे बनाते हैं ? 562-575

8. सौर मंडल (तारे और नक्षत्र) 576-580

9. पर्यावरण 581-588

10. अध्यापन सम्बन्धी मुद्दे 589-616

11. **NCERT** (कक्षा **3** से **5**) सारांश 617-620

सॉल्व्ड पेपर **1-26**

1. केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (I to V) (हल प्रश्न-पत्र) परीक्षा तिथि : 31-01-2021 1-26

Appendix **1-4**

1. CTET Exemplar दिसम्बर 2021 पेपर-I 1-4

अध्याय 2 वंशानुक्रम (आनुवंशिकता) एवं वातावरण का प्रभाव (Effect of Heredity and Environment)

आनुवंशिकता तथा वातावरण का अर्थ (Meaning of Heredity and Environment)

माता-पिता से उनके बच्चों में शारीरिक गुणों तथा संगठनों के जीन्स द्वारा होने वाले संचरण (transmission) का अध्ययन करने वाले विज्ञान को आनुवंशिकी की संज्ञा दी जाती है। इन्हीं जीन्स के द्वारा व्यक्ति अपने माता-पिता से उनके गुणों एवं शारीरिक संगठनों को प्राप्त करता है। इसे ही हम आनुवंशिकता कहते हैं।

जब पिता का शुक्राणु (sperm) माँ के अण्डाणु (ovum) से मिलता है, तो इससे गर्भधारण होता है। गर्भधारण के समय शुक्राणु के 23 क्रोमोसोम्स अण्डाणु के 23 क्रोमोसोम्स से मिलते हैं और इस तरह से क्रोमोसोम्स की कुल संख्या 46 अर्थात् 23 जोड़े हो जाते हैं। क्रोमोसोम्स का आकार धागे के समान लम्बा होता है और प्रत्येक क्रोमोसोम में जीन्स पाये जाते हैं जिनमें आनुवंशिक गुण संचित होते हैं। माता-पिता जो अपने माता-पिता से आनुवंशिक गुण प्राप्त करते हैं, अपने बच्चों को इन्हीं जीन्स के माध्यम से उन गुणों को तथा कुछ अपने व्यक्तित्व के गुणों को देते हैं। इस तरह स्पष्ट है आनुवंशिकता से तात्पर्य शारीरिक एवं मानसिक गुणों के संचरण से होता है जो माता-पिता से बच्चों में जीन्स के माध्यम से प्रवेश करते हैं।

वातावरण (Environment) से तात्पर्य उन सभी चीजों से (जीन्स को छोड़कर) होता है जो व्यक्ति को उत्तेजित और प्रभावित करते हैं। दूसरे शब्दों में, यह कहा जा सकता है कि व्यक्ति का वातावरण से तात्पर्य उन सभी तरह की उत्तेजनाओं से होता है जो गर्भधारण से मृत्यु तक उसे प्रभावित करते हैं। भौगोलिक वातावरण में अनेक चीजें या उद्दीपन हो सकते हैं, परन्तु व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक वातावरण में वे सभी सम्मिलित हों, यह आवश्यक नहीं। कोई भी उद्दीपन या घटना व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक वातावरण में तभी सम्मिलित मानी जाती है जब वह व्यक्ति को प्रभावित करती है। मनोविज्ञान में वातावरण से मतलब मनोवैज्ञानिक वातावरण से होता है।

व्यक्ति का व्यवहार आनुवंशिकता तथा वातावरण दोनों द्वारा ही निर्धारित होता है। आनुवंशिकता द्वारा व्यवहार के रचनातंत्र का निर्धारण होता है तथा वातावरण उस रचनातंत्र की चहारदीवारी के अन्तर्गत व्यवहार को एक निश्चित दिशा में विकसित करता है। अतः, व्यक्ति का प्रत्येक व्यवहार आनुवंशिकता तथा वातावरण दोनों की अंतःक्रिया का परिणाम होता है।

वुडवर्थ के अनुसार—"वंशानुक्रम उन सभी कारकों को सम्मिलित करता है जो व्यक्ति के जीवन प्रारम्भ करने के समय से ही उपस्थित होते हैं। जन्म के समय नहीं अपितु गर्भाधान के समय अर्थात् जन्म से नौ माह पूर्व ही उपस्थित होते हैं।"

"Heredity covers all the factors that were present in the individual when he began life, not at birth but at the time of conception about nine months before birth" —**Woodworth**

जेम्स ड्रेवर के अनुसार—"वंशानुक्रम से अभिप्राय माता और पिता के शारीरिक और मानसिक गुणों का संतानों में हस्तान्तरण है।"

"Heredity is the transmission of physical and mental characteristics from parents to offsprings." —**James Draver**

बोरिंग, लैंगफील्ड एवं वील्ड के अनुसार—"व्यक्ति के वातावरण के अन्तर्गत उन सभी उत्तेजनाओं का योग आता है जिन्हें वह जन्म से मृत्यु तक ग्रहण करता है।"

"A person's environment consists of the sum total of the stimulation which he receives from his conception until his death."

— **Boring, Langfield and Wield**

पी. जिसबर्ट के अनुसार—"पर्यावरण वे सभी वस्तुएँ हैं जो किसी एक वस्तु को चारों ओर से घेरे हुये हैं तथा उसे प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।"

"Environment is anything immediately surrounding an object and exerting a direct influence on it." —**P. Gisburt**

वंशानुक्रम का नियम (Laws of Heredity)

वंशक्रम (Heredity) मनोवैज्ञानिकों तथा जीववैज्ञानिकों (Biologists) के लिए अत्यन्त रोचक तथा रहस्यमय विषय है। वंशक्रम जिन नियमों तथा सिद्धान्तों पर आधारित है, यह विषय भी अध्ययन के नये आयाम प्रस्तुत करता है। वंशानुक्रम के ये नियम सर्वाधिक प्रचलित हैं—

1. **बीजकोष की निरन्तरता का नियम** (Law of Continuity of Germ Plasm)—इस नियम के अनुसार, बालक को जन्म देने वाला बीजकोष कभी नष्ट नहीं होता। इस नियम के प्रतिपादक **वीजमैन** (Weismann) का कथन है—"बीजकोष का कार्य केवल उत्पादक कोषों (Germ Cells) का निर्माण करना है, जो बीजकोष बालक को अपने माता-पिता से मिलता है, उसे वह अगली पीढ़ी को हस्तान्तरित कर देता है। इस प्रकार, बीजकोष पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता है।"

   वीजमैन के 'बीजकोष की निरन्तरता' के नियम को स्वीकार नहीं किया जाता है। इसकी आलोचना करते हुए **बी. एन. झा** (B. N. Jha) ने लिखा है—"इस सिद्धान्त के अनुसार माता-पिता, बालक के जन्मदाता न होकर केवल बीजकोष के संरक्षक हैं, जिसे वे अपनी सन्तान को देते हैं। बीजकोष एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को इस प्रकार हस्तान्तरित किया जाता है, मानो एक बैंक से निकलकर दूसरे में रख दिया जाता हो। बीजमैन का सिद्धान्त न तो वंशानुक्रम की सम्पूर्ण प्रक्रिया की व्याख्या करता है और न सन्तोषजनक ही है।"

   यह मत वंशक्रम की सम्पूर्ण प्रक्रिया की व्याख्या न कर पाने के कारण अमान्य है।

2. **समानता का नियम** (Law of Resemblance)—इस नियम के अनुसार, जैसे माता-पिता होते हैं, वैसी ही उनकी सन्तान होती है (Like tends of beget like)। इस नियम के अर्थ का स्पष्टीकरण करते हुए **सोरेनसन** (Sorenson) ने लिखा है—"बुद्धिमान माता-पिता के बच्चे बुद्धिमान, साधारण माता-पिता के बच्चे साधारण और मन्द-बुद्धि माता-पिता के बच्चे मन्द-बुद्धि होते हैं। इसी प्रकार, शारीरिक रचना की दृष्टि से भी बच्चे माता-पिता के समान होते हैं।

   यह नियम भी अपूर्ण है क्योंकि प्रायः देखा जाता है कि काले

माता-पिता की संतान गोरी, मंद बुद्धि माता-पिता की संतान बुद्धिमान होती है। इस नियम के अनुसार माता-पिता की विशेषतायें बालक के मूल रूप में आनी चाहिए।

3. **विभिन्नता का नियम** (Law of Variation)—इस नियम के अनुसार, बालक अपने माता-पिता के बिल्कुल समान न होकर उनसे कुछ भिन्न होते हैं। इसी प्रकार, एक ही माता-पिता के बालक एक-दूसरे के समान होते हुए भी बुद्धि, रंग और स्वभाव में एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। कभी-कभी उनमें पर्याप्त शारीरिक और मानसिक विभिन्नता पाई जाती है। इसका कारण बताते हुए **सोरेनसन** (Sorenson) ने लिखा है—"इस विभिन्नता का कारण माता-पिता के उत्पादक-कोषों की विशेषतायें हैं। उत्पादक कोषों में अनेक पित्रयैक होते है, जो विभिन्न प्रकार से संयुक्त होकर एक-दूसरे से भिन्न बच्चों का निर्माण करते हैं।"

   भिन्नता का नियम प्रतिपादित करने वालों में डार्विन (Darwin) तथा लेमार्क (Lemark) ने अनेक प्रयोगों तथा विचारों द्वारा यह मत प्रकट किया है कि उपयोग न करने वाले अवयव तथा विशेषताओं का लोप आगामी पीढ़ियों में हो जाता है। नवोत्पत्ति (Mutation) तथा प्राकृतिक चयन (Natural Selection) द्वारा वंशक्रमीय विशेषताओं का उन्नयन होता है।

4. **प्रत्यागमन का नियम** (Law of Regression)—इस नियम के अनुसार, बालक में अपने माता-पिता के विपरीत गुण पाये जाते हैं। इस नियम का अर्थ स्पष्ट करते हुए **सोरेनसन** (Sorenson) ने लिखा है—"बहुत प्रतिभाशाली माता-पिता के बच्चों में कम प्रतिभा होने की प्रवृत्ति और बहुत निम्नकोटि के माता-पिता के बच्चों में कम निम्नकोटि होने की प्रवृत्ति ही प्रत्यागमन है।"

   प्रकृति का नियम यह है कि वह विशिष्ट गुणों के बजाय सामान्य गुणों का अधिक वितरण करके एक जाति के प्राणियों को एक ही स्तर पर रखने का प्रयास करती है। इस नियम के अनुसार, बालक अपने माता-पिता के विशिष्ट गुणों का त्याग करके सामान्य गुणों को ग्रहण करते हैं। यही कारण है कि महान् व्यक्तियों के पुत्र साधारणतः उनके समान महान् नहीं होते हैं, उदाहरणार्थ—बाबर, अकबर और महात्मा गाँधी के पुत्र उनसे बहुत निम्न कोटि के थे। इसके दो मुख्य कारण हैं—(1) माता-पिता के पित्रयैकों में से एक कम और एक अधिक शक्तिशाली होता है। (2) माता-पिता में उनके पूर्वजों में से किसी का पित्रयैक अधिक शक्तिशाली होता है।

5. **अर्जित गुणों के संक्रमण का नियम** (Inheritance of Acquired Traits)—इस नियम के अनुसार, माता-पिता द्वारा अपने जीवन-काल में अर्जित किये जाने वाले गुण उनकी सन्तान को प्राप्त नहीं होते हैं। इस नियम को अस्वीकार करते हुए विकासवादी **लेमार्क** (Lemarck) ने लिखा है—"व्यक्तियों द्वारा अपने जीवन में जो कुछ भी अर्जित किया जाता है, वह उनके द्वारा उत्पन्न किये जाने वाले व्यक्तियों को संक्रमित किया जाता है।" इसका उदाहरण देते हुए लेमार्क ने कहा है कि जिराफ पशु की गर्दन पहले बहुत-कुछ घोड़े के समान थी, पर कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण वह लम्बी हो गई और कालान्तर में उसकी लम्बी गर्दन का गुण अगली पीढ़ी में संक्रमित होने लगा। **लेमार्क** के इस कथन की पुष्टि मैक्डूगल (McDougall) और पावलव (Pavlov) ने चूहों पर एवं हैरीसन (Harrison) ने पतंगों पर परीक्षण करके की है।

   आज के युग में विकासवाद या अर्जित गुणों के संक्रमण का सिद्धान्त स्वीकार नहीं किया जाता है। इस सम्बन्ध में **वुडवर्थ** (Woodworth) ने लिखा है—"वंशानुक्रम की प्रक्रिया के अपने आधुनिक ज्ञान से संपन्न होने पर यह बात प्रायः असंभव जान पड़ती है कि अर्जित गुणों को संक्रमित किया जा सके। यदि आप कोई भाषा बोलना सीख लें, तो क्या आप पित्रयैकों द्वारा इस ज्ञान को अपने बच्चे को संक्रमित कर सकते हैं ? इस प्रकार के किसी प्रमाण की पुष्टि नहीं हुई है। क्षय या सूजाक जैसा रोग, जो बहुधा परिवारों में पाया जाता है, संक्रमित नहीं होता है। बालक को यह रोग परिवार के पर्यावरण में छूत से होता है।"

6. **मैंडल का नियम** (Law of Mendel)—आनुवंशिकता की क्रियाविधि का वर्णन करने के लिए जोहान ग्रिगोर मैंडल (Johann Gregor Mendel) ने महत्वपूर्ण कार्य किया। अपनी छोटी-सी वाटिका में उन्होंने विभिन्न तरह के मटरों का संकरित कर आनुवंशिकता के आधारभूत नियमों का प्रतिपादन किया। उन्होंने अपने विस्तृत प्रयोगों के परिणाम को 1866 में प्रकाशित किया, लेकिन कई कारणों से उनके प्रयोगों की ओर 1900 तक लोगों का ध्यान बहुत नहीं गया। उसी साल तीन शोधकर्ता नेदरलैण्ड, आस्ट्रिया तथा जर्मनी में स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर उसी परिणाम पर पहुँचे जिस पर मैंडल करीब 34 साल पहले ही पहुँचे थे। इन तीन शोधकर्ताओं ने मैंडल के नियमों को वैध ठहराया और उन्हें 'आनुवंशिकता का आधारभूत नियम' (Cardinal Principle or Law of Heredity) की संज्ञा दी।

   मैंडल ने अपने प्रयोग में मटर के पौधों के गुणों, जैसे बैंगनी और उजले फूल वाले पौधों, लम्बा तथा नाटा डंठल वाले पौधों, हरी और पीली फली वाले पौधों, चिकना तथा शिकनदार बीज उत्पन्न करने वाले पौधों, बड़ी फली तथा छोटी फली वाले पौधों को संकरित किया तथा उनके गुण में होने वाले परिवर्तनों का कई पीढ़ियों तक अध्ययन किया। उन्होंने अपने सभी प्रयोगों में जिनमें दो अलग-अलग गुणों को संकरित किया गया था, एक ही तरह के परिणाम पाए। जैसे उन्होंने अपने एक प्रयोग में बैंगनी तथा उजले फूल देने वाले मटर के पौधों को संकरित कर निषेचित किया। परिणाम में देखा गया कि दूसरी पीढ़ी के इस संकरित पौधे में जब फूल लगा, तो वे सभी बैंगनी रंग के थे। कोई भी फूल उजला रंग का नहीं था। इसके बाद जब दूसरी पीढ़ी के पौधे से प्राप्त बीज को पुनः बोया गया तो अब इस तीसरी पीढ़ी के 75% फूल बैंगनी रंग के थे तथा 25% फूल उजले रंग के। दूसरे शब्दों में तीसरी पीढ़ी के पौधों में फूल बैंगनी रंग और उजला रंग 3 : 1 के अनुपात में देखे गए। कई पीढ़ियों तक प्रयोग करने के बाद मैंडल ने देखा कि अंत में दोनों प्रकार के मटर के पौधे अपने मूल रूप में आ गए। मैंडल के प्रयोग से स्पष्ट हुआ कि भिन्न-भिन्न लक्षणों या गुणों वाली एक ही जाति की दो वस्तुओं को संकरित कर निषेचित किया जाए तो ठीक इसके बाद आने वाली पीढ़ी (यानी दूसरी पीढ़ी) में उस संकरण का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है। आगे कई पीढ़ियों के बाद ये दोनों वस्तुएँ अपने मूल रूप को पुनः प्राप्त कर लेती हैं।

   मैंडल ने अपने परिणाम की व्याख्या प्रबल जीन तथा अप्रबल जीन के रूप में की है। जीन के जोड़े का एक जीन जब प्रबल और दूसरा जीन जब अप्रबल होता है, तो ऐसे जीन्स को एलेल्स कहा जाता है। मैंडल ने प्रबल जीन को बड़ा अक्षर जैसे A द्वारा संकेतित किया तथा अप्रबल जीन को छोटे अक्षर जैसे a द्वारा संकेतित किया। मटर के पौधे में बैंगनी रंग का जीन प्रबल जीन होता है। दूसरी पीढ़ी में मटर के पौधे के सभी फूल बैंगनी होने का कारण यह था कि बैंगनी रंग का जीन एक प्रबल जीन होता है। परन्तु, इसका मतलब यह नहीं कि बैंगनी रंग का जीन—जो एक प्रबल जीन है—अप्रबल जीन को समाप्त कर देता है। बल्कि, सच्चाई यह है कि अप्रबल जीन का प्रभाव सिर्फ उस पीढ़ी में

दब जाता है, परन्तु बाद की पीढ़ियों में आने लगता है।

मैंडल के इस आनुवंशिकता के सिद्धान्त में दो नियम सम्मिलित हैं—

(क) पृथक्करण का सिद्धान्त (Principle of Segregation),

(ख) स्वतंत्र छटाई का सिद्धान्त (Principle of Independent Assortment)

पृथक्करण का सिद्धान्त यह बताता है कि जो गुण पहली संकर पीढ़ी में दबा रहता है या छिपा रहता है (अप्रबल जीन्स) वे समाप्त नहीं हो जाते, बल्कि बाद की संकर पीढ़ी के कुछ सदस्यों में दिखाई देते हैं। इस तरह से उनका कहना था कि दबे हुए गुण अन्य गुणों के साथ मिलकर अपना अस्तित्व नहीं खो देते हैं, बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी और फिर इसी तरह दूसरी पीढ़ी से तीसरी पीढ़ी तक अपने मूल रूप में अलग अस्तित्व बनाए रखते हैं।

स्वतंत्र छटाई का सिद्धान्त यह बताता है कि किसी एक आनुवंशिक गुण का वितरण दूसरे आनुवंशिक गुण के वितरण से प्रभावित नहीं होता, अर्थात् स्वतंत्र होता है। जैसे मैंडल ने अपने प्रयोग में पाया कि मटर के पौधे के फूल का रंग मटर के फली के आकार, डंठल की लम्बाई आदि गुणों से स्वतंत्र होता है।

मटरों के समान **मैंडल** ने चूहों पर भी प्रयोग किया। उसने सफेद और काले चूहों को साथ-साथ रखा। इनसे जो चूहे उत्पन्न हुए, वे काले थे। फिर उसने इन वर्णसंकर काले चूहों को एक साथ रखा। इनसे उत्पन्न होने वाले चूहे, काले और सफेद दोनों रंगों के थे।

अपने प्रयासों के आधार पर **मैंडल** ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया कि वर्णसंकर प्राणी या वस्तुएँ अपने मौलिक या सामान्य रूप की ओर अग्रसर होती हैं। **यही सिद्धान्त "मैंडलवाद** (Mendelism)" **के नाम से प्रसिद्ध है।**

ऊपर के विवरण से स्पष्ट है कि प्रकृति आनुवंशिकता के मामले में पीढ़ी-दर-पीढ़ी के बाद स्वयं शुद्धता एवं संतुलन बनाने के लिए प्रयत्नशील रहती है। व्यक्तियों की आनुवंशिकता के सम्बन्ध में निम्नलिखित बिन्दुओं का महत्व सर्वाधिक बताया गया है—

(i) बालक की आनुवंशिकता में केवल उसके माता-पिता की ही देन नहीं होती, बल्कि बालक की आनुवंशिकता का आधा भाग माता-पिता से, एक-चौथाई भाग दादा-दादी, नाना-नानी से, शेष भाग परदादा-परदादी, परनाना-परनानी आदि से मिलता है। इसलिए एक शिशु पूर्णतः अपने माता-पिता पर ही निर्भर नहीं करता और अपने पूर्वजों के गुणों को अपने में कुछ हद तक सम्मिलित किए रहता है।

(ii) क्रोमोसोम्स सदा जोड़े में रहते हैं। क्रोमोसोम्स में जीन भी जोड़े में होते हैं। इन्हीं जीन्स के आधार पर शिशुओं के गुणों का निर्धारण होता है। शिशु अपने माता या पिता के लक्षण सहित पैदा हो सकता है। जैसे मान लिया जाए कि पिता का कद नाटा और रंग गोरा है और माता का कद लम्बा तथा रंग साँवला है तो शिशु लम्बा और गोरा या नाटा एवं साँवला हो सकता है।

(iii) किसी भी नवजात शिशु को 23 क्रोमोसोम्स माता से तथा 23 क्रोमोसोम्स पिता से मिलते हैं। इस तरह से कुल 46 क्रोमोसोम्स या 23 जोड़े क्रोमोसोम्स नवजात शिशु में होते हैं। इनमें 22 जोड़े यानी 44 क्रोमोसोम्स बालक या बालिका में आकार एवं विस्तार में समान होते हैं। इन्हें आटोजोम्स कहा जाता है। 23वाँ जोड़ा यौन क्रोमोसोम्स होता है जो बालिका में समान अर्थात् XX होता है, परन्तु बालक में भिन्न अर्थात् XY होता है। Y क्रोमोसोम्स X क्रोमोसोम्स की अपेक्षा छोटा होता है तथा इसमें X क्रोमोसोम्स की तुलना में कम जीन्स होते हैं। मानव में शिशु के यौन का निर्धारण पिता द्वारा होता है (क्योंकि पिता में XY होते हैं) न कि माता द्वारा (जिसमें हमेशा XX क्रोमोसोम्स ही होते हैं)।

वंशानुक्रम की प्रक्रिया
(Process of Heredity)

मानव शरीर की प्रत्येक कोशिका के केन्द्रक में छड़ी के आकार की संरचना होती है जिसे क्रोमोसोम्स की संज्ञा दी जाती है। इसकी संख्या प्रत्येक कोशिका के केन्द्रक में 46 यानी 23 जोड़ा होती है। परन्तु, जनन कोशिका के केन्द्रक में मात्र 23 क्रोमोसोम्स ही पाये जाते हैं। हाँ, जब पुरुष के टेस्टीज से निकलने वाले शुक्राणु की कोशिका स्त्री के ओवरी से निकलने वाले अण्डाणु की कोशिका से मिलती है जिसके फलस्वरूप गर्भधारण होता है, तो शुक्राणु के 23 क्रोमोसोम्स तथा अण्डाणु के 23 क्रोमोसोम्स दोनों मिलकर नए जीव में क्रोमोसोम्स की उचित संख्या अर्थात् 46 यानी 23 जोड़ा बना देता है। इनमें क्रोमोसोम्स के 22 जोड़ों का आकार स्त्री और पुरुष दोनों में ही समान होता है और इन्हें आटोजोम्स कहा जाता है। क्रोमोसोम्स का 23वाँ जोड़ा सेक्स क्रोमोसोम्स होता है जो स्त्री में तो समान होता है, परन्तु पुरुष में भिन्न। सेक्स क्रोमोसोम्स दो तरह के होते हैं—एक लम्बा क्रोमोसोम्स तथा दूसरा नाटा क्रोमोसोम्स कहा जाता है। पिता में X तथा Y क्रोमोसोम्स दोनों होते हैं जबकि माँ में सिर्फ X क्रोमोसोम्स होते हैं। जब पिता के वैसे शुक्राणु जिसमें X क्रोमोसोम्स होते हैं, माँ के अण्डाणु के X क्रोमोसोम्स से मिलते हैं, तो ऐसी अवस्था में लड़की उत्पन्न होती है, परन्तु जब पिता के वैसे शुक्राणु जिसमें Y क्रोमोसोम्स होते हैं, माँ के X क्रोमोसोम्स से मिलता है तो ऐसी अवस्था में लड़का उत्पन्न होता है।

क्रोमोसोम्स में ही एक विशेष संरचना होती है जिसे जीन कहा जाता है। इन्हीं जीन्स के द्वारा माता-पिता के अपने तथा अपने पुरखों के गुण अपने पुत्र या पुत्रियों में जाते हैं। एक ही क्रोमोसोम्स में सैकड़ों जीन्स हो सकते हैं और प्रत्येक जीन्स का सम्बन्ध एक खास गुण के निर्धारण से होता है। 1950 में विशेषज्ञों द्वारा यह पता लगाया गया है कि जीन में मुख्य रूप से दो जैविक अणु होते हैं जिन्हें डी. एन. ए. या Deoxyribonucleic acid तथा आर. एन. ए. या Ribonucleic acid कहा जाता है। DNA में विशेष गुण जो मूलतः माता-पिता से मिले होते हैं, संचित रहता है तथा इससे इस बात का निर्धारण होता है कि जीव किस प्रकार का शीलगुण विकसित करेगा। RNA द्वारा DNA के संदेशों को ढोया जाता है। इस तरह स्पष्ट है कि जीन्स द्वारा ही मूलतः आनुवंशिक गुणों का संचरण होता है।

क्रोमोसोम्स के जोड़े के दोनों सदस्यों में एक ही गुण वाले जीन्स होते हैं और इसलिए जीन्स के भी जोड़े होते हैं। ये दोनों जीन्स अपने-अपने क्रोमोसोम्स में एक खास जगह पर होते हैं। ऐसे क्रोमोसोम्स को होमोलोगस क्रोमोसोम्स तथा ऐसे जीन्स को होमोलोगस जीन्स कहा जाता है। ये दोनों होमोलोगस जीन्स समरूप या असमान हो सकते हैं। जब वे समान होते हैं, तो जीव निश्चित रूप से सम्बन्धित गुण दिखाता है। जैसे मान लिया जाए कि ये दोनों जीन्स हकलाने के ही है, तो शिशु अवश्य हकलाएगा। ऐसा भी सम्भव है कि ये दोनों जीन्स समरूप न होकर असमान हो। ऐसे जीन्स को ऐलेल्स कहा जाता है। जैसे सम्भव है कि जोड़े का एक जीन हकलाने का हो और दूसरा जीन सामान्य ढंग से बातचीत करने का हो। ऐसी अवस्था में जीव में कौन-सा गुण विकसित होगा, यह निर्भर इस बात पर करता है कि इन दोनों में कौन-सा जीन प्रबल है तथा कौन अप्रबल? प्रबल जीन वैसे जीन को कहा

जाता है जो अप्रबल जीन के साथ होने पर अपना गुण संतान में अधिक दिखाता है, परन्तु अप्रबल जीन के गुण को पूर्णतः समाप्त नहीं कर देता। कभी जब अगली पीढ़ी में या उससे अगली पीढ़ी में इस तरह के अप्रबल जीन एकसाथ मिलते हैं तो अपना गुण संतान में दिखा देते हैं। जब होमोलोगस जीन्स के जोड़े का एक जीन हकलाने का है और दूसरा जीन सामान्य ढंग से बातचीत करने का है, तो बालक सामान्य ढंग से ही बातचीत करेगा; क्योंकि यह जीन हकलाने वाले जीन से अधिक प्रबल होता है। सामान्यतः अप्रबल जीन से सम्बद्ध गुण बालक में तभी देखे जाते हैं जब एक ही गुण के दोनों जीन समरूप हों। जब किसी गुण से सम्बन्धित दोनों जीन्स बालक में समरूप होते हैं तो वैसे बालक को होमोजाइगोअस बालक कहा जाता है, परन्तु जब वे भिन्न-भिन्न होते हैं तो उसे हेट्रोजाइगोअस बालक कहा जाता है।

कुछ अज्ञात कारणों से कभी-कभी कुछ व्यक्तियों में सामान्य से अधिक X या Y क्रोमोजोम्स पाये जाते हैं। जन्म के पहले दिन यदि बच्चे के शरीर से खून लेकर एक विशेष प्रविधि, जिसे कैरियोटाईपिंग कहा जाता है, द्वारा यदि जाँच की जाए, तो यह स्पष्ट रूप से पता चल जायेगा कि उस बच्चा या बच्ची में क्रोमोसोम्स का सामान्य जोड़ा अर्थात् XY या XX है या इस सामान्य संख्या से X या Y ज्यादा या कम संख्या में है। क्रोमोसोम्स के जोड़े में वैसे तो कई तरह की असामान्यताएँ पाई जाती हैं, परन्तु उसमें प्रमुख असामान्यताएँ हैं— XXY की असामान्यता, XYY की असामान्यता तथा XO की असामान्यता। XXY की असामान्यता में व्यक्ति देखने में पुरुष जैसा लगता है, परन्तु सचमुच वह अप्रजायी होता है। इसे क्लाइनफेल्टर्स सलक्षण भी कहा जाता है। XO की असामान्यता में महिला होते हुए भी उसमें महिला का गुण नहीं पाया जाता है तथा वह बाँझ होती है। इसे टर्नर्स सलक्षण भी कहा जाता है। XYY की असामान्यता होने पर पुरुष अपराधी हो जाता है।

बालक पर वंशानुक्रम का प्रभाव (Influence of Heredity on Child)

कुछ मनोवैज्ञानिकों के आधार पर वंशानुक्रम के प्रभाव का वर्णन निम्न प्रकार है—

1. **मूल-शक्तियों पर प्रभाव—थार्नडाइक** (Thorndike) का मत है कि बालक की मूल शक्तियों का प्रधान कारण उसका वंशानुक्रम है।
2. **शारीरिक लक्षणों पर प्रभाव—कार्ल पीयरसन** (Karl Pearson) का मत है कि यदि माता- पिता की लम्बाई कम या अधिक होती है तो उनके बच्चे की भी लम्बाई कम या अधिक होती है।
3. **प्रजाति की श्रेष्ठता पर प्रभाव—क्लिनबर्ग** (Klinberg) का मत है कि बुद्धि की श्रेष्ठता का कारण प्रजाति है। यही कारण है कि अमरीका की श्वेत प्रजाति, नीग्रो प्रजाति से श्रेष्ठ है।
4. **व्यावसायिक योग्यता पर प्रभाव—कैटल** (Cattell) का मत है कि व्यावसायिक योग्यता का मुख्य कारण वंशानुक्रम है। वह इस निष्कर्ष पर अमरीका के 885 वैज्ञानिकों के परिवारों का अध्ययन करने के परिणामस्वरूप पहुँचा। उसने बताया कि इन परिवारों में से 2/5 व्यवसायी-वर्ग के, 1/2 उत्पादक-वर्ग के और केवल 1/4 कृषि-वर्ग के थे।
5. **चरित्र पर प्रभाव—डगडेल** (Dugdale) का मत है कि चरित्रहीन माता-पिता की सन्तान चरित्रहीन होती है। उसने यह बात सन् 1877 ई. में ज्यूस (Jukes) के वंशजों का अध्ययन करके सिद्ध की। 1720 में न्यूयार्क में जन्म लेने वाला ज्यूकस एक चरित्रहीन मनुष्य था और उसकी पत्नी भी उसके समान चरित्रहीन थी। इन दोनों के वंशजों के सम्बन्ध में **नन** (Nunn) ने लिखा है—"पाँच पीढ़ियों में लगभग 1,000 व्यक्तियों में से 300 बाल्यावस्था में मर गए, 310 ने 2,300 वर्ष दरिद्रगृहों में व्यतीत किए, 440 रोग के कारण मर गए, 130 (जिनमें 7 हत्या करने वाले थे) दण्ड-प्राप्त अपराधी थे और केवल 20 ने कोई व्यवसाय करना सीखा।"
6. **महानता पर प्रभाव—गाल्टन** (Galton) का मत है कि व्यक्ति की महानता का कारण उसका वंशानुक्रम है। यह वंशानुक्रम का ही परिणाम है कि व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक लक्षणों में विभिन्नता दिखाई देती है। व्यक्ति का कद, वर्ण, वजन, स्वास्थ्य, बुद्धि, मानसिक शक्ति आदि उसके वंशानुक्रम पर आधारित रहते हैं। **गाल्टन** ने लिखा है—"महान् न्यायाधीशों, राजनीतिज्ञों, सैनिक पदाधिकारियों, साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और खिलाड़ियों के जीवन-चरित्रों का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि इनके परिवारों में इन्हीं क्षेत्रों में प्रशंसा-प्राप्त अन्य व्यक्ति भी हुए हैं।"
7. **वृद्धि पर प्रभाव—गोडार्ड** (Goddard) का मत है कि मन्द-बुद्धि माता-पिता की सन्तान मन्द-बुद्धि और तीव्र-बुद्धि माता-पिता की संतान तीव्र-बुद्धि वाली होती है। उसने यह बात कालीकॉक (Kallikak) नामक एक सैनिक के वंशजों का अध्ययन करके सिद्ध की। कालीकॉक ने पहले एक मन्द-बुद्धि स्त्री से और कुछ समय के बाद एक तीव्र-बुद्धि की स्त्री से विवाह किया। पहली स्त्री के 480 वंशजों में से 143 मन्द-बुद्धि, 46 सामान्य, 36 अवैध सन्तान, 32 वेश्यायें, 24 शराबी, 8 वेश्यालय- स्वामी, 3 मृगी-रोग वाले और 3 अपराधी थे। दूसरी स्त्री के 496 वंशजों में से केवल 3 मन्द-बुद्धि और चरित्रहीन थे। शेष ने व्यवसायियों, डाक्टरों, शिक्षकों, वकीलों आदि के रूप में समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त किए।

बालक पर वातावरण का प्रभाव (Influence of Environment on Child)

कुछ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार वातावरण के प्रभाव का वर्णन निम्न प्रकार है—

1. **शारीरिक अन्तर पर प्रभाव—फ्रेंज बोन्स** (Franz Bons) का मत है कि विभिन्न प्रजातियों के शारीरिक अन्तर का कारण वंशानुक्रम न होकर वातावरण है। उसने अनेक उदाहरण देकर सिद्ध किया है कि जो जापानी और यहूदी, अमरीका में अनेक पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं, उनकी लम्बाई भौगोलिक वातावरण के कारण बढ़ गयी है।
2. **मानसिक विकास पर प्रभाव—गोर्डन** (Gordon) का मत है कि उचित सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण न मिलने पर मानसिक विकास की गति धीमी हो जाती है। उसने यह बात नदियों के किनारे रहने वाले बच्चों का अध्ययन करके सिद्ध की। इन बच्चों का वातावरण गन्दा और समाज के अच्छे प्रभावों से दूर था।
3. **प्रजाति की श्रेष्ठता पर प्रभाव—क्लार्क** (Clark) का मत है कि कुछ प्रजातियों की बौद्धिक श्रेष्ठता का कारण वंशानुक्रम न होकर वातावरण है। उसने यह बात अमरीका के कुछ गोरे और नीग्रो लोगों की बुद्धि-परीक्षा लेकर सिद्ध की। उसके समान अनेक अन्य विद्वानों का मत है कि नीग्रो प्रजाति की बुद्धि का स्तर इसलिए निम्न है, क्योंकि उनको अमरीका की श्वेत प्रजाति के समान शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक वातावरण उपलब्ध नहीं है।
4. **बुद्धि पर प्रभाव—कैंडोल** (Candolle) का मत है कि बुद्धि के विकास में वंशानुक्रम की अपेक्षा वातावरण का प्रभाव कहीं अधिक पड़ता है। उसने यह बात 552 विद्वानों का अध्ययन करके सिद्ध की। ये विद्वान् लन्दन की **'रॉयल सोसायटी'**, पेरिस की **'विज्ञान अकादमी'**, और बर्लिन की **'रॉयल अकादमी'** के सदस्य थे।

5. **व्यक्तित्व पर प्रभाव**—**कूले** (Colley) का मत है कि व्यक्तित्व के निर्माण में वंशानुक्रम की अपेक्षा वातावरण का अधिक प्रभाव पड़ता है। उसने सिद्ध किया है कि कोई भी व्यक्ति उपयुक्त वातावरण में रहकर अपने व्यक्तित्व का निर्माण करके महान् बन सकता है। उसने यूरोप के 71 साहित्यकारों के उदाहरण देकर बताया है कि **बनयान** (Banyan) और **बर्न्स** (Burns) का जन्म निर्धन परिवारों में हुआ था, फिर भी वे अपने व्यक्तित्व का निर्माण करके महान् बन सके। इसका कारण केवल यह था कि उनके माता-पिता ने उनको उत्तम वातावरण में रखा।

6. **अनाथ बच्चों पर प्रभाव**—समाज-कल्याण केन्द्रों में अनाथ और परावलम्बी बच्चे आते हैं। वे साधारणतः निम्न परिवारों के होते हैं, पर केन्द्रों में उनका अच्छी विधि से पालन किया जाता है, उनको अच्छे वातावरण में रखा जाता है और उनके साथ अच्छा व्यवहार किया जाता है।

7. **जुड़वाँ बच्चों पर प्रभाव**—जुड़वाँ बच्चों के शारीरिक लक्षणों, मानसिक शक्तियों और शैक्षिक योग्यताओं में अत्यधिक समानता होती है। **न्यूमैन** (Newman), **फ्रीमैन** (Freeman) और **होलजिंगर** (Holzinger) ने 20 जोड़े जुड़वाँ बच्चों को अलग-अलग वातावरण में रखकर उनका अध्ययन किया। उन्होंने एक जोड़े के एक बच्चे को गाँव के फार्म पर और दूसरे को नगर में रखा। बड़े होने पर दोनों बच्चों में पर्याप्त अन्तर पाया गया। फार्म का बच्चा अशिष्ट, चिन्ताग्रस्त और कम बुद्धिमान था। उसके विपरीत, नगर का बच्चा शिष्ट, चिन्तामुक्त और अधिक बुद्धिमान था।

   स्टीफैन्स (Stephens) का विचार है—"इस प्रकार के अध्ययनों से हम यह निर्णय कर सकते हैं कि पर्यावरण का बुद्धि पर साधारण प्रभाव होता है और उपलब्धि पर अधिक विशेष प्रभाव होता है।"

8. **बालक पर बहुमुखी प्रभाव**—वातावरण, बालक के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक आदि सभी अंगों पर प्रभाव डालता है। इसकी पुष्टि 'एवेरॉन के जंगली बालक' के उदाहरण से की जा सकती है। इस बालक को जन्म के बाद ही भेड़िया उठा ले गया था और उसका पालन-पोषण जंगली पशुओं के बीच में हुआ था। कुछ शिकारियों ने उसे सन् 1799 में पकड़ लिया। उस समय उसकी आयु 11 या 12 वर्ष की थी। उसकी आकृति पशुओं की-सी थी और वह उनके समान हाथों-पैरों से चलता था। वह कच्चा माँस खाता था। उसमें मनुष्य के समान बोलने और विचार करने की शक्ति नहीं थी। उसको मनुष्य के समान सभ्य और शिक्षित बनाने के सब प्रयास विफल हुए।

   भारत में रामू नामक भेड़िया बालक एवं अमला तथा कमला नामक भेड़िया बालिकाओं के उदाहरण वातावरण का महत्त्व सिद्ध करते हैं। कास्पर हाउजर (Casper Houser) नामक राजकुमार को शैशवावस्था से राजनैतिक कारणों से समाज से पृथक् रखा गया। वह केवल उन्हीं ध्वनियों को, जिन्हें उसने सुना होगा, उच्चरित कर सकता था।

वंशानुक्रम व वातावरण का सम्बन्ध एवं सापेक्षिक महत्व (Relation and Comparative Importance of Heredity and Environment)

वंशानुक्रम तथा वातावरण, एक-दूसरे से पृथक् नहीं हैं। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। बीज तथा खेत जैसा इनका सम्बन्ध है। एक के बिना दूसरे की सार्थकता नहीं है। स्वस्थ बीज तभी स्वस्थ पौधे का रूप धारण कर सकता है जबकि वातावरण स्वस्थ एवं सन्तुलित हो। अच्छी खाद, समय पर पानी, धरती की तैयारी, निराई-गुड़ाई आदि वातावरण की सृष्टि करती हैं। **लैण्डिस** और **लैण्डिस** ने इसीलिये कहा है—"वंशक्रम हमें विकसित होने की क्षमतायें प्रदान करता है। इन क्षमताओं के विकसित होने के अवसर हमें वातावरण से मिलते हैं, वंशक्रम हमें कार्यशील पूँजी देता है और परिस्थिति हमें इसको निवेश करने के अवसर प्रदान करती है।"

"Heredity gives the capacities to be developed but opportunity for the development of these capacities must come from environment. Heredity gives us working capital, environment gives us the opportunity to invest it." —**Landis** and **Landis**

बालक के विकास में वंशानुक्रम और वातावरण में से कौन अधिक महत्वपूर्ण है, यह निश्चित रूप से कहना सम्भव नहीं प्रतीत होता है। मानव- विकास में दोनों का अपने-अपने स्थान पर महत्व है। दोनों में से किसी एक की अवहेलना करके मानव के सामाजिक विकास का अध्ययन नहीं किया जा सकता। वास्तव में विकास कार्य में दोनों एक-दूसरे के पूरक और सहायक हैं। मनोवैज्ञानिक वुडवर्थ ने बीज और धरती का उदाहरण देकर दोनों की तुलना करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अच्छी उपज के लिए उत्तम बीज और उत्तम धरती का होना आवश्यक है। एक अच्छा बीज सुन्दर, स्वस्थ और लहलहाता हुआ पौधा तभी बन सकता है जब कि हम उसे अच्छी भूमि में बोयें और उसे अच्छी खाद, समय पर पानी और निराई-गुड़ाई की सुविधा प्रदान करें। हम लाख प्रयत्न करके आलू के बीज से टमाटर का पौधा नहीं तैयार कर सकते, किन्तु अच्छी खाद और समय पर पानी तथा निराई-गुड़ाई करने से एक ही पौधे के अच्छे नमूने और इन सबके अभाव में उसी पौधे से खराब प्रकार के नमूने दिखाई पड़ सकते हैं। अतः बीज के अच्छे होने और धरती के खराब होने पर उपज अच्छी नहीं हो सकती। उसी प्रकार धरती बहुत अच्छी हो और बीज खराब हो तो भी उपज अच्छी नहीं हो सकती। यहाँ जो सम्बन्ध बीज और धरती का है वही सम्बन्ध वंशक्रम और वातावरण का है। विभिन्न परीक्षणों द्वारा भी यह सिद्ध किया गया है कि वंशानुक्रम और वातावरण दोनों ही मानव-विकास में सापेक्षिक प्रभाव डालते हैं और ये दोनों पृथक् नहीं हैं। दोनों को किसी भी स्थिति में अलग करके विचार नहीं किया जा सकता। **मैकाइवर** और **पेज** ने इन दोनों के सापेक्ष महत्व को स्वीकार करते हुए कहा है—''जीवन की प्रत्येक घटना दोनों का परिणाम होती है। किसी भी निश्चित परिणाम के लिए एक उतनी ही आवश्यक है जितनी कि दूसरी। कोई भी न तो हटाई जा सकती है और न ही कभी पृथक् की जा सकती है।''

"Every phenomenon of life is the product of both. Each is as necessary to the result as the other. Neither can ever be eliminated and neither can ever be isolated." —**MacIver** and **Page**

मानव के विकास में वंशक्रम और वातावरण दोनों का समान योग है। **वुडवर्थ** और **मारिक्चस** के अनुसार—''व्यक्ति वंशानुक्रम और वातावरण का योगफल नहीं वरन् दोनों तत्वों का गुणनफल है।'' अर्थात् ''विकास = वंशानुक्रम × वातावरण। वंशानुक्रम को व्यक्ति बीज रूप में प्राप्त करता है और बीज का विकास उचित पोषण द्वारा होता है। इस प्रकार वंशानुक्रम वह गुण है जो उपयुक्त पर्यावरण में ही यथार्थता प्राप्त करता है जैसा कि **मैकाइवर** और **पेज** ने कहा है—''जीवन के सभी गुण वंशक्रम में हैं, इन गुणों का प्रकट होना पर्यावरण पर निर्भर करता है।''

"All the qualities of life are in the heredity, all the evocation of qualities depend on the environment."

अन्त में हम कह सकते हैं कि बालक के व्यक्तित्व के विकास में ये दोनों कारक महत्वपूर्ण हैं। इन दोनों कारकों पर ध्यान देते हुए शिक्षकों और अभिभावकों को बालक के विकास में सहयोग देना चाहिए।

बालक के विकास में वंशानुक्रम और वातावरण की भूमिका (Role of Heredity and Environment in the Development of Child)

मानव विकास के संदर्भ में वंशानुक्रम सम्बन्धी जितने अध्ययन या प्रयोग हुए हैं, उनसे प्रतीत होता है कि मनुष्य के विकास पर वंशानुक्रम का ही प्रभाव पड़ता है तथा वातावरण सम्बन्धी जितने अध्ययन या प्रयोग किए गए हैं उनसे लगता है कि मनुष्य के विकास का मूल कारक वातावरण है। वंशानुक्रम और वातावरण में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, यह निश्चित रूप से कहना मुश्किल है। बालक के विकास में दोनों का अपना-अपना महत्वपूर्ण स्थान है। दोनों में से किसी एक को महत्व देकर और दूसरे की अवहेलना करना उचित नहीं है। वास्तव में विकास कार्य में दोनों एक-दूसरे के पूरक और सहायक हैं।

बालक के विकास में वंशानुक्रम और वातावरण की भूमिका को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है—

1. **वंशानुक्रम व वातावरण की अपृथकता** (Non-seperation of Heredity and Environment)—बालक के व्यक्तित्व के किसी भी विशेष गुण या विशेषता के बारे में यह नहीं कहा जा सकता है कि यह वंशानुक्रम के कारण है अथवा वातावरण के। वास्तव में वंशानुक्रम और वातावरण की संयुक्त देन ही व्यक्तित्व है। मैकाइवर और पेज के उपरोक्त कथन से इस बात को बल मिलता है।
2. **वंशानुक्रम और वातावरण का परस्पर सहयोगी प्रभाव** (Co-acting influences of Heredity and Environment)—बालक के विकास में वंशानुक्रम और वातावरण दोनों में से कौन अधिक महत्वपूर्ण है, यह कहना संभव नहीं है, दोनों ही अति आवश्यक और समान उपयोगी हैं। किसी हालत में दोनों को एक-दूसरे का विरोधी नहीं किया जा सकता है। दोनों एक-दूसरे के पूरक तथा घनिष्ठ सहयोगी है। बीज और भूमि दोनों में से कोई अकेला पौधे को जन्म नहीं दे सकता, बीज में उगने की शक्ति होती है और आगे जरूर एक विशेष किस्म का पौधा बन सकता है लेकिन वह ऐसा कितनी अच्छी तरह कर पाएगा, यह उस भूमि पर निर्भर करता है जिसमें उसे लगाया जा रहा है। उन्नत किस्म के अच्छे बीज और उपजाऊ मिट्टी दोनों का ठीक ढंग से संयोग होने पर ही अधिक अच्छे पौधे की आशा की जाती है। इसी प्रकार बालक के उत्तम विकास के लिए वंशानुक्रम तथा वातावरण का उत्तम संयोग आवश्यक है। **गैरेट** ने इसी को स्पष्ट करते हुए लिखा है—"इससे निश्चित कोई और बात नहीं है कि वंशानुक्रम और वातावरण परस्पर सहयोगी हैं और दोनों ही सफलता के लिए अनिवार्य है।"

   "Nothing is more certain than that heredity and environment are co-acting influences and both are essentials to achievement."

   — **Garrett**
3. **वंशानुक्रम और वातावरण का समान महत्व** (Equal Importance of Heredity and Environment)—बालक की वृद्धि और विकास के संदर्भ में वंशानुक्रम और वातावरण के बीच जो रिश्ता है उसमें 'अथवा' और 'या' की कोई जगह नहीं होती। यह सम्बन्ध केवल 'और' से व्यक्त किया जा सकता है। अतः बालक का विकास वंशानुक्रम और वातावरण दोनों पर निर्भर करता है। वंशानुक्रम और वातावरण के बीच वास्तव में क्या सम्बन्ध है, इस सम्बन्ध में **वुडवर्थ** और **मार्क्विस** का विचार है—"वंशानुक्रम और वातावरण का सम्बन्ध जोड़ की तरह न होकर गुणा की तरह अधिक है।

   व्यक्ति = वंशानुक्रम + वातावरण नहीं बल्कि वंशानुक्रम × वातावरण है।"

   "The relation of heredity and environment is not like addition but more like multiplication. The individual does not equal heredity + environment but does equal heredity × environment."

   — **Woodworth** and **Marquis**
4. **वंशानुक्रम और वातावरण के प्रभावों में अन्तर करना संभव नहीं** (Differentiation is not Possible between the Impact of Heredity and Environment)—बालक की शिक्षा और विकास पर कितना प्रभाव वंशानुक्रम का पड़ता है और कितना वातावरण का, यह बता पाना संभव नहीं है। वंशानुक्रम में वे सभी बातें आ जाती हैं जो व्यक्ति के जन्म के समय नहीं, वरन् गर्भावस्था के समय उत्पन्न थीं। इसी प्रकार वातावरण में वे सब बाह्य तत्व आ जाते हैं, जो व्यक्ति को जन्म के समय प्रभावित करते हैं। मनुष्य के विकास में वंशानुक्रम आधारभूत कारक का कार्य करता है और वातावरण साधन रूप कारक का कार्य करता है और इनमें से किसी एक के अभाव में भी मानव का विकास नहीं किया जा सकता। मनोवैज्ञानिक अध्ययन एवं प्रयोगों के आधार पर यह निष्कर्ष तो निकाले सके हैं कि मनुष्य के किसी भी प्रकार के विकास में वंशानुक्रम और वातावरण दोनों का प्रभाव पड़ता है, परन्तु यह नहीं ज्ञात कर सके कि वंशानुक्रम का कितना प्रभाव पड़ता है और वातावरण का कितना? अन्त में यह कहा जा सकता है कि बालक के व्यक्तित्व के विकास में ये दोनों कारक महत्वपूर्ण हैं। इन दोनों कारकों पर ध्यान देते हुए अध्यापकों और अभिभावकों को बालक के विकास में सहयोग देना चाहिए।

शिक्षक के लिए वंशानुक्रम व वातावरण का महत्व (Importance of Heredity and Environment for Teacher)

शिक्षक के लिए वंशानुक्रम और वातावरण का क्या महत्त्व है और वह उनके ज्ञान से अपना और अपने छात्रों का किस प्रकार हित कर सकता है, इस पर हम अलग-अलग शीर्षकों के अन्तर्गत विचार कर रहे हैं, यथा—

(अ) वंशानुक्रम का महत्त्व (Importance of Heredity)

1. वंशानुक्रम के कारण बालकों में शारीरिक विभिन्नता होती है। शिक्षक इस ज्ञान से सम्पन्न होकर उनके शारीरिक विकास में योग दे सकता है।
2. वंशानुक्रम के कारण बालकों की जन्मजात क्षमताओं में अन्तर होता है। शिक्षक इस बात को ध्यान में रखकर कम प्रगति करने वाले बालकों को अधिक प्रगति करने में योग दे सकता है।
3. बालकों और बालिकाओं में लिंगीय भेद वंशानुक्रम के कारण होता है, जिससे विभिन्न विषयों में उनकी योग्यता कम या अधिक होती है। शिक्षक इस ज्ञान से उनके लिए उपयुक्त विषयों के अध्ययन की व्यवस्था कर सकता है।
4. वंशानुक्रम के कारण बालकों में अनेक प्रकार की विभिन्नताएँ होती हैं, जो उनके विकास के साथ-साथ ही अधिक स्पष्ट होती जाती हैं। शिक्षक, बालकों की इन विभिन्नताओं का अध्ययन करके इनके अनुरूप शिक्षा का आयोजन कर सकता है।
5. वंशानुक्रम के कारण बालकों की सीखने की योग्यता में अन्तर होता है। शिक्षक इस ज्ञान से अवगत होकर देर में सीखने वाले बालकों के प्रति सहनशील और जल्दी सीखने वाले बालकों को अधिक कार्य दे सकता है।
6. बालकों को वंशानुक्रम से कुछ प्रवृत्तियाँ (Tendencies) प्राप्त होती हैं, जो वांछनीय और अवांछनीय—दोनों प्रकार की होती हैं। शिक्षक इन प्रवृत्तियों का अध्ययन करके वांछनीय प्रवृत्तियों का विकास और अवांछनीय प्रवृत्तियों का दमन या मार्गान्तरीकरण कर सकता है।

7. **वुडवर्थ** (Woodworth) के अनुसार—देहाती बालकों की अपेक्षा शहरी बालकों के मानसिक स्तर की श्रेष्ठता आंशिक रूप से वंशानुक्रम के कारण होती है। शिक्षक इस ज्ञान से युक्त होकर अपने शिक्षण को उनके मानसिक स्तरों के अनुरूप बना सकता है।
8. वंशानुक्रम का एक नियम बताता है कि योग्य माता-पिता के बच्चे अयोग्य और अयोग्य माता-पिता के बच्चे योग्य हो सकते हैं। इस नियम को भली-भाँति समझने वाला शिक्षक ही बालकों के प्रति उचित प्रकार का व्यवहार कर सकता है।

(ब) वातावरण का महत्त्व (Importance of Environment)

1. बालक अपने परिवार, पड़ोस, मुहल्ले और खेल के मैदान में अपना पर्याप्त समय व्यतीत करता है और इससे प्रभावित होता है। शिक्षक इन स्थानों के वातावरण को ध्यान में रखकर ही बालक का उचित पथ-प्रदर्शन करता है।
2. **सोरेन्सन** (Sorenson) के अनुसार—शिक्षा का उत्तम वातावरण बालकों की बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि में प्रशंसनीय योग देता है। इस बात की जानकारी रखने वाला शिक्षक अपने छात्रों के लिए उत्तम शैक्षिक वातावरण प्रदान करने की चेष्टा कर सकता है।
3. **रूथ बैंडिक्ट** (Ruth Bendict) के अनुसार—व्यक्ति जन्म से ही एक निश्चित सांस्कृतिक वातावरण में रहता है और उसके आदर्शों के अनुरूप ही आचरण करता है। इस तथ्य को जानने वाला शिक्षक, बालक को अपना सांस्कृतिक विकास करने में योगदान दे सकता है।
4. अनुकूल वातावरण में जीवन का विकास होता है और व्यक्ति उत्कर्ष की ओर बढ़ता है। इस बात को समझने वाला शिक्षक अपने छात्रों की रुचियों, प्रवृत्तियों और क्षमताओं के अनुकूल वातावरण प्रदान करके उनको उत्कर्ष की ओर बढ़ने में सहायता दे सकता है।
5. **यूनेस्को** (UNESCO) के कुछ विशेषज्ञों का कथन है कि वातावरण का बालकों की भावनाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ता है और उससे उनके चरित्र का निर्माण भी होता है। इस कथन में विश्वास करके शिक्षक, बालकों के लिए ऐसे वातावरण का निर्माण कर सकता है, जिससे न केवल उनकी भावनाओं का संतुलित विकास हो, वरन् उनके चरित्र का भी निर्माण हो।
6. वातावरण, बालक के विकास की दशा निश्चित करता है। वातावरण ही निश्चित करता है कि बालक बड़ा होकर अच्छा या बुरा, चरित्रवान् या चरित्रहीन, संयमी या व्यभिचारी, व्यापारी या साहित्यकार, देशप्रेमी या देशद्रोही बनेगा। इस तथ्य पर मनन करने वाला शिक्षक अपने छात्रों के लिए ऐसे वातावरण का सृजन कर सकता है, जिससे उनका विकास उचित दिशा में हो।
7. प्रत्येक समाज का एक विशिष्ट वातावरण होता है। बालक को इसी समाज के वातावरण से अपना अनुकूलन करना पड़ता है। इस बात से भली-भाँति परिचित होने वाला शिक्षक, विद्यालय को लघु समाज का रूप प्रदान करके बालकों को अपने वृहत् समाज के वातावरण से अनुकूलन करने की शिक्षा दे सकता है।

परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न

1. व्यक्तित्व एवं बुद्धि में वंशानुक्रम की–
(A) आकर्षक भूमिका है
(B) महत्वपूर्ण भूमिका है
(C) अपूर्वानुमेय भूमिका है
(D) नाममात्र की भूमिका है

2. मानव विकास किन दोनों के योगदान का परिणाम है ?
(A) सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का
(B) अभिभावक एवं अध्यापक का
(C) वंशानुक्रम एवं वातावरण का
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. आनुवंशिकता और पर्यावरण की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है ?
(A) सीखने और प्रदर्शन करने की एक बच्चे की क्षमता जीनों द्वारा पूरी तरह से निर्धारित की जाती है
(B) अच्छी देखभाल और पौष्टिक आहार बच्चे के किसी भी जन्मजात विकार को दूर कर सकता है
(C) विकास के कुछ पहलू आनुवंशिकता और कुछ अन्य पर्यावरण से अधिक प्रभावित होते हैं
(D) पर्यावरण केवल बच्चे के भाषा-विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

4. आनुवंशिकता ..... का गठन है।
(A) वातावरण (B) मानसिक
(C) आनुवंशिक (D) मनोवैज्ञानिक

5. विकास पर आनुवंशिकता के प्रभाव की सीमा का सबसे अच्छा वर्णन निम्नलिखित में से किसके द्वारा होता है ?
(A) आनुवंशिकता निर्धारित करती है कि कोई कितना विकसित होगा
(B) आनुवंशिकता निर्धारित करती है कि किसी को कितना विकसित किया जा सकता है
(C) (a) और (b) दोनों
(D) या तो (a) या (b)

6. ''किसी व्यक्ति को आकार देने में वातावरण के घटकों की कोई भूमिका नहीं होती, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की वृद्धि उसकी आनुवंशिक संरचना से निर्धारित होती है।'' यह कथन–
(A) ठीक है, क्योंकि वातावरण के घटक किसी व्यक्ति की वृद्धि और विकास में कम योगदान करते हैं
(B) ठीक है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि आनुवंशिक पदार्थ व्यक्ति के विकास की भविष्यवाणी करता है
(C) ठीक नहीं है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि विकास में वातावरण का बड़ा प्रभाव पड़ सकता है
(D) ठीक है, क्योंकि किसी व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना बहुत प्रबल होती है

7. ..... तथा ..... की विशिष्ट अन्योन्य क्रिया का परिणाम विकास के विविध मार्गों और निष्कर्षों के रूप में हो सकता है।
(A) चुनौतियाँ, सीमाएँ
(B) खोज, पोषण
(C) वंशानुक्रम, पर्यावरण
(D) स्थिरता, परिवर्तन

8. एक छः वर्ष की लड़की खेलकूद में असाधारण योग्यता का प्रदर्शन करती है। उसके माता-पिता दोनों ही खिलाड़ी हैं, उसे नित्य प्रशिक्षण देते हैं। बहुत सम्भव है कि उसकी क्षमतायें निम्नलिखित दोनों के बीच परस्पर प्रतिक्रिया का परिणाम होंगी।
(A) वृद्धि और विकास
(B) स्वास्थ्य और परिरक्षण
(C) अनुशासन और पौष्टिकता
(D) आनुवंशिकता और पर्यावरण

9. इस पर अत्यधिक वाद-विवाद होता है कि क्या लड़कों एवं लड़कियों में योग्यताओं का विशिष्ट समूह उनके आनुवंशिक घटकों के कारण होता है। इस सन्दर्भ में निम्नलिखित में से आप सबसे अधिक किससे सहमत हैं ?

(A) लड़के सेवाभाव वाले नहीं हो सकते हैं, क्योंकि वे जन्म से इस प्रकार के होते हैं

(B) लड़कियों को सेवाभाव के लिए सामाजिक रूप से तैयार किया जाता है, जबकि लड़कों को रोने जैसा संवेग प्रदर्शित करने के लिए हतोत्साहित किया जाता है

(C) सभी लड़कियों में कला विषयों के लिए अन्तर्निहित प्रतिभा होती है, जबकि लड़के आक्रामक खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए आनुवंशिक रूप से तैयार होते हैं

(D) यौवनारम्भ के बाद लड़के और लड़कियाँ एक साथ नहीं खेल सकते हैं, क्योंकि उनकी अभिरुचियाँ पूर्णतया विपरीत होती हैं

10. व्यक्तियों में एक-दूसरे से भिन्नता क्यों होती है ?

(A) प्रत्येक व्यक्ति को उसके माता-पिता से जीनों का भिन्न समुच्चय प्राप्त होने के कारण

(B) वातावरण के प्रभाव के कारण

(C) वंशानुक्रम और वातावरण के बीच अन्योन्य क्रिया के कारण

(D) जन्मजात विशेषताओं के कारण

11. बच्चों के व्यवहार को समझने के लिए विद्यार्थियों के घर के वातावरण का महत्वपूर्ण स्थान है तथा इससे प्राप्त सूचना को प्रभावशाली शिक्षाशास्त्र के निर्माण से जोड़ा जा सकता है। यह तथ्य अधिगम के किस सिद्धान्त से सम्बद्ध है ?

(A) व्यवहारवादी

(B) रचनावादी

(C) सामाजिक-रचनावादी

(D) पारिस्थितिक

12. बच्चे के विकास में आनुवंशिकता और वातावरण की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है ?

(A) सहम रुझान वातावरण से सम्बन्धित है, जबकि वास्तविक विकास के लिए आनुवंशिकता जरूरी है

(B) समवयस्कों और पित्रैक (Genes) का सापेक्ष योगदान योगात्मक नहीं होता

(C) आनुवंशिकता और वातावरण एक साथ परिचालित नहीं होते

(D) आनुवंशिकता और वातावरण दोनों एक बच्चे के विकास में 50-50% योगदान रखते हैं

13. मानवीय विकास में आनुवंशिकता एवं परिवेश की भूमिका के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन समुचित है ?

(A) विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आनुवंशिकता एवं परिवेश का सापेक्षिक प्रभाव परिवर्तनशील है

(B) भारत सरकार की विभेदात्मक क्षति पूरकता सम्बन्धी नीति मानवीय विकास में 'प्रकृति' की भूमिका पर आधारित है

(C) परिवेश की भूमिका लगभग स्थिर-सी रहती है, जबकि आनुवंशिकता का प्रभाव परिवर्तित हो सकता है

(D) 'व्यवहारवाद' का सिद्धान्त प्रायः मानवीय विकास में 'प्रकृति' की भूमिका पर आधारित है

14. 'प्रकृति-पोषण' विवाद में 'प्रकृति' से क्या अभिप्राय है ?

(A) जैविकीय विशिष्टताएँ या वंशानुक्रम सूचनाएँ

(B) एक व्यक्ति की मूल वृत्ति

(C) भौतिक और सामाजिक संसार की जटिल शक्तियाँ

(D) हमारे आस-पास का वातावरण

15. 'प्रकृति-पालन-पोषण' वाद-विवाद के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा आपको उपयुक्त प्रतीत होता है ?

(A) एक बच्चा एक खाली स्लेट के समान होता है जिसका चरित्र परिवेश के द्वारा किसी भी आकार में ढाला जा सकता है

(B) बच्चे आनुवंशिक रूप से उस तरफ प्रवञ्चत होते हैं जिस तरफ होना चाहिए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे किस प्रकार के परिवेश में पल-बढ़ रहे हैं

(C) एक बच्चे के व्यवहार का निर्धारण करने में परिवे ीय प्रभावों का बहुत कम महत्व होता है, वह प्राथमिक रूप में आनुवंशिक रूप से निर्धारित होता है

(D) वंशानुक्रम तथा परिवेश अभिन्न रूप से एक-दूसरे से गुँथे हुए हैं और दोनों विकास को प्रभावित करते हैं

16. प्रकृति-पोषण विवाद निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?

(A) वातावरण एवं पालन-पोषण

(B) व्यवहार एवं वातावरण

(C) वातावरण एवं जीव-विज्ञान

(D) आनुवंशिकी एवं वातावरण

उत्तरमाला

1. (A) **2.** (C) **3.** (C) **4.** (C) **5.** (B)
6. (C) **7.** (C) **8.** (D) **9.** (C) **10.** (C)
11. (D) **12.** (B) **13.** (A) **14.** (A) **15.** (D)
16. (D)

❑❑

अध्याय
1

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

अपठित गद्यांश

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 9 तक)
नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के **सबसे उचित** उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

क्यों ? एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब देने का प्रयास हम माता–पिता हमेशा से करते आए हैं। यह अच्छी बात है कि बच्चे सवाल पूछते हैं। सीखने का इससे बढ़िया कोई और तरीका नहीं हो सकता। सभी बच्चों के पास सीखने के दो स्रोत होते हैं – कल्पनाशीलता और उत्सुकता। माता–पिता के रूप में आप अपने बच्चे की कल्पनाशीलता व उत्सुकता को बढ़ावा देकर उसे सीखने के आनंद से सराबोर कर सकते हैं। शिक्षण और सीखना महज स्कूल की चाहरदीवारी के भीतर संपन्न होने वाली रहस्यमय गतिविधियाँ नहीं हैं। वे तब भी होती हैं, जब माता–पिता और बच्चे बेहद आसान चीजों को साथ–साथ करते हैं। उदाहरण के लिए, धुलने वाले कपड़ों के ढेर से मोजों को उनके जोड़ों के हिसाब से छाँटकर गणित और विज्ञान की गुत्थियाँ सुलझा सकते हैं। साथ मिलकर खाना बना सकते हैं, क्योंकि खाना बनाने से गणित और विज्ञान के अलावा अच्छी सेहत की भी सीख मिलती है। एक–दूसरे को कहानियाँ सुना सकते हैं। कहानी सुनाना पढ़ने और लिखने का आधार है। उछल–कूद वाले खेलों से बच्चे गिनती सीखते हैं और जीवन–पर्यंत अच्छी सेहत का पाठ भी पढ़ते हैं। बच्चों के साथ मिलकर कुछ करने से आप समझ जाएँगे कि सीखना मनोरंजक और बेहद महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप है।

1. गद्यांश के आधार पर कहा जा सकता है कि–
(A) माता–पिता को बच्चों के सवालों के जवाब नहीं देने चाहिए।
(B) बच्चे रोज़मर्रा के कार्यों से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं।
(C) कहानी सुनाना ही सीखने का एकमात्र आधार है।
(D) सीखना स्कूल के भीतर ही संभव है।

2. कल्पनाशीलता और उत्सुकता को बढ़ावा देने से बच्चा–
(A) सीखने के आनंद में डूब जाता है।
(B) अच्छी बहस कर सकता है।
(C) अच्छा नागरिक बन सकता है।
(D) स्वयं कहानियाँ बनाकर सुनाता है।

3. 'मनोरंजक' शब्द है–
(A) विशेषण (B) सर्वनाम
(C) संज्ञा (D) क्रिया

4. 'जीवन–पर्यंत शब्द का अर्थ है–
(A) जीवन का अंत
(B) सुखी जीवन का अंत
(C) जीवन और परिवार
(D) जीवन भर

5. 'उत्सुकता शब्द में प्रत्यय है–
(A) सु (B) ता
(C) कता (D) उत्

6. किनके 'क्यों?' प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास हम करते आए हैं?
(A) बच्चों के (B) समाज के
(C) शिक्षकों के (D) माता–पिता के

7. सीखने का बढ़िया तरीका है–
(A) उत्तर देना
(B) विस्तार से समझाना
(C) पुस्तक पढ़ना
(D) प्रश्न पूछना

8. बच्चों के पास सीखने के स्रोतों में से एक है–
(A) उत्सुकता (B) अध्यापक
(C) पाठ्यपुस्तक (D) माता–पिता

9. सीखना तब भी होता है, जब माता–पिता और बच्चे–
(A) गृहकार्य मिलकर करें।
(B) मिलकर खाना बनाना सीखें।
(C) केवल छोटे और आसान काम करें।
(D) साथ–साथ काम करें।

निर्देश (प्रश्न संख्या 10 से 16 तक)
नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के **सबसे उचित** उत्तर वाले विकल्प चुनिए।

साल के जिस माह में मुझे सबसे अधिक लगाव होता है, वह दिसंबर ही है। इस महीने की कोमल धूप मुझे मोह लेती है, लेकिन सभी एहसास होता है कि यह साल भी बीतकर विगत हो जाएगा, ठीक उसी तरह, जैसे धरती मैया के आँचल में न जाने कितनी सदियाँ, कितने बरस दुबककर छिपे बैठे हैं। फिर सोचता हूँ, तो लगता है कि हर किसी के जीवन के बनने में ऐसे ही न जाने कितने 12 महीने होंगे, इन्हीं महीनों के पल–पल को जोड़कर हम–आप सब अपने जीवन को सँवारते–बिगाड़ते हैं। किसानी करते हुए हमने पाया कि एक किसान चार–चार महीने में एक जीवन जीता है। शायद ही किसी पेशे में जीवन को इस तरह टुकड़ों में जिया जाता होगा। चार महीने में हम एक फसल उपजा लेते हैं और इन चार महीने के सुख–दुःख को फसल काटते ही मानो भूल जाते हैं। हमने कभी बाबूजी के मुख से सुना था कि किसान ही केवल ऐसा जीव है, जो स्वार्थ को ताक पर रखकर जीता है। इसके पीछे उनका तर्क होता था कि फसल बोने के बाद किसान इस बात की परवाह नहीं करता है कि फल अच्छा होगा या बुरा। वह सब कुछ मौसम के हवाले कर जीवन के अगले चरण की तैयारी में जुट जाता है। किसानी करते हुए जो एहसास हो रहा है, उसे लिखता जाता हूँ। इस आशा के साथ कि किसानी को कोई परित्यक्त भाव से न देखे। अंतिम महीने में मेरे जैसे किसान मक्का, आलू और सरसों में डूबे पड़े हैं। इस आशा के साथ कि आने वाले नए साल में इन फसलों से नए जीवन को नए सलीके से सजाया–सँवारा जाएगा।

10. किसान अपने सुख–दुःख को कब भूल जाता है?
(A) फसल बोने पर
(B) फसल काट लेने पर
(C) फसल बेच देने पर
(D) फसल तैयार होने पर

11. 'किसान' से बना 'किसानी' शब्द है–
(A) सर्वनाम (B) विशेषण
(C) क्रिया–विशेषण (D) संज्ञा

12. लेखक खेती के साथ–साथ लिखने का काम भी क्यों कर रहा है?
(A) धन के लिए खेती करनी पड़ती है।
(B) किसान दीन नहीं है।
(C) किसान को कोई हीन न समझे।
(D) नाम के लिए सब कुछ करना जरूरी है।

13. लेखक को दिसंबर से विशेष लगाव है, क्योंकि–
(A) कोमल धूप अच्छी लगती है।
(B) साल बदलता है।
(C) साल का अंतिम महीना है।
(D) सरदी होती है।

14. शब्दों का कौन–सा जोड़ा शेष से भिन्न है?
(A) सुख–दुःख (B) सजाया–सँवारा
(C) घास–फूस (D) कंकड़–पत्थर

15. स्वार्थ को ताक पर रखकर जीते हैं–
(A) विद्यार्थी (B) किसान
(C) मज़दूर (D) महापुरुष

16. बच्चों का अपने लेखन के प्रति आत्मविश्वास जगाने के लिए जरूरी है कि:

(A) उसके द्वारा लिखी गई बात का सम्मान किया जाए।

(B) उनके लिखने की गति पर ध्यान दिलाया जाए।

(C) उनके अक्षरों की बनावट की प्रशंसा की जाए।

(D) उनकी वर्तनी की शुद्धता को सराहा जाए।

निर्देश (प्रश्न संख्या 17 से 22 तक)

नीचे दिए गए गद्यांशों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए।

यह तो आप जानते हैं कि पृथ्वी प्रारम्भ में आग का गोला थी। मुझे ठीक–ठीक नहीं पता कि ऐसी आग में मुझ पानी का जन्म कैसे हुआ। लगता यह है कि हमारी पृथ्वी ज्यों-ज्यों ठण्डी होती गई तो उसमें मौजूद गैसों में क्रियाएँ हुईं। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक क्रियाओं से मेरा जन्म हुआ है। इन दोनों ने अपना अस्तित्व मिटाकर मुझे बनाया। पहले मैं पृथ्वी के ऊपर भाप रूप में ही था। फिर जाने क्या हुआ कि मैं ठोस बर्फ बन गया। कल्पना करो चारों ओर बर्फ ही बर्फ। जब सूर्य की किरणें हम पर पड़तीं तो चारों ओर सौन्दर्य बिखर पड़ता। लाखों वर्षों तक इस रूप में रहने के बाद मैं फिसलने लगा क्योंकि बर्फ के ही दबाव से निचली परत पिघलने लगी थी। फिसलकर हम पहुँचे सागर में। वहाँ की तो बात ही निराली थी। वहाँ अब तक हमसे पहले पहुँचे पानी में छोटे–छोटे जीव तैरने लगे थे। घोंघे, मछलियाँ और कछुवे भी। धीरे–धीरे सृष्टि का विस्तार हुआ। जल के बाद स्थल में जीव बनने लगे और आज आप उसी शृंखला के अंग हैं और अपने को मनुष्य कहते हैं।

17. यह आत्मकथा किसकी है?

(A) बर्फ की (B) पानी की

(C) मनुष्य की (D) पृथ्वी की

18. सबसे पहले जीवधारी कहाँ पैदा हुए?

(A) बर्फ में (B) भाप में

(C) जल में (D) स्थल में

19. बर्फ क्यों फिसलने लगी थी?

(A) अपनी गर्मी से पिघल रही थी

(B) बर्फ के बोझ और दबाव से निचली परत पिघल रही थी

(C) सूर्य ने पिघला दिया था

(D) समुद्र की लहरें आ गई थीं

20. मनुष्य किस शृंखला का अंग है?

(A) जीवधारियों की शृंखला का

(B) जलजीवों की शृंखला का

(C) प्राकृतिक शृंखला का

(D) प्राकृतिक परिवर्तन शृंखला का

21. चारों ओर सौन्दर्य.....पड़ता। रिक्त स्थान के लिए शब्द होगा

(A) चमक (B) दमक

(C) बिफर (D) बिखर

22. कौन–सी संज्ञा बहुवचन में नहीं है?

(A) घर बनने लगे हैं

(B) जीव जल में तैर रहे हैं

(C) घोंघे चल रहे हैं

(D) कछुवे की चाल देखें

निर्देश (प्रश्न संख्या 23 से 31 तक)

नीचे दिए गए गद्यांशों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में सबसे उचित विकल्प चुनिए।

आसमान में मुक्का मारना कोई बुद्धिमानी का काम नहीं समझा जाता। बिना लक्ष्य के तर्क करना भी बुद्धिमानी नहीं है। हमें भली–भाँति समझ लेने की आवश्यकता है, कि हमारा लक्ष्य क्या है? हम जो कुछ प्रयत्न करने जा रहे हैं वह किसके लिए है? साहित्य हम किसके लिए रचते हैं, इतिहास और दर्शन क्यों लिखते और पढ़ते हैं? राजनीतिक आन्दोलन किस महान उद्देश्य की सिद्धि के लिए करते हैं? मनुष्य ही वह बड़ी चीज है जिसके लिए सब यह किया करते हैं। हमारे सब प्रयत्नों का एक लक्ष्य है, मनुष्य वर्तमान दुर्गति के पंक से उद्धार पाए और भविष्य में सुख और शान्ति से रह सके। वह शास्त्र, वह ग्रन्थ, वह कला, वह नृत्य, वह राजनीति, वह समाज–सुधार जंजाल–मात्र है जिससे मनुष्य का भला न होता है। मनुष्य आज हा–हाकार के भीतर त्राहि–त्राहि पुकार रहा है। हमारे राजनीतिक और सामाजिक सुधार से अन्न–वस्त्र की समस्या सुलझ सकती है फिर भी मनुष्य सुखी नहीं बनेगा। उसे सिर्फ अन्न–वस्त्र से ही सन्तोष नहीं होगा। इसके बाद भी उसका मनुष्य बनना बाकी रह जाता है। साहित्य वही काम करता है। मनुष्य नामक प्राणी तो पशुओं में ही एक विकसित प्रजाति है और यदि मनुष्यता के गुण और मूल्य उसमें नहीं हैं, तो वह मनुष्य नामक पशु ही है, मनुष्य नहीं। भोजन करना, सोना और वंश–वृद्धि जैसे काम प्रकृति के द्वारा तय हैं, सच्चा मानव बनने के लिए उसे जो दृष्टि चाहिए उसे पाने में साहित्य सहायक हो सकता है।

23. आसमान में मुक्का मारने से आशय है–

(A) लोगों का ध्यान आकर्षित करना

(B) अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना

(C) वीरतापूर्ण कार्य करना

(D) निरर्थक कार्य करना

24. बुद्धिमानी नहीं है–

(A) निरुद्देश्य तर्क करना

(B) राजनीतिक आन्दोलन करना

(C) आसमान में मुक्का मारना

(D) निष्फल कार्य करना

25. साहित्य, कला, नृत्य आदि व्यर्थ हैं यदि उनसे–

(A) मनुष्य का हित न हो सके

(B) लक्ष्य न पाया जा सके

(C) धन न कमाया जा सके

(D) यश प्राप्त न हो सके

26. अन्न–वस्त्र आदि की समस्याएँ हल हो सकती हैं–

(A) अच्छे साहित्य से

(B) आवश्यकताओं की पूर्ति से

(C) सामाजिक सुधारों से

(D) राजनीतिक आन्दोलनों से

27. मनुष्य के लिए प्रकृति द्वारा तय कामों में नहीं है–

(A) अन्न-वस्त्र की पूर्ति

(B) वंश-वृद्धि

(C) सोना

(D) भोजन करना

28. मनुष्य एक पशु ही है यदि उसमें–

(A) साहित्य के प्रति रुचि न हो

(B) मानवीय मूल्य न हों

(C) सम्पन्नता न हो

(D) सामाजिकता न हो

29. दिए गए शब्दों में से अर्थ की दृष्टि से भिन्न शब्द छाँटिए–

(A) निशाना (B) लक्ष्य

(C) उद्देश्य (D) उद्धार

30. अनुच्छेद में 'जंजाल' शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है?

(A) त्राहि–त्राहि (B) झंझट

(C) समस्या (D) प्रयत्न

31. 'बुद्धिमानी' शब्द है–

(A) विशेषण (B) क्रिया

(C) संज्ञा (D) सर्वनामनि

निर्देश (प्रश्न संख्या 32 से 39 तक)

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।

जीवन में बहुत अंधकार है और अंधकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है। कुछ लोग इस अंधकार को स्वीकार कर लेते हैं और तब उनके भीतर जो प्रकाश तक पहुँचने और पाने की आकांक्षा थी, वह क्रमशः क्षीण होती जाती है। मैं अंधकार की इस स्वीकृति को मनुष्य का सबसे बड़ा पाप कहता हूँ यह मनुष्य का स्वयं अपने प्रति किया गया अपराध है। उसके दूसरों के प्रति किए गए अपराधों का जन्म इस मूल पाप से ही होता है। यह स्मरण रहे कि जो व्यक्ति अपने ही प्रति इस पाप को नहीं करता है, वह किसी के भी प्रति कोई पाप नहीं कर सकता है, किन्तु कुछ लोग अंधकार के स्वीकार से बचने के लिए उसके अस्वीकार में लग जाते हैं। उनका जीवन अंधकार के निषेध का ही सतत् उपक्रम बन जाता है।

32. गद्यांश में 'अंधकार' शब्द किस ओर संकेत करता है?

(A) पाप की ओर

(B) बुराइयों और कठिनाइयों की ओर

(C) अपराधों की ओर

(D) गरीबी की ओर

33. लेखक ने किसे सबसे बड़ा पाप कहा है?
(A) प्रकाश पाने की क्षीण आकांक्षा
(B) मनुष्य का अपने प्रति पाप न करना
(C) अंधकार को स्वीकार न करना
(D) अंधकार को स्वीकार कर लेना

34. जब व्यक्ति स्वयं के प्रति किए गए अन्याय, शोषण के विरुद्ध आवाज़ नहीं उठाता तो—
(A) इससे दूसरों के प्रति अन्याय, शोषण को बढ़ावा मिलता है
(B) वह केवल अपने प्रति अन्याय करता है
(C) इससे शांति का माहौल बना रहता है
(D) वह दंड का अधिकारी बन जाता है

35. 'अंधकार का निषेध' किस ओर संकेत करता है?
(A) अन्याय, शोषण, बुराइयों को सदा के लिए समाप्त करना
(B) समाज में फैले अंधकार को प्रकाश में बदल देना
(C) समाज को अंधकार से मुक्त करने के लिए प्रयत्नशील रहना
(D) यह मानना कि समाज में अन्याय, शोषण, बुराइयाँ नहीं हैं

36. इस गद्यांश का मुख्य उद्देश्य है—
(A) अंधकार और प्रकाश की व्याख्या करना
(B) अन्याय और बुराइयों को दूर करने के लिए प्रेरित करना
(C) तरह–तरह के लोगों की विशेषताएँ बताना
(D) पाप और पुण्य की व्याख्या करना

37. इस गद्यांश में 'उपक्रम' का अर्थ है—
(A) आरंभ, शुरुआत
(B) तैयारी, योजना
(C) आयोजन, समारोह
(D) व्यवसाय, कार्य

38. जीवन में बहुत अंधकार है। रेखांकित अंश में कौन–सा कारक है?
(A) अपादान कारक
(B) अधिकरण कारक
(C) करण कारक
(D) सम्प्रदान कारक

39. "...और अंधकार की ही भाँति अशुभ और अनीति है।" वाक्य में निपात है—
(A) ही (B) की
(C) है (D) और

निर्देश (प्रश्न संख्या 40 से 46 तक)
नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए।

शिक्षा केवल तभी बच्चों के आत्मिक जीवन का एक अंश बनती है, जबकि ज्ञान सक्रिय कार्यों के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा हो। बच्चों से यह आशा नहीं की जा सकती कि पहाड़े या समकोण चतुर्भुज का क्षेत्रफल निकालने के नियम आप से आप उन्हें आकर्षित करेंगे। जब बच्चा यह देखता है कि ज्ञान सृजन के या श्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन है, तभी वह ज्ञान पाने की इच्छा उनके मन में जागती है। मैं यह चेष्टा करता था कि छोटी उम्र में ही शारीरिक श्रम में बच्चों को अपनी होशियारी और कुशाग्र बुद्धि का परिचय देने का अवसर मिले। स्कूल का एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कार्यभार है—बच्चों को ज्ञान का प्रयोग करना सिखाना। छोटी कक्षाओं में यह खतरा सबसे ज़्यादा होता है कि ज्ञान निरर्थक बोझ बनकर रह जाएगा, क्योंकि इस उम्र में बौद्धिक श्रम नई–नई बातें सीखने से ही संबंधित होता है।

40. लेखक के अनुसार शिक्षा का अर्थ है
(A) ज्ञान का प्रयोग करना
(B) श्रम करना
(C) विषय पर अधिकार प्राप्त करना
(D) ज्ञान प्राप्त करना

41. ज्ञान–प्राप्ति की इच्छा कब जगती है?
(A) जब हम यह देखें कि ज्ञान हमारे भौतिक जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन है
(B) जब हम यह देखें कि ज्ञान-वान मनुष्य ही श्रम का अधिकारी है
(C) जब हम यह देखें कि ज्ञान के द्वारा हम समस्त सुखों का लाभ उठा सकते हैं
(D) जब हम यह देखें कि ज्ञान के द्वारा सृजनात्मक कार्य किए जा सकते हैं

42. लेखक के अनुसार :
(A) शारीरिक श्रम में तेज बुद्धि की आवश्यकता नहीं होती
(B) शारीरिक श्रम में समझदारी और तेज बुद्धि की भी आवश्यकता होती है
(C) शारीरिक श्रम बच्चों को होशियार बनाता है
(D) शारीरिक श्रम ही एकमात्र महत्त्वपूर्ण तत्त्व है

43. गद्यांश के अनुसार ज्ञान कब निरर्थक बोझ बन जाता है?
(A) जब उसे कक्षाओं तक सीमित कर दिया जाए
(B) जब उसे शारीरिक श्रम से न जोड़ा जाए
(C) जब उसका सक्रिय प्रयोग न किया जाए
(D) जब उस पर पूर्णतः अधिकार न किया जाए

44. 'इच्छा' शब्द में 'इक' प्रत्यय जोड़ने से बनने वाला नया शब्द है
(A) ऐच्छिक (B) इच्छिक
(C) ईच्छिक (D) एच्छिक

45. 'कार्य' का बहुवचन रूप है—
(A) कार्यें (B) कार्य
(C) कार्यक्रमों (D) कार्यों

46. 'बौद्धिक' शब्द में मूल शब्द है
(A) बुद्ध (B) बौद्ध
(C) बौद्धि (D) बुद्धि

निर्देश (प्रश्न संख्या 47 से 53 तक)
गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

मैं दिखाना चाहती हूँ कि हम आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के ज़रिए चीज़ों पर पर्दा डालने की कोशिश नहीं करते, क्योंकि अब तो यही चलन बन गया है। हम आमतौर पर कहते हैं—अरे, सीखने का कितना ख़ुशनुमा माहौल है और देखो, बच्चे कैसे–कैसे प्रयोग कर रहे हैं, वगैरह। मगर अब ये खुशनुमा ढंग से सीखना भी एक ढर्रा बन गया है, इसको बहुत बेजान बना दिया गया है। हम अक्सर सोचते हैं कि बस कोई गतिविधि करना ही काफ़ी है, भले ही वो बिल्कुल निरर्थक हो, भले ही बच्चे उसके ज़रिए कुछ न सीख रहे हों। बस गतिविधियाँ करवाने की मारामारी मची हुई है। आज हमारे यहाँ यही हालात हैं इसलिए मुझे लगता है कि हमें इस बारे में एक नए सिरे से सोचना चाहिए। बेशक, गतिविधि का महत्व है मगर बच्चों को वो चीजें मत सिखाइए जो बाद में आनी हैं। मसलन, उन्हें नम्बर लाइन सिखाकर उसके आधार पर टाइम लाइन की बात मत कीजिए। हर चीज़ को एक सन्दर्भ में कीजिए। इसकी वजह यह है कि बच्चे इसी तरह सीखते हैं। संख्याएँ सन्दर्भ से ही आती हैं। संख्या एक बहुत अमूर्त धारणा है। एक बच्चे के लिए 'दो' समझना अमूर्त बात है। वह कैसे समझेगा कि किसी चीज़ के 'दो' होने का क्या मतलब है?

47. बच्चों के सीखने के तरीके में सबसे अधिक क्या महत्त्वपूर्ण है?
(A) संख्या (B) सन्दर्भ
(C) गतिविधि (D) ये सभी

48. गद्यांश में किसके ढर्रा बन जाने की बात की गई है?
(A) प्रयोग करने की
(B) ख़ुशनुमा माहौल की
(C) ख़ुशनुमा ढंग से सीखने की
(D) गतिविधि करने की

49. गद्यांश के अनुसार—
(A) गतिविधि कराना उचित नहीं है
(B) गतिविधियों का निरन्तर प्रयोग करते रहना चाहिए
(C) गतिविधि के जरिए बच्चे कुछ नहीं सीखते
(D) गतिविधियाँ सार्थक होनी चाहिए

50. बच्चों के लिए क्या मुश्किल है?
(A) संख्या जैसी अमूर्त अवधारणा को समझना
(B) गतिविधियों का महत्त्व समझना
(C) संख्याओं के महत्व को समझना
(D) गतिविधियों के माध्यम से सीखना

51. अक्सर लोग क्या सोचते हैं?
(A) गतिविधि कराना ही काफ़ी है
(B) किसी भी गतिविधि से बच्चे सीखते हैं
(C) गतिविधि से समय की बचत होती है
(D) गतिविधियाँ बहुत बेजान होती हैं

52. 'गतिविधियाँ करवाने की मारामारी मची हुई है' का आशय है—

(A) गतिविधियाँ कराते समय मारपीट हो रही है
(B) गतिविधियाँ कराना बहुत महँगा पड़ता है
(C) सभी लोग देखा–देखी निरर्थक गतिविधियाँ भी करवाने में लगे हुए हैं
(D) सभी लोग देखा–देखी सार्थक गतिविधियाँ करवाने में लगे हुए हैं

53. 'अमूर्त' का विलोम है—

(A) मूर्त (B) साकार
(C) प्रत्यक्ष (D) मूर्तिवान

निर्देश (प्रश्न संख्या 54 से 60 तक)

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

देखिए, यह सिर्फ़ सिद्धान्त की बात नहीं है, यह तो हमारे अनुभवों और व्यवहार से भी दिखाई दे रही है। आज क्या स्थिति है? शिक्षा में हमने बहुत प्रगति की है। पहले बहुत कम स्कूल थे, अब हर गाँव में और हर मोहल्ले में स्कूल हैं। बहुत दूरस्थ इलाक़े में भी स्कूल खुल चुके हैं, लेकिन उन स्कूलों में जो शिक्षा मिल रही है वह नाममात्र की शिक्षा मिल रही है। पाँचवीं पास हो जाएँगे, छठी, आठवीं में बच्चा पहुँच जाएगा, लेकिन उनकी लिखने, पढ़ने और हिसाब करने की योग्यता बहुत कमजोर है। यह क्यों हो रहा है? इसलिए हो रहा है कि इस देश में जितने पैसे वाले लोग हैं उन्होंने अपनी व्यवस्था अलग बना ली है और उनको अब इस बात की परवाह नहीं है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई हो रही है या नहीं। कितने शिक्षक हैं, क्या व्यवस्था है, शिक्षक आता है या नहीं, ये सारी चीजें हैं जिनसे उनको कोई मतलब नहीं है।

54. शिक्षा में प्रगति हुई है, गद्यांश के अनुसार इसका प्रमाण है—

(A) बच्चे अच्छा सीख रहे हैं
(B) दूर–दराज़ के गाँव में भी स्कूल खुल गए हैं
(C) दूर–दराज़ के गाँवों में सभी बच्चे पढ़ने जाते हैं
(D) बच्चे हिसाब में पक्के हो गए हैं

55. दूरस्थ इलाकों में—

(A) अच्छी शिक्षा मिल रही है
(B) अच्छे शिक्षक पढ़ाते हैं
(C) अच्छी शिक्षा नहीं मिल रही है
(D) शिक्षक रोज समय पर आते हैं

56. बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं, इसका कारण है—

(A) पैसे वाले लोगों ने अपने अलग स्कूल खोल लिए हैं
(B) पैसे वाले लोगों को इस बात से कोई सरोकार नहीं है
(C) पैसे वाले लोग गाँव में कम जाते हैं
(D) पैसे वाले लोगों की व्यवस्था ख़राब है

57. गद्यांश के अनुसार बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए—

(A) अधिक स्कूल खोले जाने चाहिए
(B) शिक्षा–व्यवस्था में से पैसे वाले लोगों को निकाल देना चाहिए
(C) बच्चों, शिक्षकों और पूरी शिक्षा–व्यवस्था पर ध्यान दिया जाना चाहिए
(D) बच्चों को अधिक समय तक पढ़ाना चाहिए

58. 'शिक्षा' में 'इक' प्रत्यय लगाने पर शब्द बनेगा—

(A) शैक्षिक (B) शिक्षिक
(C) शैक्षीक (D) शिक्षित

59. 'प्रगति' में कौन–सा प्रत्यय लगेगा?

(A) वान (B) वाला
(C) शील (D) दार

60. गद्यांश में किस शब्द के एक से अधिक अर्थ हैं?

(A) शिक्षा (B) प्रगति
(C) योग्यता (D) पास

निर्देश (प्रश्न संख्या 61 से 68 तक)

गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

हमारे देश में आधुनिक शिक्षा नामक एक चीज़ प्रकट हुई है। इसके नाम पर यत्र–तत्र स्कूल और कॉलेज कुकुरमुत्तों की तरह सिर उठाकर खड़े हो गए हैं। इनका गठन इस तरह किया गया है कि इनका प्रकाश कॉलेज व्यवस्था के बाहर मुश्किल से पहुँचता है। सूरज की रोशनी चाँद से टकराकर जितनी निकलती है, इनसे उससे भी कम रोशनी निकलती है। एक परदेशी भाषा की मोटी दीवार इसे चारों ओर से घेरे हुए है। जब मैं अपनी मातृभाषा के ज़रिए शिक्षा के प्रसार के बारे में सोचता हूँ तो उस विचार से साहस क्षीण होता है। घर की चहारदीवारी में बंद दुल्हन की तरह यह भयभीत रहती है। बरामदे तक ही इसकी स्वतंत्रता का साम्राज्य है: एक इंच आगे बढ़ी कि घूँघट निकल आता है। हमारी मातृभाषा का राज प्राथमिक शिक्षा तक सीमित है। दूसरे शब्दों में, यह केवल बच्चों की शिक्षा के लिए उपयुक्त है, माना यह कि जिसे कोई दूसरी भाषा सीखने का अवसर नहीं मिला, हमारी जनता की उस विशाल भीड़ को शिक्षा के उनके अधिकार के प्रसंग में बच्चा ही समझा जाएगा। उन्हें कभी पूर्ण विकसित मनुष्य नहीं बनना है और तब भी हम प्रेमपूर्वक सोचते हैं कि स्वराज मिलने पर उन्हें सम्पूर्ण मनुष्य के अधिकार हासिल होंगे।

61. इन स्कूल–कॉलेजों में किस भाषा में पढ़ाई होती है?

(A) देशी भाषा में
(B) मानक भाषा में
(C) विदेशी भाषा में
(D) गृहभाषा में

62. लेखक किस विचार से सहमत नहीं है?

(A) मातृभाषा में ही पढ़ाया जाए।
(B) मातृभाषा का प्रयोग केवल प्राथमिक स्तर तक ही उपयुक्त है।
(C) मातृभाषा का प्रयोग बहुत सीमित है।
(D) अन्य भाषाएँ भी सीखना बुरा नहीं है।

63. लेखक ने मातृभाषा की तुलना किससे की है?

(A) दुल्हन से (B) चहारदीवारी से
(C) बरामदे से (D) घूँघट से

64. आधुनिक शिक्षा के नाम पर ऐसा क्या हुआ जो लेखक को अप्रिय है?

(A) सूर्य की रोशनी का चाँद से टकराना
(B) स्कूल –कॉलेजों का अनियोजित तरीके से खुलना
(C) मातृभाषा के ज़रिए शिक्षा देना
(D) लोगों को शिक्षा का अधिकार प्राप्त न होना

65. 'विचार' शब्द में 'इक' प्रत्यय लगने पर जो शब्द बनेगा, वह है

(A) विचारिक (B) वैचारिक
(C) वैचारीक (D) वेचारिक

66. 'साहस' शब्द है

(A) विशेषण
(B) क्रिया–विशेषण
(C) भाववाचक संज्ञा
(D) क्रिया

67. 'घर की चहारदीवारी में बंद दुल्हन की तरह <u>यह</u> भयभीत रहती है।' वाक्य में रेखांकित अंश है

(A) क्रिया विशेषण
(B) निश्चयवाचक सर्वनाम
(C) अनिश्यवाचक सर्वनाम
(D) संबंधवाचक सर्वनाम

68. स्कूल और कॉलेजों का कुकुरमुत्तों की तरह सिर उठाने से तात्पर्य है कि स्कूल और कॉलेज

(A) नियम के तहत खोले गए हैं।
(B) अवांछनीय रूप से खोले गए हैं।
(C) योजना के तहत खोले गए हैं।
(D) वांछित रूप से खुलवाए गए हैं।

निर्देश (प्रश्न संख्या 69 से 75 तक)

गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

राजनीतिक बहसों की गरमी में हम जो भी कहें, अपने राष्ट्रीय अभिमान की अभिव्यक्ति में हम जितना भी जोर से चीखें, सक्रिय राष्ट्रीय सेवा के प्रति हम अत्यंत उदासीन रहते हैं, क्योंकि हमारा देश प्रकाश से हीन है। मानव स्वभाव में निहित कंजूसी के कारण जिन्हें हमने नीचा रख छोड़ा है, उनके प्रति अन्याय से हम बच ही नहीं सकते। समय–समय पर उनके नाम पर हम पैसा इकट्ठा करते हैं, लेकिन उनके हिस्से में शब्द ही आते हैं, पैसा तो अंततः हमारी पार्टी के ही लोगों के पास पहुँचता है। संक्षेप में, हमारे देश के उस अत्यंत छोटे हिस्से, पाँच प्रतिशत और आबादी के अन्य पंचानवे प्रतिशत के बीच की दूरी समुंदर से भी अधिक चौड़ी है।

69. लेखक के अनुसार हम किनके प्रति अन्याय करते हैं?
(A) जो कंजूस हैं।
(B) जो निम्न वर्ग के हैं।
(C) जो ज़ोर से चीखते हैं।
(D) जो राष्ट्र की सेवा नहीं करते।

70. लेखक के अनुसार हम किनके नाम पर पैसा इकट्ठा करते हैं?
(A) सभी मानवों के नाम पर
(B) कंजूस लोगों के नाम पर
(C) निम्न वर्ग के लोगों की भलाई के नाम पर
(D) पार्टी के नाम पर

71. 'लेकिन उनके हिस्से में शब्द ही आते हैं ....' वाक्य में रेखांकित शब्द किस अर्थ की ओर संकेत करता है?
(A) बड़बोलेपन की तरफ
(B) कभी न पूरे होने वाले वादों की तरफ
(C) अपमानजनक भाषा की तरफ
(D) भाषिक सामग्री की तरफ

72. किस शब्द में स्वर रहित वर्ण के स्थान पर अनुस्वार (.) का प्रयोग किया जा सकता है?
(A) सम्मान (B) अत्यन्त
(C) अन्याय (D) अक्षुण्ण

73. 'राष्ट्रीय' शब्द में कौन–सा प्रत्यय है?
(A) इय (B) य
(C) ईय (D) रीय

74. 'जितना भी ज़ोर से चीखें', वाक्य में क्रिया है
(A) अकर्मक (B) सकर्मक
(C) प्रेरणार्थक (D) द्विकर्मक

75. गद्यांश के आधार पर कहा जा सकता है कि
(A) संसाधनों का बँटवारा समान रूप से है।
(B) संसाधनों का असंतुलित बँटवारा वर्ग–भेद की खाई को बढ़ाता है।
(C) केवल पाँच प्रतिशत आबादी के पास ही बुद्धि है।
(D) पंचानवे प्रतिशत आबादी समुंदर के किनारे रहती है।

अपठित पद्यांश

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 6 तक)
निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिये।

वह आता–
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी–भर दाने को–भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता–
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

1. 'कलेजे को दो टूक करना' का आशय है–
(A) मन को कष्ट पहुँचाना।
(B) दिल की चीर–फाड़ करना।
(C) कठिनाई पैदा करना
(D) टुकड़े–टुकड़े करना।

2. भिखारी अपनी झोली क्यों फैलाता है ?
(A) झोली में कुछ छिपाना चाहता है।
(B) मुट्ठी–भर अनाज दिखाना चाहता है।
(C) अपनी गरीबी के बारे में बताना चाहता है।
(D) भूख मिटाने के लिए कुछ अन्न चाहता है।

3. 'मुँह' शब्द में प्रयुक्त चंद्रबिंदु है–
(A) अनुनासिक (B) नासिक्य
(C) शिरोरेखा (D) अनुस्वार

4. काव्यांश से हमारे मन में उठने वाला मुख्य भाव है–
(A) हास्य (B) करुणा
(C) वीरता (D) शृंगार

5. 'वह आता' में 'वह' सर्वनाम किसका द्योतक हो सकता है ?
(A) अतिथि (B) भिक्षुक
(C) विकलांग (D) गांधीजी

6. 'पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक' इसका कारण क्या हो सकता है ?
(A) झुककर चलना।
(B) कुछ भी भोजन न करना ।
(C) भीख माँगने का नाटक करना ।
(D) सिकुड़कर बैठना।

निर्देश (प्रश्न संख्या 7 से 12 तक)
नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकिंचन
किंतु फिर भी कर रहा इतना निवेदन
थाल में लाऊँ सजाकर भाल जब भी
कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण।
माँ मुझे बलिदान का वरदान दे दो
तोड़ता हूँ मोह का बंधन क्षमा दो
आज सीधे हाथ में तलवार दे दो
और बाएँ हाथ में ध्वज को थमा दो।
सुमन अर्पित चमन अर्पित
नीड़ का कण–कण समर्पित
चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

7. 'माँ' संबोधन किसके लिए है?
(A) मातृभूमि के लिए
(B) देवी दुर्गा के लिए
(C) जननी के लिए
(D) पृथ्वी के लिए

8. कवि निवेदन कर रहा है कि–
(A) उसके जीवनदान को स्वीकार किया जाए
(B) उस पर दया की जाए
(C) उसे ऋण चुकाने का अवसर मिले
(D) वह मूल्यवान थाल में माथा सजाकर लाए

9. 'नीड़ का कण–कण समर्पित' कथन में 'नीड़' का आशय है–
(A) झोपड़ी (B) महल
(C) तिनके (D) घर–परिवार

10. "चाहता हूँ, देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ"—कथन में 'कुछ और' से तात्पर्य है कि कुछ ऐसा दिया जाए जो–
(A) ब्याज चुकाने से बेहतर हो
(B) थाल में दी जाने वाली भेंट से अच्छा हो
(C) ऋण चुकाने से बढ़कर हो
(D) बलिदान से भी बढ़कर हो

11. 'अकिंचन' का अर्थ है–
(A) परमदुखी (B) अति निर्धन
(C) ऋणी (D) बेसहारा

12. 'बलिदान' शब्द से बना विशेषण है–
(A) आत्मबलि (B) बलिदानी
(C) प्रबल दानी (D) बलवान

निर्देश (प्रश्न संख्या 13 से 15 तक)
निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

न अवरोध कोई, न बाधा कही है
न संदेह कोई, न व्यवधान कोई
बहुत दूर से हैं दिशाएँ बुलातीं
नहीं पथ–डगर आज अनजान कोई
दिशाएँ निमंत्रण मुझे दे रही हैं,
दिगंतर खुला सिर्फ मेरे लिए है।
नहीं कुछ यहाँ राह जो रोक पाए
न कोई यहाँ जो मुझे टोक पाए
अजानी हवा में उड़ा जा रहा हूँ
विजय गीत मेरा गगन मस्त गाए
हृदय में कहीं कह रहा बात कोई,
धरा और गगन सिर्फ तेरे लिए है।

13. कवि को कोई कह रहा है कि–
(A) बाधाओं से दूर रहना चाहिए
(B) धरती और आसमान उसके लिए है
(C) लक्ष्य अभी बहुत दूर है
(D) अजानी हवा में उड़ो

14. कविता में दो समानार्थी शब्द एक ही वाक्य में आए हैं। वह वाक्य कौन–सा है?
(A) धरा और गगन सिर्फ तेरे लिए हैं
(B) न अवरोध कोई, न बाधा कहीं है
(C) न संदेह कोई, न व्यवधान कोई
(D) अजानी हवा में उड़ा जा रहा हूँ

15. कवि को कौन निमंत्रण दे रहा है?
(A) दिशाएँ (B) हवा
(C) गगन (D) दिगंतर

निर्देश (प्रश्न संख्या 16 से 21 तक)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के **सबसे उचित** उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।

गरजते घन घनन–घन–घन,
नाचता है मोर–सा मन,
ऐसी पड़ी झर–झर झड़ी–
भीगा बदन बेसुध है मन।
आज वर्षा अजब आई!
बह रही है मस्त पुरवाई,
नदी है द्वार तक आई,
मेघों से लिपटकर सो गया सूरज–
ले रहे हैं खेत अँगड़ाई।
आज वर्षा गजब आई!

16. 'पुरवाई, से आशय है–
(A) पूर्व को बहने वाली नदी
(B) पूर्व की ओर बहने वाली पवन
(C) मदमस्त करने वाली हवा
(D) पूर्व से आने वाली वायु

17. 'बेसुध है मन' कहकर कवि बताना चाहता है कि मन–
(A) मस्त हो जाता है।
(B) गाने लगता है।
(C) झूमने लगता है।
(D) पानी से भीग जाता है।

18. खेत अँगड़ाइयाँ ले रहे हैं क्योंकि–
(A) सूर्य के सो जाने से उन्हें भी नींद आ रही है।
(B) सुबह हो गई, वे नींद से जाग रहे हैं।
(C) उन्हें बहुत आनंद आ रहा है।
(D) सूर्य दिखाई नहीं दे रहा है।

19. 'गरजते घन घनन–घन–घन' – में अलंकार है–
(A) अनुप्रास (B) रूपक
(C) श्लेष (D) उपमा

20. मन की उपमा किससे दी गई है?
(A) वर्षा से (B) मोर से
(C) सावन से (D) बादलों से

21. 'लिपटकर सो गया सूरज' का भाव है कि सूर्य–
(A) खो गया है। (B) थक गया है।
(C) छिप गया है। (D) नींद में है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 22 से 27 तक)

दी गई कविता की पंक्तियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

चमकीली है सुबह आज की आसमान में
निश्चय कल की सुबह और चमकीली होगी
बेचैनी की बाँहों में कल फूल खिलेंगे
घुटन गमकती साँसों की आवाज सुनेगी।
कुण्ठाओं की टहनी छिन्न–भिन्न होगी फिर
आशा अपने हाथों से अब कुसुम चुनेगी,
चटकीली है आज चहकती हुई चाँदनी
कल चन्दा की किरण और चटकीली होगी खुल जाएँगे,
अब सबके दिल के दरवाजे आँखें अपनी आँखों को पहचान सकेंगी।

22. काव्यांश में 'चमकीली सुबह' का आशय है–
(A) अन्धकार समाप्ति के बाद आशाभरी सुबह
(B) सूर्य की किरणों से चमकती सुबह
(C) सफेद कोहरे से चमकती सुबह
(D) प्रातः काल का समय

23. कवि को विश्वास है कि–
(A) सुबह का समय सदा सुहाना होता है
(B) कल की सुबह आज से अच्छी होगी
(C) सुबह का सूर्य कष्ट दूर करता है
(D) आज की सुबह सबसे अच्छी होगी

24. 'कुण्ठाओं की टहनी छिन्न–भिन्न होगी' से तात्पर्य है–
(A) दुःख की अनुभूति खत्म होगी
(B) पुरानी डाल टूट जाएगी
(C) निराशा दूर होगी
(D) मन का दुःख दूर होगा

25. 'चाँदनी' का विशेषण है–
(A) चटकीली (B) तड़पती
(C) गमकती (D) महकती

26. 'दिल के दरवाजे खुल जाएँगे' का क्या अर्थ है ?
(A) आपस में बातें करेंगे
(B) दिलों में सबके प्रति मित्रता रहेगी
(C) कोई बात छिपी नहीं रहेगी
(D) हृदय से हृदय मिलेंगे

27. 'कुसुम' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(A) कमल (B) प्रसून
(C) पुष्प (D) सुमन

निर्देश (प्रश्न संख्या 28 से 33 तक)

नीचे दी गई काव्य–पंक्तियों को पढ़कर **सबसे उचित** विकल्प का चयन कीजिए:

सदियों की ठंडी–बुझी राख सुगबुगा उठी,
मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर–नाद सुनो
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।
जनता, हाँ, मिट्टी की अबोध मूरतें वही,
जाड़े–पाले की कसक सदा सहने वाली
जब अंग–अंग में लगे साँप हों चूस रहे,
तब भी न कभी मुँह खोल दर्द कहने वाली।

28. काव्य में किस जनता की ओर संकेत किया गया है?
(A) जिसे बोध है
(B) जिसे साँप काटते हैं
(C) जो खेतों–खलिहानों, कारखानों में काम करती है
(D) जो रथ चलाती है

29. ''समय के रथ का घर्घर–नाद सुनो'' पंक्ति का आशय है–
(A) अब समय बदल रहा है
(B) समय का रथ बढ़ा आ रहा है
(C) समय कोलाहल कर रहा है
(D) समय ने युद्ध–नाद बजा दिया है

30. ''सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।'' पंक्ति का भाव है–
(A) राजा के सिंहासन को खाली करना होगा
(B) जनता, राजा का सिंहासन हिला देगी
(C) सारी जनता अब सिंहासनों पर ही बैठेगी
(D) राजतंत्र के विरुद्ध लोकतंत्र का स्वागत

31. सामान्य जनता ने अब तक बहुत कष्ट सहे हैं–इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है–
(A) जनता, हाँ, मिट्टी की अबोध मूरतें वही
(B) जाड़े–पाले की कसक सदा सहने वाली
(C) सदियों की ठंडी–बुझी राख सुगबुगा उठी
(D) मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है

32. 'साँप' किसकी ओर संकेत करता है?
(A) विषैले साँपों की ओर
(B) ज़मीदारों की ओर
(C) शोषकों की ओर
(D) सूदखोरों की ओर

33. 'सुगबुगा उठना' का अर्थ है
(A) राख का जल उठना
(B) अफ़वाह फैलाना
(C) धीरे–धीरे कहना
(D) अपने हक़ के लिए प्रयत्नशील होना

निर्देश (प्रश्न संख्या 34 से 40 तक)

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए–

एक ही दीया, स्नेह से भरा,
प्रेम का प्रकाश, प्रेम से धरा,
झिलमिला हवा को तिलमिला रहा
ज्योति का निशान जो हिला रहा
मुस्करा रहा है अंधकार पर!
यह मजार है किसी शहीद का,
दर्शनीय था जो चाँद ईद का,
देश का सपूत था, गुमान था
सत्य का स्वरूप नौजवान था
जो चला किया सदा दुधार पर!

34. हवा क्यों तिलमिला रही है?
(A) दीये के चलने से
(B) दीये के निरन्तर जलने से
(C) दीये के स्नेह से
(D) अंधकार होने से

35. ईद का चाँद किसे कहा गया है?
(A) मज़ार को
(B) दर्शनीय–स्थल को
(C) शहीद को
(D) नौजवानों को

36. शहीद की कौन–सी विशेषता बताई गई है?
(A) वह सच्चा इंसान था
(B) वह तलवारबाजी में निपुण था
(C) ईद के दिन पैदा हुआ था
(D) उसे अपने ऊपर बहुत घमण्ड था

37. कविता में 'अंधकार' शब्द से आशय है–
(A) तम (B) रात्रि
(C) बुराइयाँ (D) चुनौतियाँ

38. 'दर्शनीय' शब्द में प्रत्यय है–
(A) ईय (B) नीय
(C) ई (D) य

39. 'हवा' का पर्यायवाची शब्द ***नहीं*** है–
(A) अनिल (B) मारुत
(C) समीर (D) अनल

40. "भाषा और चिन्तन में सम्बन्ध होता है।" यह कथन–
(A) पूर्णतः सही है
(B) आंशिक रूप से सही है
(C) पूर्णतः गलत है
(D) व्यर्थ का है

निर्देश (प्रश्न संख्या 41 से 47 तक)

नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए :

दम्भ का जहाँ–जहाँ पड़ाव था,
सत्य से जहाँ–जहाँ दुराव था,
वह चला कि अग्नि–बाण मारता
पाप की अहा–अहा उजाड़ता,
वज्र बन गिरा गिरे विचार पर!

41. 'गिरे विचार' से तात्पर्य है–
(A) सभी प्रकार के विचार
(B) मिथ्या विचार
(C) सत्य और हित से परे विचार
(D) उलझे विचार

42. नौजवान शहीद ने अग्नि–बाण इसलिए चलाए क्योंकि वह–
(A) अपना साम्राज्य स्थापित करना चाहता था।
(B) सुराज स्थापित करना चाहता था।
(C) वज्र गिराना चाहता था।
(D) अपनी शक्ति की गरिमा बनाए रखना चाहता था।

43. 'दुराव' शब्द से तात्पर्य है–
(A) दुर्गम स्थल (B) आवरण
(C) काठिन्य (D) बैर

44. 'जहाँ–जहाँ' शब्द है–
(A) एकार्थी शब्द–युग्म
(B) पुनरुक्त शब्द–युग्म
(C) विपरीतार्थक शब्द–युग्म
(D) भिन्नार्थी शब्द–युग्म

45. 'पाप' का विलोम शब्द है–
(A) प्रायश्चित्त (B) अपाप
(C) पुण्य (D) निरपराध

46. नौजवान शहीद ने किसे नष्ट किया?
(A) अहंकार को
(B) असत्य को
(C) अहंकार और सत्य को
(D) अहंकार और असत्य को

47. उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी, कविता पढ़ाने के बाद यह ज़रूरी है कि बच्चे–
(A) प्रश्नों के लिखित उत्तर दे सकें।
(B) उसे अपने शब्दों में दोहरा सकें।
(C) विपरीत भाव की कहानी या कविता लिख सकें।
(D) उन्हें अपने अनुभव संसार से जोड़ सकें।

निर्देश (प्रश्न संख्या 48 से 53 तक)

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों में **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

मेघ आए, बड़े बन–ठन के सँवर के
आगे–आगे नाचती–गाती बयार चली
दरवाजे–खिड़कियाँ खुलने लगीं गली–गली
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के।
बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
बरस बाद सुधि लीन्हीं
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के
क्षितिज–अटारी गहराई दामिनी दमकी,
क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की
बाँध टूटा झर–झर मिलन के अश्रु ढरके,
मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के

48. 'मेघ आए बड़े बन–ठन के सँवर के' पंक्ति का भाव किसमें है?
(A) बादलों ने सूरज को ढक लिया है
(B) बादलों ने बिजली से शृंगार किया है
(C) बादल सज–धज कर आए हैं
(D) भूरे–काले बादल आकाश में घिर आए हैं

49. मेघों के आने से लगता है
(A) बादल आसमान में छा गए हैं
(B) मानों कहीं उत्सव मनाया जा रहा है
(C) मानो गाँव में शहर से मेहमान आए हों
(C) उपर्युक्त में से कोई नहीं

50. 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' – इस पंक्ति का भाव किसमें है?
(A) बादल एक बरस के बाद आए हैं।
(B) बादलों ने याद किया है
(C) बादल बन सँवर कर आए हैं
(D) बादल मेहमान बन कर आए हैं।

51. पूरी कविता में कौन–सा अलंकार है?
(A) श्लेष अलंकार
(B) रूपक अलंकार
(C) मानवीकरण अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार

52. बूढ़े पीपल ने किस प्रकार मेघों का स्वागत किया?
(A) झुककर प्रणाम करके
(B) प्रसन्न होकर
(C) गले लगाकर
(D) आगे बढ़कर

53. 'पाहुन' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) आना (B) पालना
(C) मेहमान (D) पैर

उत्तरमाला

अपठित गद्यांश

1. (B) **2.** (A) **3.** (A) **4.** (D) **5.** (B)
6. (A) **7.** (D) **8.** (D) **9.** (D) **10.** (B)
11. (B) **12.** (C) **13.** (A) **14.** (A) **15.** (B)
16. (A) **17.** (B) **18.** (C) **19.** (B) **20.** (A)
21. (D) **22.** (D) **23.** (D) **24.** (C) **25.** (A)
26. (C) **27.** (A) **28.** (B) **29.** (D) **30.** (B)
31. (C) **32.** (B) **33.** (D) **34.** (A) **35.** (D)
36. (B) **37.** (D) **38.** (B) **39.** (A) **40.** (A)
41. (D) **42.** (B) **43.** (C) **44.** (A) **45.** (B)
46. (D) **47.** (B) **48.** (C) **49.** (D) **50.** (A)
51. (A) **52.** (C) **53.** (A) **54.** (B) **55.** (C)
56. (B) **57.** (C) **58.** (A) **59.** (C) **60.** (D)
61. (C) **62.** (B) **63.** (A) **64.** (B) **65.** (B)
66. (C) **67.** (B) **68.** (B) **69.** (B) **70.** (C)
71. (B) **72.** (B) **73.** (C) **74.** (A) **75.** (B)

अपठित पद्यांश

1. (A) **2.** (D) **3.** (A) **4.** (B) **5.** (B)
6. (B) **7.** (A) **8.** (C) **9.** (D) **10.** (D)
11. (B) **12.** (B) **13.** (B) **14.** (B) **15.** (A)
16. (D) **17.** (A) **18.** (A) **19.** (A) **20.** (B)
21. (C) **22.** (A) **23.** (D) **24.** (C) **25.** (A)
26. (B) **27.** (A) **28.** (C) **29.** (A) **30.** (D)
31. (B) **32.** (C) **33.** (D) **34.** (B) **35.** (C)
36. (A) **37.** (C) **38.** (A) **39.** (D) **40.** (A)
41. (C) **42.** (B) **43.** (D) **44.** (B) **45.** (C)
46. (D) **47.** (D) **48.** (C) **49.** (C) **50.** (A)
51. (C) **52.** (D) **53.** (C)

❑❑

Chapter 1

Comprehension

[Questions based on Inference, Grammar and Verbal Ability]

A Comprehension Exercise is mainly consisted of a passage, upon which questions are set. The main purpose of this exercise is to test the ability of a student.

Therefore student is need to read the passage carefully and choose the correct answer out of the given alternatives.

Poem is a form of literary art which uses aesthetic and rhythmic qualities of language such as phonoaesthetic sound symbolism etc. 'Poem' comes from the Greek word poiēma which means a "thing made."

Important Questions

Direction (Q. No. 1 to 9)

Read the given passage and answer the questions that follow by selecting the most appropriate option :

Renowned educationalist Sir Tim Brighouse, observed that an outstanding school has four factors that are visible. "Teachers talk about teaching, teachers observe each other's practice, teachers plan, organize and evaluate their work together rather than separately, and that teachers teach each other."

He continues : "One of the reasons I like that is that you can immediately see ways in which you could make it more likely that teachers talk about teaching."

Sir Tim then encouraged schools to focus on activities that were low effort but high impact, describing them as "butterflies". Some examples he gave included rotating staff meetings around different classrooms with the host, at the start, describing the room layout and displays, or discussing other teaching techniques and approaches. With modern technology teachers could observe their own lessons and then when viewing them back, decide whether they want to share them with a mentor.

The role of mentoring was vital and suggested that more schools could send teachers out in small groups to learn from colleagues in other schools.

He said : "If this were widespread practice, if people were to attend to their butterflies, the outcome in terms of teacher morale and teacher satisfaction would be positive. We all agree that professional development is the vital ingredient".

1. In the mode suggested by Sir Tim, teachers may self-evaluate and self-reflect
(A) using technology
(B) without technology
(C) through a students' survey
(D) interviewing each other

2. 'Teachers talk about teaching' means that they
(A) make some suggestions
(B) discuss their own practices
(C) criticize one another
(D) freely change opinions

3. 'Low effort but high impact' in this context implies that schools
(A) pay teachers a lower salary
(B) extract more work for the same pay
(C) decrease the work load and salary
(D) create opportunities within the system for development

4. In this extract, it is observed that technology supports teachers to
(A) improve students
(B) conduct meetings for teachers
(C) follow-up remediation activities for students
(D) self-diagnose their practices

5. Here, 'visible' means
(A) seen (B) obvious
(C) appealing (D) bright

6. 'Rotating staff meetings in the class rooms' permits teachers to
(A) be informal with each other
(B) miss some of them
(C) share their own practices with others
(D) keep busy all the time

7. A synonym for the word, 'counselling', from the passage is
(A) describing (B) mentoring
(C) discussing (D) teaching

8. The talk by Sir Tim is about the
(A) teachers who dress like butterflies.
(B) Visiting schools to socialise.
(C) knowledge teachers gain for job growth.
(D) schools who control their teachers.

9. "Butterflies" here refer to
(A) the dress code.
(B) a practice of staff interaction.
(C) changing schools.
(D) going to classes in rotation.

Direction (Q. No. 10 to 18)

Read the passage given below and answer the questions that follow try selecting the **most appropriate** option.

The Big Ben

Every evening, some part of the British Commonwealth hears the chimes of Big Ben, largest of the bells in the clock tower of the Palace of Westminster. The bell is popularly called Big Ben, and it is this bell which chimes out the quarter hours to the people of London. For Britons at sea or living in distant lands, the sound of Big Ben is still a link with home, for the chimes are broadcast each evening by the British Broadcasting Corporation.

Big Ben has been chiming out the quarter hours now for more than one-and-a-half centuries. It started chiming on June 11, 1859.

At that time, the Parliament couldn't decide what to name the bell. A light-hearted Member of Parliament called attention, in a speech, to the impressive bulk of Sir Benjamin Hall, Queen Victoria's Chief Lord of the Woods and forests.

"Call it Big, Ben" said the speaker, and the name stuck.

Big Ben is 9 feet in diameter, 7 feet 6 inches tall, and the thickness where the hammer strikes in 8.75 inches.

The clock that regulates the climing of Big Ben keeps good time. In 1939, the Royal Astronomer made a 290-day check on the performance of the clock. He found that during this test, the margin of error was less than two-tenth of a second in 24 hours on 93 days and greater than one second only on 16 of the 290 days.

There was an unexpected lapse on August 12, 1945, and consternation swept through the Ministry of Works. On that dark day, the clock was five minutes slow. A flock of starlings had roosted on the minute hand.

10. Aside from popular usage, Big Ben is really the .....
(A) name of Chief Lord of the Woods and Forests

(B) Clock tower of the Palace of Westminster
(C) great bell in the clock tower of the Palace of Westminster
(D) exclusive radio signal of the BBC

11. The year 1959 was the .....
(A) year in which Big Ben was restored
(B) 59th anniversary of Big Ben
(C) last year Big Ben was heard
(D) 100th anniversary of Big Ben

12. The word 'consternation' used in the last paragraph stands for :
(A) sorrow (B) anxiety
(C) despair (D) alarm

13. In the Royal Astronomer's 290-day check, it was established that :
(A) the clock was maintaining accurate time on all days
(B) the clock was reasonably accurate
(C) the clock was losing time alarmingly
(D) the clock did not function properly for 93 days

14. On August 12, 1945, Big Ben's clock was .....
(A) 5 minutes fast
(B) bombed
(C) 5 minutes slow
(D) being checked for accuracy

15. For the Britons at sea or living in distant lands, the Big Ben serves as a link with home. It shows that :
(A) the British are very sentimental
(B) the British are fond of travelling to far-off lands
(C) the Big Ben has become a powerful national symbol
(D) the British are very patriotic

16. People outside London can hear the chimes of the Big Ben because :
(A) the recording of the bell's chime is available all over the world
(B) the bell's sound is so loud that it can travel to all parts of the world
(C) the legendary bell has become a global phenomenon
(D) the BBC broadcasts the chimes

17. The clock lost five minutes once because :
(A) there was an unexpected lapse
(B) the maintenance was not done by the Ministry of Works
(C) it was a dark day
(D) some starlings had roosted on the minute hand

18. "Call it Big Ben" can be written in passive voice as :
(A) You will call it Big Ben
(B) Let it be called Big Ben
(C) People should call it Big Ben
(D) We may call it Big Ben

Direction (Q. No. 19 to 27)

Read the given passage and answer the questions that follow by selecting the **most appropriate** option.

Clearly the socialization of gender is reinforced at school. "Because classrooms are microcosms of society, mirroring its strengths and ills alike, it follows that the normal socialization patterns of young children that often lead to distorted perceptions of gender roles are reflected in the classrooms." (Marshall, 1997). Yet gender bias in education reaches beyond socialization patterns, bias is embedded in textbooks, lessons, and teacher interactions with students. This type of gender bias is part of the hidden curriculum of lessons taught implicity to students through the everyday functioning of their classroom.
Research has found that boys were far more likely to receive praise or remediation from a teacher than were girls. The girls were most likely to receive an acknowledgement response from their teacher. They give boys greater opportunity to expand ideas and be animated than they do girls and that they reinforce boys more for general responeses than they do for girls. Clearly the socialization of gender roles and the use of a gender-biased hidden curriculum lead to an inequitable education for boys and girls. Gender-bias in education is an insidious problem that causes very few people to stand up and take notice.

19. Socialization is a process of :
(A) learning to accept moral values of a society
(B) causing to conform to environmental demands
(C) succumbing to psychological pressures
(D) moldig a child to conform to certain norms of behaviour

20. A 'microcosm of society' :
(A) imitates life outside the classroom learning environment
(B) has educational facilities
(C) has excellent learning environment
(D) reflects the exceptional achievements of its government

21. A 'perception' referred to here is that :
(A) there is no bias in schools
(B) school curriculum supports the girl child
(C) boys are more intelligent and lively
(D) teachers balance the bias

22. A word from the essay which is the opposite of 'demonstrated' is :
(A) distorted (B) animated
(C) clearly (D) implicit

23. 'Remediation' in the classroom is the process of :
(A) stopping a negative trend in learning achievement
(B) error correction orally during class
(C) reinforcement of good behaviour among learners
(D) giving special coaching for quiet students

24. In 'inequitable education'
(A) learning is not a balanced process between the genders
(B) boys get more school hours
(C) course books are prescribed differently for boys and girls
(D) teachers disrespect girls

25. An 'insidious problem' would be one that is caused seemingly :
(A) ignorantly (B) deliberately
(C) harmlessly (D) carelessly

26. A 'hidden curriculum' implies here that :
(A) girls need more attention while teaching
(B) boys need preferential treatment
(C) the school system enforces sexual stereotypes
(D) the curriculum is gender-biased

27. A synonym for 'general' is :
(A) special (B) customary
(C) diminutive (D) precise

Direction (Q. No. 28 to 36)

Read the passage given below and answer the questions that follow by selecting the **most appropriate** option.

Surviving a Snakebite

1. Annually, there are a million cases of snakebite in India and of these, close to 50,000 succumb to the bites.

2. When you look around the countryside, where most bites occur, and notice people's habits and lifestyles, these figures aren't surprising. People walk barefoot without a torch at night when they are most likely to step on a foraging venomous snake.

3. We encourage rodents by disposing waste food out in the open, or by storing foodgrains in the house. Attracted by the smell of rats, snakes enter houses and when one crawls over someone asleep on the floor and the person twitches or rolls over, it may bite in defence.

4. Once bitten, we don't rush to the hospital. Instead, we seek out the nearest conman, tie tourniquets, eat vile tasting

herbal chutneys, apply poultices or spurious stones, cut/slice/suck the bitten spot, and other ghastly time-consuming deadly "remedies".

5. As Rom cattily remarks : "If the snake hasn't injected enough venom, even popping an aspirin can save your life." That's the key — snakes inject venom voluntarily and we have no way of knowing if it has injected venom, and if it is a lethal dose. The only first aid is to immobilise the bitten limb like you would a fracture, and get to a hospital for anti-venom serum without wasting time.

28. Of the people who are bitten by snakes in India, the fatality rate is :
(A) 5% (B) 25%
(C) 50% (D) 100%

29. According to the author, people living in which parts are more prone to snake bites?
(A) Crowded cities
(B) The open
(C) Villages
(D) Forests

30. Storing foodgrains in the house is one of the causes for snake bites because :
(A) foodgrains attract rats which in turn attract snakes
(B) snakes enter houses in search of stored foodgrains
(C) the smell of foodgrains brings both snakes and other animals into the house
(D) stored foodgrains create convenient hiding places for snakes within houses

31. '... it may bite in defence' (para-3). This observation implies that :
(A) a snake is very good at defending itself
(B) a snake may bite a human being in order to defend its prey
(C) human beings are defenceless against snakes
(D) a snake bites a human only when it is threatened

32. What, according to the author, is the reason for the high fatality rate due to snakebites in India?
(A) Shortage of medical facilities
(B) Lack of scientific knowledge about snakebites
(C) Shortage of anti-venom serum
(D) Shortage of doctors

33. In the instance of a snakebite, what should we do immediately?
(A) Tie tourniquets
(B) Eat herbal chutneys
(C) Immobilise the bitten part and get anti-venom serum
(D) Cut-slice-suck the bitten spot

34. Pick out a word from the passage which means 'to go around in search of food'. (Para-2)
(A) Foraging (B) Countryside
(C) Venomous (D) Barefoot

35. "If the snake hasn't injected enough venom, even popping an aspirin can save your life." This sentence can be rewritten without changing the meaning as :
(A) When a snake has not injected enough venom, life can be saved even by swallowing an aspirin.
(B) Life can be saved even by swallowing an aspirin, even though the snake hasn't injected enough venom.
(C) Even popping an aspirin can save your life, in spite of a snake not having injected enough venom.
(D) As long as you are popping an aspirin to save your life, the snake will not inject enough venom.

36. Pick out a word from the passage, that means 'having the power to cause death' : (Para 5)
(A) immobilise (B) voluntarily
(C) lethal (D) serum

Direction (Q. No. 37 to 44)

Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options :

1. The study of handwriting is known as graphology and it has been practised for hundreds of years. Professional forensic graphologists have worked on many court cases to use handwriting to link suspects with crimes.
2. Handwriting is praticularly important legally in the case of signatures and proving whether signatures are real or forged can be pivotal. Graphologists also work to verify whether autograph are real or fake.
3. Some handwriting analyste also study writing samples to determine personality types and some businesses commission this analysis before hiring new employees. The method is even sometimes used to help couples see if they are compatible. According to graphologists, there is very little you can't tell from a person's handwriting.
4. From psychological conditions like high blood pressure and schizophrenia to personality traits like dominance and aggression : if you write by hand, graphologists can analyse you.
5. Everything from the size of your letters to how closely you space words can reveal intricate details of your personality. In general, the size of your letters can reveal whether you are shy or outgoing. Compared to a standard lined sheet of paper, if you write with tiny letters that do not reach the top line, you are likely to have a timid and introverted personality. If you write with large letters that go over the topline, you are likely to be the opposite: outgoing, confident and attention seeking.
6. Studies suggest that people who space words widely like freedom and independence, whereas those choosing to write with small spaces prefer to be among others and do not like to be alone.

37. Which part of speech is the underlined word in the following sentence ?
Graphologists can verify whether the autographs are real or fake?
(A) Conjuction (B) Adverb
(C) Preposition (D) Pronoun

38. Which of the following statements is not true ?
Handwriting is used by graphologists to
(A) predict about a person's future criminal tendency.
(B) nail criminals.
(C) verify genuieness of signatures.
(D) help couples to determine their suitability to each other.

39. A garphologist can give accurate information about
(A) a person's chances of success.
(B) a person's popularity graph.
(C) a person's mental health.
(D) setbacks a person is likely to face in future.

40. A person who writes with large letters that cross over to the top line is likely to be
(A) diffident (B) Outgoing
(C) introverted (D) aggressive

41. An attention seeking, confident person writes with
(A) rounded letters.
(B) tiny letters.
(C) cursive letters.
(D) large letters.

42. Read the following statements :
A. Graphology has been practised for thousands of years.
B. A person's handwriting reveals everything about him.
(A) Both A and B are false.
(B) A is true and B is false.
(C) A is false and B is true.
(D) Both A and B are true.

43. Which one of the following words is similar in meaning to the word, 'verify' (Para-2) as used in the passage ?

(A) Discover (B) Clarify

(C) Confirm (D) Notify

44. Which one of the following words is opposite in meaning to 'reveal' (Para-5) as used in the passage ?

(A) Teal (B) Blacken

(C) Repeal (D) Conceal

Direction (Q. No. 45 to 51)

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow by selecting the correct/most appropriate options.

1. There is something we all want to do, although few of us readily admit it : Get rid of guests.
2. For nine months in the year, only my closest friends come to see me. Then, when temperatures start soaring in the plains, long-lost acquaintances suddenly remember that I exist, and people whom I am barely able to recognize appear at the front door, willing to have me put them up for periods ranging from six days to six weeks.
3. Occasionally, I am the master of the situation I inform them that the cottage is already bursting, that people are sleeping on the floor. If the hopefuls start looking around for signs of these uncomfortable guests, I remark that they have all gone out for a picnic.
4. The other day I received visitors who proved to be more thicks-skinned than most. The man was a friend of a friend of an acquaintance of mine. I had never seen him before. But on the strength of this distant relationship, he had brought his family along.
5. I tried the usual ploy but it didn't work. The man and his family were perfectly willing to share the floor with any others who might be staying with me.
6. So I made my next move. 'I must warn you about the scorpions', I said. The scorpion-scare is effective with most people. But I was dealing with professionals. The man set his son rolling up the carpet. 'Sometimes centipedes fall from the ceiling', I said desperately.
7. We were now interrupted by someone knocking on the front door. It was the postman with a rejected manuscript, his arrival inspired me to greater inventiveness.
8. 'I' m terribly sorry', I said, staring hard at a rejection slip. 'I' m afraid I have to leave immediately. A paper wants me to interview the Maharishi. I hope you won't mind. Would you like the name of good hotel '?
9. 'Oh, don't worry about us', said the woman expansively. 'We'll look after the house while you are away'.

45. Which part of the following sentence contains an error ?

Both Raghunath as well as Ravish
(a)
have given their consent
(b) (c)
to the new proposal
(d)

(A) (b) (B) (d)

(C) (a) (D) (c)

46. Which of the following is true ?
People who visit the author at the onset of the summer are

(A) his colleagues.

(B) his old school mates.

(C) his closet friends and relatives.

(D) people whom he hardly knows.

47. Which one of the following ploys does the author not use to get rid of unwanted guests ?

(A) He has already too many guests.

(B) The place is infested with 7scorpions.

(C) Centipedes fall from the ceiling.

(D) There is acute water scarcity.

48. Which of the following does not apply to the unwelcome guest ?

(A) They don't have enough money to stay at a hotel.

(B) They are utterly shameless.

(C) They want to enjoy themselves at the author's expense.

(D) They are thick-skinned.

49. The postman delivered to the author

(A) a letter commissioning him to write a new novel.

(B) a letter inviting him to interview the Maharishi.

(C) his rejected manuscript along with a cheque.

(D) his rejected manuscript along with a rejection slip.

50. Which one of the following words is similar in meaning to the words, 'readily' (Para-1) as used in the passage ?

(A) plainly (B) frankly

(C) easily (D) efficiently

51. Which one of the following words is opposite in meaning to the word, 'soaring' (Para-2) as used in the passage ?

(A) deteriorating (B) hovering

(C) exasperating (D) falling

Direction (Q. No. 52 to 59)

Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options :

Freedom is one of the most important factors in life. Man has fought politically all over the world for freedom. Religions have promised freedom, not in this world but in another. In the capitalist countries, individual freedom exists to some degree and in the communist world it has been denied. From ancient times, freedom has meant a great deal to man and there have been its opponents, not only political but religious through Inquisition, by excommunication, tortures and banishments and the total denial of man's search for freedom. There have been wars and counter-wars fought for freedom. This has been the pattern of man's endeavours for freedom throughout history.

Freedom of self-expression and freedom of speech and thought exist in some parts of the world, but in others it does not. Those who have been conditioned, revolt against their backgrounds. This reaction which takes different forms is called 'freedom'. The reaction to politics is often to shun the field of politics.

One economic reaction is to form small communities based on some ideology or under the leadership of one person, but these soon disintegrate. The religious reaction against established organisations of belief is to revolt, either by joining other religious organisations or by following some guru or leader or by joining some cult. Or one denies the whole religious endeavour.

One thinks of freedom only as freedom of movement, either physical or movements of thought. It appers that one always seeks freedom on the surface. Surely, this is rather a limited freedom, involving a great deal of conflict, wars and violence.

Inner freedom is something entirely different. It has its roots not in the idea of freedom but in the reality of freedom. It covers all the endeavours of man. Without inner freedom life will always be an activity within the limited circle of time and conflict.

52. Real freedom, according to the author, is :

(A) inner freedom.

(B) political freedom.

(C) religious freedom.

(D) economic freedom.

53. Read the following sentences :

1. Individual freedom does not exist at all in capitalist countries.
2. People do not have individual freedom in communist countries.

(A) 1 is true, 2 is false.
(B) Both 1 and 2 are true.
(C) Both 1 and 2 are false.
(D) 1 is false, 2 is true.

54. Which word is most similar in meaning to the word 'endeavours' as used in the passage ? (Para 1)
(A) attempts
(B) actions
(C) challenges
(D) movements

55. Which word is the most opposite in meaning to the word, 'shun' as used in the passage ? (Para 2)
(A) rehabilitate
(B) welcome
(C) rejoice
(D) prefer

56. Which part of the following sentence contains an error ?
There is no doubt (a) that hard work (b) paves the way (c) to success. (d)
(A) (a) (B) (b)
(C) (c) (D) (d)

57. Which of the following statements is not true ?
(A) Material progress cannot be achieved without freedom.
(B) Freedom is not one of the most important factors in life.
(C) Freedom helps man evolve morally and spiritually.
(D) Man can enjoy life only in an environment of freedom.

58. Which methods do authorities not use to suppress people fighting for freedom ?
(A) Excommunication
(B) Persuasion
(C) Tortures
(D) Inquisition

59. Reaction against established religion prompts people not to :
(A) to start a new religion.
(B) follow some guru.
(C) join some cult.
(D) join other religious organisations.

Direction (Q. No. 60 to 66)

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow by selecting the correct/most appropriate options :

Water is the core of life; hence water must be central to our spiritual thinking. Water is not only most of earth, but also most of life. Therefore water conservation must be our deepest concern.

The Himalayan mountain range is among the highest, youngest and most fragile ecosystem of the planet. The Himalayas have given us some of the great river systems of the earth including the Indus, Ganga, Brahmaputra, Nu Salween, Yangtze and the Mekong. The Himalayas are also called the "Third Pole", for they contain the largest mass of ice and snow outside the earth's polar region, the north and south poles. There is a permanent snowline above 5,000 metres. Some of the glaciers in the region are the longest outside the two poles.

The Himalayas serve as water towers, providing water on a sustained basis to more than 1,000 million people and millions of hectares of land in South Asia. The greenery benevolent climate, highly productive ecosystems, food production and overall happiness is south Asia. are in fact, attributable to the bounty of the Himalayas. They are not only beautiful; they are life-givers. Little wonder that they are venerated as the abode of gods.

To keep the Third Pole preserved through assured conservation is one of the greatest challenges for the contemporary world.

Himalayan mountains are a common but fragile natural resource. As mountain ecosystems have enormous bearing on the earth's systems, their special care, regeneration and conservation of their pristine resources would only bring more happiness, peace and prosperity to large parts of the world. In Agenda 21, Chapter 13 of the United Nations, the importance of mountains is underlined : "mountain environments are essential to the survival of global ecosy-stems."

The Himalayas in the state of Uttarakhand are especially rich in water resources. This area is home to dozens of perennial streams and numerous other rain-fed rivers along with innumerable rivulets, waterfalls and ponds, etc.

60. What is not so special about the Himalayas in the state of Uttarakhand ? The Himalayan state has :
(A) huge mineral deposits.
(B) many rain fed rivers.
(C) numerous waterfalls and ponds.
(D) many perennial streams.

61. Which one of the following words is most similar in meaning to the word, 'bounty' ?
(A) assets (B) sympathy
(C) abundance (D) generosity

62. Which word is opposite in meaning to the word, 'benevolent' ?
(A) rude (B) untruthful
(C) indecent (D) malevolent

63. Which part of speech is the underlined word in the following sentence ?
The area is home to dozens of perennial streams.
(A) Adverb (B) Adjective
(C) Pronoun (D) Noun

64. In the context of the passage which of the following is not true ?
Water should be central to our thinking because :
(A) It is a life-line for our farmers.
(B) It is considered holy by most religions.
(C) It is the core of life.
(D) We cannot survive without water.

65. Which of the following has not been mentioned in the passage ?
(A) The Himalayas provide water to more than 1000 million people.
(B) The Himalayas irrigate millions of hectares of land.
(C) the Himalayas form the back bone of our tourism industry.
(D) The Himalayas provide us with highly productive eco-systems.

66. Which of the following is false ?
(A) Climate change has little effect on the Himalayas.
(B) They bring prosperity to large parts of the world.
(C) They have some of the longest glaciers.
(D) The Himalayan mountains are a fragile resource.

Direction (Q. No. 67 to 74)

Read the passage given below and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options :

On an ordinary workday, 27-year-old Pramila Bariki hikes up steep slopes across fields, through ankle-deep rivulets, often walking upto 14 kms. She gets a ride until the road is motorable, from which point she has to walk. Her job ? She doles out healthcare advice to mothers and children in the remotest hamlets in the Araku valley of Andhra Pradesh.

Now heavily pregnant Pramila has had to slow down delegating task to Duridi, Nerraj, Sunita and others. It's they who now walk through forests and climb up mountains,

visiting families to identify pregnant women and conduct basic tests for diabetes and anaemia and connect them with a primary health centre whenever necessary.

These young tribal women are all trained auxiliary nurses, part of an experimental health project in Araku that aims to end preventable deaths during childbirth or infancy.

The Araku valley is home to several nomadic tribes who live in small clusters of 70 to 150 homes situated in rugged and inaccessible terrains. Until a few years ago these communities were unaware of government healthcare policies. The death of a child or a woman during pregnancy or child birth was common and they were resigned to it.

Today 38 women like Pramila drawn from these tribes, have broken social and cultural barriers to train as nurses and provide medical care to 1179 hamlets across the Araku, Paderu and Chintapalli mandals. Since they are from these communities they have been able create trust in the families and neighbours about formal healthcare. As a result these remote villages have now had the first childbirth in hospital, the first delivery by a trained nurse and the first mother not to lose a child.

The nurses advise women on hygiene and nutrition and convince them to visit the nearest health centre for further check-ups.

67. Read the following statements :
1. Child mortality rate in the tribal areas was very high in the past.
2. Pramila and her colleagues are rendering invaluable services to the tribal women.

(A) Both 1 and 2 are false
(B) Both 1 and 2 are true
(C) 1 is true, 2 is false
(D) 2 is true, 1 is false

68. Which one of the following words is similar in meaning to 'remotest' as used in the passage ?
(A) highest (B) tallest
(C) toughest (D) farthest

69. Which one of the following words is opposite in meaning to 'trust' as used in the passage ?
(A) disrupt (B) dismantle
(C) disdain (D) distrust

70. He could not clear the exam <u>because he didn't work hard</u>.
Identify the clause in the underlined part of the sentence given above :
(A) Noun clause
(B) Principal clause
(C) Adverb clause
(D) Adjective clause

71. Which part of the following sentence contains an error ?
(a) The sudden rise
(b) and fall of prices
(c) make a business
(d) very uncertain
(A) (c) (B) (d)
(C) (a) (D) (b)

72. The job of the auxiliary nurses is physically challenging because they :
(A) have to walk through forests and up mountains to reach out to people
(B) are not liked by the people whom they want to help
(C) have to face opposition from the local traditional healers
(D) are not paid any remuneration for their work

73. The health project launched in the tribal areas aims to :
(A) provide nutrition to women and children
(B) provide employment alongwith education
(C) prevent deaths during pregnancy and child birth
(D) raise the living standard in the tribal areas

74. The tribal people trust the health workers mostly because they :
(A) help them settle their domestic disputes
(B) belong to their own community
(C) help them get employment
(D) are educated and soft-spoken

Direction (Q. No. 75 to 81)

Read the following passage and answer the questions that follow by choosing the correct/most appropriate options :

Kaizen in Japanese means constant and never ending improvement. There is no pursuit more noble or important than the pursuit of self-improvement. As Confucius said many years ago : "Good people strengthen themselves ceaselessly." Consistent and constant improvement in all areas is essential to reach your true potential. The personal trademark of almost every high achiever and successful person is a dedication to daily improvement in both their personal and professional lives. From Ben Franklin to Mahatma Gandhi, from Martin Luther King Jr. to Ivan Lendl and from Nelson Mandela to Mother Teresa, effective people do things daily to advance confidently in the direction of their goals and dreams.

You must also apply the Kaizen principle on a daily basis to condition your mind to peak performance. It has been said that the mind is a terrible master but a wonderful servant. By seeking to improve your mind and condition it to excellence of thought, this wonderful servant will most certainly bring you all the peace, prosperity and joy you now search for.

Study any person's great success story and you will undoubtedly learn of their commitment to Kaizen. They will be dedicated to small, daily improvements in the key areas of their lives and become the very best that they could be. Personal mastery is like a bank account, call it the Personal Excellence Account. By improving daily, whether it is by spending some time exercising, reading, visualizing or forging better relationships, you are making regular deposits into your account. After only one month, for example, you will have improved the richness and quality of your world by at least 30%.

75. Read the following sentences :
1. All successful people are committed to Kaizen.
2. If we can control our mind, it will serve us wonderfully.

(A) Both 1 and 2 are true
(B) Both 1 and 2 are false
(C) 1 is false and 2 is true
(D) 1 is true and 2 is false

76. Which word is the most similar in meaning to the word, 'trademark' used in the passage ?
(A) subject (B) brand
(C) item (D) object

77. Which word is the most opposite in meaning to the word, 'wonderful' as used in the passage ?
(A) unremarkable (B) insufficient
(C) separate (D) deficient

78. Which part of the following sentence contains an error ?
(a) Since time immemorial
(b) the Hindus
(c) have been worshipping
(d) the river Ganga
(A) (c) (B) (d)
(C) (a) (D) (b)

79. How, according to the author, can we attain our full potential ?
(A) by seeking the advice and guidance of successful people
(B) by working hard on our weaknesses
(C) by putting in a lot of effort
(D) by proper and ceaseless improvement in all areas

80. What is common among the great people mentioned in para-1 ?
(A) They tried their best to realise their goals
(B) They resisted every temptation
(C) They inspired all those who came into contact with them
(D) They worked hard to alleviate the suffering of the downtrodden

81. How do we stand to gain when we condition our minds to do our best ?

(A) We are able to overcome all obstacles
(B) We realise our full capability
(C) We earn name, fame and wealth
(D) We rise in the estimation of our friends

Direction (Q. No. 1 to 58)

Read all the poems carefully and answer the following questions.

Poem-1

I Build Walls

I Build Walls :
Walls that project
Walls that shield
Walls that say I shall not yield or reveal
Who I am or how I feel.
I Build Walls
Walls that hide
Walls that cover what's inside
Walls that stare or smile of look away
Silent lies,
Wall that even block my eyes
From the tears I might have cried.
I Build walls
Walls that never let me
Truly touch
Those I love so very much
Wall that need to fall!
Wall meant to be fortresses
Are prisons after all.

1. What are the Walls in this poem made of ?
(A) Bricks or any physical material
(B) Cement and tiles
(C) Blood and flesh
(D) Hidden feelings and thought

2. The poet uses "Wall" as a :
(A) Simile
(B) Personification
(C) Metaphor
(D) Alliteration

3. When walls act as a protection, they :
(A) do not reveal what is inside
(B) make one shed tears
(C) touch the ones who are truly loved
(D) surrender to strong feeling

4. The expression 'silent lies' in the second stanza implies that :
(A) walls are silent
(B) walls are liars
(C) walls make one hide one's true feelings
(D) walls lie silently around all of us

5. Why is it not a good idea to have these "walls"?
(A) They act as a fortress
(B) They act as a prison and keep loved ones away
(C) They are made of bricks
(D) They hurt others

6. Walls built to protect us ultimately turn into a prison. It is an example of a :
(A) satire (B) paradox
(C) puzzle (D) riddle

Poem-2

"The Jamuna's waters rush by so quickly,
The shadows of evening gather so thickly,
Like black birds in the sky.....
O! If the storm breaks, what will be tide me ?
Safe from the lightning where shall I hide me ?
Unless Thou succour my footsteps and guide me.
Ram re Ram! I shall die."

7. "Like black birds" in the above lines is an example of :
(A) metaphor (B) simile
(C) hyperbole (D) pun

8. We can find an example of alliteration in the above lines is
(A) Ram re Ram
(B) I shall die
(C) The Jamuna's waters
(D) The shadows of evening

Poem-3

Hawk

All eyes are fearful of the spotted hawk,
whose dappled wingspread opens to a phrase
that only victims gaping in the gaze
of Death occurring can recite. To stalk;
To plunge; to harvest; the denial-squawk of dying's struggle; these are but a day's
rebuke to hunger for the hawk, whose glazed
accord with Death admits no show of shock.
Death's users know it is not theirs to own,
nor can they fathom all it means to die–
for young to know a different Death from old.
But when the spotted hawk's last flight is flown, he too
becomes a novice, fear-struck by
the certain plummet once these feathers fold.– *Daniel Waters*

9. The *denial-squawk* refers to the :
(A) hawk's response to the cry of its prey
(B) helpless cry of its prey to avert death
(C) warning call by the hawk before killing its prey
(D) desperate, pitiable cry of the prey

10. To the hawk, a *day's rebuke to hunger* suggests that the bird :
(A) bows to hunger
(B) causes death by preying on lesser animals
(C) averts own death by killing and eating its prey
(D) faces death fearlessly in contrast to its prey

11. Here, *glazed accord with Death* means that :
(A) the prey meets death willingly
(B) death is inevitable
(C) death is in partnership with starvation
(D) the hawk also becomes a victim of death at the end

12. The word that is closest in meaning to the word *dappled* in the poem is :
(A) spotted (B) fearful
(C) glazed (D) flown

13. Here, *he too becomes a novice* suggests that :
(A) the hawk's prey becomes a predator instead
(B) all living creatures are potentially victims of others
(C) death comes swiftly to the fearless hawk
(D) the hawk also meets death, as weak and helpless as its prey

14. The following line exemplifies the use of *personification* as a poetic device :
(A) Death's users know it is not theirs to own.....
(B) .... the certain plummet once these feathers fold
(C) To stalk; to plunge; to harvest;.....
(D) But when the spotted hawk's last flight is flown.....

Poem-4

Sprinkle, squish between my toes,
The smell of ocean to my nose.
I can feel each grain of sand,
It falls from air into my hand.
The shells I find along the shore,
Picked up by birds that fly and soar.
They sparkle like the ocean's waves,
And carry sand from all the lakes.
I walk
That's where my feet leave prints to be.
I walk all the way to the end of the land,
The land that holds this beautiful sand.
—*Morgan Swain*

15. The poem's central theme is :
(A) a recollection of a visit
(B) an introspection by the writer
(C) a factual description of nature
(D) sharing experiences with nature

16. Here, "to the end of the land" refers to the :
(A) sky (B) horizon
(C) sealine (D) land

17. Her, "That's where my feet leave prints to be" means that the writer :
(A) expects to forget the experience
(B) hopes to remember his visit
(C) knows that everything is temporary
(D) relives past visits

18. The phrase in the poem that conveys the same meaning as "along the tip of the sea" is :
(A) "air into my hand"
(B) "like the ocean's waves"
(C) "each grain of sand"
(D) "end of the land"

19. The poetic device used in the line "They sparkle like the ocean's waves" is a/an :
(A) simile (B) allegory
(C) hyperbole (D) exaggeration

Poem-5

We are
These days,
Estranged,
My shadow and I.
It accused me
Of walking in the dark.
It alleged
I walked in the dark
In order to efface it
So it wouldn't track me
I protested.
I walked alone even in the light,
And in the dark.
When **I really needed it,**
it abandoned me.
It took off,
Leaving no trace.....
My shadow, my partner.
We are these days,
Estranged,
My shadow and I.

20. The poet and his shadow in the present context are :
(A) in the throes of enmity
(B) great friends
(C) not in the good books of each other
(D) sharing a great camaraderie

21. The shadow's grouse against the poet was that :
(A) he walked in the dark purposely
(B) he liked darkness
(C) he wanted to see the last of it
(D) None of the above

22. The poet's view point was that :
(A) it was never around when he needed it
(B) it was always around when he needed it
(C) there was no trace of it
(D) None of the above

23. The word ..... used in the passage means 'rub off'.
(A) estranged (B) abandoned
(C) efface (D) alleged

24. The narrator :
(A) has made up with his shadow
(B) is still cross with his shadow
(C) has no grouse against his shadow anymore
(D) None of the above

Poem-6

Boats sail in the rivers,
And ships sail in the seas;
But clouds that sail across the sky
Are prettier far than these.
There are bridges on the rivers,
As pretty as you please;
But the bow what bridges heaven,
And overtops the trees,
And builds a road from earth to sky
is prettier far than these.

25. Ships sail :
(A) in the rivers
(B) across the sky
(C) in the seas
(D) under the bridges

26. Which is the prettiest ?
(A) Boats (B) Ships
(C) Rivers (D) Clouds

27. A rainbow looks like a :
(A) boundary (B) miracle
(C) bridge (D) heaven

28. 'These' in the fourth line does not include :
(A) boats
(B) rainbow
(C) ships
(D) Both (A) and (C)

29. Which degree of comparison has been used in the poem ?
(A) Superlative only
(B) Comparative and Positive
(C) Positive and Superlative
(D) None of the above

30. Which one is not colour of the rainbow ?
(A) White (B) Red
(C) Yellow (D) Indigo

Poem-7

Common Cold

1. Go hang yourself, you old M.D.!
You shall not sneer at me.
Pick up your hat and stethoscope,
Go wash you mouth with laundry soap;
I contemplate a joy exquisite
I'm not paying you for your visit.
I did not call you to be told
My malady is a common cold.
2. By pounding brow and swollen lip;
By fever's hot and scaly grip;
By those two red redundant eyes
That weep like woeful April skies;
By racking snuffle; snort, and sniff;
By handkerchief after handkerchief;
This cold you wave away as naught
Is the damnedest cold man ever caught!
3. Bacilli swarm within my portals
Such as were ne'er conceived by mortals,
But bred by scientists wise and hoary
In some Olympic laboratory;
Bacteria as large as mice,
With feet of fire and heads of ice
Who never interrupt for slumber
Their stamping elephantine rumba.

31. What is the emotion that the poet displays in the first stanza?
(A) anger (B) Joy
(C) Jealousy (D) Sympathy

32. Why and at whom does the poet show his emotion ?
(A) At an old man because he has sneered at the poet
(B) At a doctor for an incorrect diagnosis of his medical condition
(C) At a friend who is happy at the poet's plight
(D) At a doctor who has said the poet merely has a cold

33. The poet describes his eyes as 'two red redundant eyes' because :
(A) he cannot see properly due to the cold
(B) they show how furious the poet is
(C) they have been affected by an eye-disease
(D) in his medical condition, the poet is imagining things

34. 'Bacteria is large as mice' is an instance of a/an :
(A) Simile and a Hyperbole
(B) Metaphor
(C) Personification
(D) Alliteration

35. Who never interrupt for slumber ?
Their stamping elephantine rumba.'
The meaning of these lines is that :
(A) the bacteria are continuously stamping their elephant-like feet
(B) the cold-causing germs are causing much discomfort and pain to the poet without any break
(C) the bacilli are so active that they refuse to go to sleep
(D) the poet is not able to concentrate on his work due to the raging cold

36. The general tone of the poem can be described as :
(A) satirical and harsh
(B) ironical and mocking
(C) whimsical and humorous
(D) sad and tragic

Poem-8

Engrossed in thought of life and death,
I sat beside the dying bed.
Of a stubborn soul that would not quit,
Its frail and worn out aged shell,
Though gripped in writhing pain,
My thoughts then lifted me above
The din of the gathered multitude,
That broke the sacred solitude.
Of the struggling human soul,
At war with death itself.
At every breath it strove in vain,
To fight that dreadful foe.
Then each new breath did weaker grow,
Yet till the very end of it fought,
And fighting fell before its deathless foe.

37. The words "stubborn soul" refers to :
(A) a person afflicted with a dead by disease and fighting in vain, death
(B) an argumentative person who does not accept other points of view
(C) the soul which is stubborn and fighting everything
(D) an adamant person who is refusing to take medicines

38. Identify the figure of speech in the last line.
(A) Metaphor (B) Simile
(C) Alliteration (D) Personification

39. 'The din of the gathered multitude' means :
(A) the noise of the people who have gathered round the patient
(B) the noise made by a crowd in a busy place
(C) the sound made by the audience who have gathered
(D) the sound that broke the silence in the room

40. 'That dreadful foe' refers to :
(A) a fierce animal
(B) a dangerous deadly illness
(C) death itself
(D) None of these

41. The 'frail and worn out aged shell' refers to :
(A) a weak, old man's body
(B) a weak, dilapidated shell
(C) a worn out shell of an animal
(D) None of the above

Poem-9

The Band Holders : A Tribute to Caregivers

There is no job more important than yours,
no job anywhere else in the land.
You are the keepers of the future;
you hold the smallest of hands
Into your care you are trusted
to nurture and care for the young,
and for all of your everyday heroics,
your talents and skills go unsung.
You wipe tears from the eyes of the injured.
You rock babies brand new in your arms.
You encourage the shy and unsure child.
You make sure they are safe from all harm.
You foster the bonds of friendships,
letting no child go away mad.
You respect and you honour their emotions.
You give hugs to each child when they're sad.
You have more impact than does a professor,
a child's mind is moulded by four;
so whatever you lay on the table
is whatever the child will explore.
Give each child the tools for adventure,
let them be artists and writers and more;
let them fly on the wind and dance on the stars
and build castles of sand on the shore.
It is true that you don't make much money
and you don't get a whole lot of praise,
but when one small child says "I love you",
You're reminded of how this job pays.

42. The expression 'the smallest of hands' refers to :
(A) babies
(B) caregivers with small hands
(C) parents with small hands
(D) people with small hands

43. Though caregivers look after the young they are :
(A) never tired of their work
(B) not properly recognised
(C) not loved by the children under their care
(D) paid very well in return

44. A caregiver has more influence on a child than a professor because :
(A) the child generally prefers a caregiver to a professor
(B) the professor is not capable of providing love to a child
(C) the child spends the formative years with the caregiver
(D) the caregiver can teach better than a professor

45. What is the most valuable gift that a caregiver gets ?
(A) Acknowledgement of the society
(B) Praise from the parents
(C) Money for her services
(D) Love from children

46. 'You give hugs to each child when they're sad'.
This act can be described as one of :
(A) Empathy (B) Encouragement
(C) Recrimination (D) Reassurance

47. 'Letting no child go away mad'–the meaning of this line is :
(A) No child is allowed to be angry for long
(B) No child is permitted to go away from school without permission
(C) No child is allowed to become mad
(D) No caregiver is permitted to be mad with a child

Poem-10

It takes much time to kill a tree
Not a simple job of the knife
will do it. It has grown
Slowly consuming the earth,
Rising out of it, feeding
upon its crust, absorbing
Years of sunlight, air, water
And out of its leperous hide
Sprouting leaves.
So hack and chop
But this alone won't do it
The bleeding bark will heal
And from close to the ground
Will rise curled green twigs
Miniature boughs
Which if unchecked will expand again
To former size.
No,
The root is to be pulled out.

48. Killing a tree :
(A) is very easy
(B) is not as easy as one thinks
(C) requires a knife
(D) is a crime

49. If the tree is hacked, it will ..... itself soon.
(A) heal (B) kill
(C) pull (D) green

50. The expression 'to kill a tree' suggests :
(A) the trees must be pulled out
(B) it is heinous to uproot a live tree
(C) killing a tree is easy
(D) None of the above

51. The expression 'bleeding bark' suggests :
(A) the tree also bleeds
(B) the tree gets hurt too
(C) blood will come out of its bark
(D) None of the above

52. 'Job' in the poem is used as :
(A) a noun (B) a verb
(C) a pronoun (D) an adjective

53. A tree can't live without :
(A) sunlight, minerals, air
(B) air, water, minerals
(C) sunlight, air, water
(D) sunlight, water, minerals

Poem-11

Night

The sun descending in the west,
The evening star does shine;
The birds are silent in their nest,
And I must seek for mine;
The moon, like a flower,
In heaven's high bower,
With silent delight
Sits and smiles on the night.
Farewell, green fields and happy groves,
Where flocks have took delight.
Where lambs have nibbled, silent moves
The feet of angels bright;
Unseen they pour blessing,
And joy without ceasing,
On each bud and blossom,
And each sleeping bosom.
They look in every thoughtless nest,
Where birds are covered warm;
They visit caves of every beast,
To keep them all from harm.
If they see any weeping
That should have been sleeping,
They pour sleep on their head,
And sit down by their bed

54. The evening star rises when–
(A) the birds leave their nests
(B) it is midnight
(C) it is down
(D) The sun descends in the west

55. Here 'bower' represents–
(A) a potted plant
(B) a framework that supports climbing plants
(C) a bouquet of flowers
(D) a flower vase

56. The poet compares moon to–
(A) a flower
(B) a bird in the nest
(C) an evening star
(D) an angel

57. The angel come down on earth to–
(A) spread moonlight
(B) give blessing and joy
(C) make people dance and have fun
(D) take blessing and joy

58. 'Birds' nest is described as 'thoughtless' because–
(A) the angels are blessing the birds to be happy
(B) the birds are covered in the warmth of their nest
(C) it is made without any thought
(D) the occupants are asleep without any care

Answers

Passage

1. (A)	**2.** (B)	**3.** (D)	**4.** (D)	**5.** (C)
6. (A)	**7.** (B)	**8.** (C)	**9.** (B)	**10.** (C)
11. (D)	**12.** (D)	**13.** (B)	**14.** (C)	**15.** (A)
16. (D)	**17.** (D)	**18.** (B)	**19.** (D)	**20.** (A)
21. (C)	**22.** (D)	**23.** (B)	**24.** (A)	**25.** (A)
26. (D)	**27.** (B)	**28.** (A)	**29.** (C)	**30.** (A)
31. (D)	**32.** (B)	**33.** (C)	**34.** (A)	**35.** (A)
36. (C)	**37.** (A)	**38.** (A)	**39.** (C)	**40.** (B)
41. (D)	**42.** (A)	**43.** (C)	**44.** (D)	**45.** (C)
46. (D)	**47.** (D)	**48.** (A)	**49.** (D)	**50.** (C)
51. (D)	**52.** (A)	**53.** (D)	**54.** (A)	**55.** (B)
56. (D)	**57.** (B)	**58.** (B)	**59.** (A)	**60.** (A)
61. (D)	**62.** (D)	**63.** (B)	**64.** (B)	**65.** (C)
66. (A)	**67.** (B)	**68.** (D)	**69.** (D)	**70.** (C)
71. (A)	**72.** (A)	**73.** (C)	**74.** (B)	**75.** (A)
76. (B)	**77.** (A)	**78.** (C)	**79.** (D)	**80.** (A)
81. (C)				

Poem

1. (D)	**2.** (C)	**3.** (A)	**4.** (C)	**5.** (B)
6. (B)	**7.** (B)	**8.** (A)	**9.** (D)	**10.** (D)
11. (B)	**12.** (A)	**13.** (C)	**14.** (D)	**15.** (D)
16. (C)	**17.** (B)	**18.** (D)	**19.** (A)	**20.** (C)
21. (A)	**22.** (A)	**23.** (C)	**24.** (B)	**25.** (C)
26. (D)	**27.** (C)	**28.** (B)	**29.** (B)	**30.** (A)
31. (A)	**32.** (D)	**33.** (A)	**34.** (B)	**35.** (B)
36. (A)	**37.** (A)	**38.** (A)	**39.** (A)	**40.** (B)
41. (A)	**42.** (A)	**43.** (B)	**44.** (C)	**45.** (D)
46. (A)	**47.** (A)	**48.** (B)	**49.** (A)	**50.** (B)
51. (B)	**52.** (A)	**53.** (C)	**54.** (D)	**55.** (B)
56. (A)	**57.** (B)	**58.** (C)		

अध्याय 1

परिवार (Family)

परिवार (Family)

सामान्यतः परिवार विवाहित व्यक्तियों जैसे माता-पिता एवं बच्चों का परम्परागत समूह होता है जो रक्त सम्बन्धी होते हैं; जैसे—भाई-बहन, चाचा-चाची, बूआ, मौसी, नाना, नानी, मामा इत्यादि।

भारत में परिवार, समाज की आधारभूत इकाई है। परिवार शब्द को अंग्रेज़ी में Family कहते हैं जो कि लैटिन भाषा के शब्द Famulus से बना है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है नौकर।

बर्गेस तथा **लॉक** के अनुसार, "परिवार व्यक्तियों का ऐसा समूह है जो विवाह, रक्त या दत्तक बंधनों में संगठित है जिसमें एक सामान्य संस्कृति का सृजन एवं पोषण कर पति–पत्नी, माता–पिता, पुत्र–पुत्री अंतर्निहित क्रियाएँ करते हुए एक साधारण गृहस्थी कि रचना करते हैं।"

मैकाइवर के अनुसार, "परिवार बच्चों की उत्पत्ति एवं पालन पोषण की व्यवस्था करते हुए पर्याप्त रूप में निश्चित और स्थायी यौन सम्बन्ध से परिभाषित एक समूह है।"

परिभाषाओं के आधार पर परिवार के कुछ सामान्य लक्षण निम्न हैं—

- यौन सम्बन्ध
- एक वैवाहिक रूप
- वंश परम्परा एवं नामकरण की प्रणाली
- एक सामान्य निवास स्थान एवं
- एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था जो परिवार के सदस्यों के पालन-पोषण के लिए अनिवार्य होती है।

परिवार के प्रकार (Types of Family)

सामान्यतः परिवार को निम्न आधारों पर बाँटा जा सकता है–

1. सदस्यों की संख्या या परिवार की प्रकृति (आकार) के आधार पर
   - संयुक्त परिवार
   - एकल या केंद्रीय या नाभिकीय परिवार
   - विस्तृत परिवार
2. अधिकार के आधार पर
   - पितृसत्तात्मक परिवार
   - मातृसत्तात्मक परिवार
3. निवास स्थान के आधार पर
   - पितृ स्थानीय परिवार
   - मातृ स्थानीय परिवार
   - मातृ–पितृ स्थानीय परिवार
   - मातुल (मामा) स्थानीय परिवार
   - नव स्थानीय परिवार
   - द्वि–स्थानीय परिवार
4. वंशनाम के आधार पर
   - पितृ–वंशीय परिवार
   - मातृ–वंशीय परिवार
   - उभयवंशीय (उभयवाही) परिवार
5. विवाह के आधार पर
   - एक विवाही परिवार
   - बहु विवाही परिवार
     - बहु–पत्नी विवाही परिवार
     - बहु–पति विवाही परिवार
     - भातृक बहुपतिक विवाह
     - अभातृक बहुपतिक विवाह
6. उत्तराधिकार के आधार पर
   - पितृरेखीय (पितृमार्गी) परिवार
   - मातृरेखीय (मातृमार्गी) परिवार
   - मातुल रेखीय परिवार
7. नामकरण के आधार पर
   - पितृनामी परिवार
   - मातृनामी परिवार
8. परिवार के कर्त्ता की स्थिति के आधार पर
   - जन्ममूलक परिवार
   - प्रजनन मूलक परिवार
9. अन्य आधारों पर
   - समरक्त परिवार
   - विवाह संबंधी परिवार
   - नगरीय परिवार
   - ग्रामीण परिवार

संयुक्त परिवार वह परिवार होता है जिसमे पति, पत्नी, उनके अविवाहित तथा विवाहित बच्चे, उनकी पत्नियाँ और बच्चे, चाचा–चाची, ताऊ–ताई, दादा–दादी का समावेश हो अर्थात् वह परिवार जिसमें तीन या तीन से अधिक पीढियाँ एक साथ निवास करती हों, संयुक्त परिवार कहलाता है। ऐसे परिवारों मे जो व्यक्ति सबसे वरिष्ठ होता है वही घर का मुखिया कहलाता है। परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल करना तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना, उनको भोजन, आवास, वस्त्र आदि उपलब्ध कराना, उनकी शिक्षा–दीक्षा और विवाह संबंध आदि करना मुखिया का की दायित्व होता है। यद्यपि संयुक्त परिवार एक बहुत ही अच्छी परंपरा है, परंतु फिर भी आजकल इसमें विघटन के वृत्तांत दिखाई देते हैं जिनके निम्न कारण हैं–

1. नए–नए रोजगारों और बेहतर अवसरों की तलाश और प्राप्ति (औद्योगीकरण एवं भौगोलिक गतिशीलता) के लिए लोगों को अपने पुरखों से अलग रहना पड़ता है। जीवन की उच्च महत्वाकांक्षाएँ तथा शहरीकरण भी विघटन के प्रमुख कारण हैं।

2. आजकल व्यक्तिगत हितों को सामूहिक हितों से अधिक महत्व दिया जाने लगा है, जो कि संयुक्त परिवार के सिद्धान्त के विरुद्ध है। अतः इन परिवारों का विघटन अवश्यम्भावी हो जाता है।
3. रोजगार, शिक्षा, विवाह और सम्पत्ति सम्बन्धी कानूनों; जैसे–हिन्दू विद्याधन अधिनियम 1930, भारतीय कामगार प्रतिपूर्ति अधिनियम 1923, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 ने व्यक्ति की संयुक्त परिवार पर आर्थिक निर्भरता को भी समाप्त कर दिया।

केवल पति–पत्नी और उनके आश्रित बच्चे जिस परिवार का निर्माण करते हैं उसको "एकल या केंद्रीय या नाभिकीय परिवार" कहते हैं। एकल परिवार आत्मनिर्भर तथा निर्णय लेने में सक्षम होता है तथा यह परिवार का सबसे छोटा रूप होता है।

एकल परिवारों के उदय के मुख्य कारण औद्योगीकरण तथा नगरीकरण हैं। आजकल यही प्रथा प्रचलित है।

वह परिवार जिसमें रक्त संबंधियों के अतिरिक्त कुछ आय संबंधी भी रहते हों, "विस्तृत (विस्तारित) परिवार" कहलाता है। इन परिवारों में सदस्यों कि संख्या अधिक होती है तथा इनका स्वरूप एकपक्षीय (मातृपक्षीय या पितृपक्षीय) या बहुपक्षीय हो सकता है। इन परिवारों मे दो या अधिक पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं, परंतु सम्बन्धों का कोई सटीक ज्ञान नहीं होता। इन परिवारों में सभी सदस्य मुखिया का सम्मान करते हैं, क्योंकि सभी का निवास स्थान और कार्य एक ही होता है।

परिवार की विशेषताएँ
(Characteristics of Family)

परिवार की निम्न विशेषताएँ होती हैं–

(i) परिवार समाज की मौलिक इकाई होता है।
(ii) परिवार के सदस्यों की बीच वंशानुगत सम्बन्ध होते हैं।
(iii) परिवार के सदस्य आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए वित्त की व्यवस्था करते हैं।
(iv) परिवार में विवाह तथा संतानोत्पत्ति की अनिवार्यता होती है ताकि वंश आगे बढ़ाया जा सके।
(v) परिवार में सभी सदस्य सुरक्षित महसूस करते हैं और यही सुरक्षा की भावना उनके विकास के लिए आवश्यक होती है।

परिवार के कार्य
(Functions of Family)

मैकाइवर के अनुसार परिवार के दो कार्य होते हैं–आवश्यक और अनावश्यक। आवश्यक कार्यों में घर के प्रावधान यथा आर्थिक, शैक्षिक, लैंगिक तथा प्रजनन के क्रिया–कलाप शामिल हैं, जबकि अनावश्यक कार्यों में मनोरंजन आदि कार्य शामिल हैं।

लुण्डबर्ग के अनुसार परिवार के चार क्रिया–कलाप हैं–प्राथमिक समूह का संतोष, श्रमिकों का सहयोग तथा विभाजन, बच्चों की देखभाल एवं प्रशिक्षण तथा यौन व्यवहार तथा प्रजनन का नियमन।

ऑगबर्न तथा **निमकॉफ** के अनुसार, परिवार के छः कार्य हैं–आर्थिक, रक्षात्मक, प्रकृत्यात्मक, आनन्दप्रद, धार्मिक और शैक्षणिक।

परिवार का महत्व
(Importance of Family)

(i) परिवार ही बालक के समाजीकरण का पहला स्थान होता है। यही पर बालक परिवार के बड़े लोगों के आचरण एवं व्यवहार का अनुसरण करना सीखता है।
(ii) परिवार की सामाजिक स्थिति का सीधा सम्बन्ध बालक के सामाजिक विकास से होता है।
(iii) परिवार में बालकों का स्वास्थ्य एवं शरीर रचना अपने माता–पिता पर निर्भर करती है।

दुर्बल माता–पिता की दुर्बल संतान।
स्वस्थ माता–पिता की स्वस्थ संतान॥

(iv) परिवार ही बालकों के स्वाभाविक विकास हेतु उचित वातावरण उपलब्ध करता है।
(v) बालकों के उचित शारीरिक विकास हेतु परिवार ही सही दिनचर्या निर्धारित करता है तथा इसके लिए परिवार से प्राप्त प्रेम एवं सुरक्षा की भावना बहुत महत्वपूर्ण होती है। शारीरिक विकास हेतु खेल और व्यायाम की सभी सुविधाएँ परिवार ही बालक को उपलब्ध कराता है।
(vi) बालक की मानसिक क्षमता उसके वंशक्रम तथा भाषा विकास पर ही निर्भर करती है। माता–पिता की शिक्षा का भी बालक की मानसिक क्षमता पर प्रभाव पड़ता है।
(vii) परिवार में अच्छे सम्बन्ध तथा आनन्द और स्वतन्त्रता का वातावरण बालक पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।
(viii) अच्छी आर्थिक स्थिति वाले परिवार में बालकों को पौष्टिक भोजन, शिक्षा का उचित वातावरण तथा खेल एवं मनोरंजन के अवसर प्राप्त होते हैं।

मित्र
(Friend)

किसी बालक का मित्र वह बालक होता है जो उसके कार्यों मे उसका सहयोग करता है या उसके साथ खेलता है। यह भी ध्यान रहे कि जिन बालकों के साथ बालक के संबंध अच्छे होते हैं एवं जिन बालकों के साथ वह रहना, कार्य करना तथा खेलना पसन्द करता है, उन्हें ही हम उसका मित्र (Friend) कह सकते हैं क्योंकि जरूरी नहीं कि अपने परिवेश के सभी बालकों के साथ बालक के सम्बन्ध अच्छे हों। कोई भी व्यक्ति अपनी सुविधा एवं रुचि के अनुसार देख–परख कर मित्र चुनता है और मित्रता के रिश्ते को अन्य रिश्तों की भाँति थोपा नहीं जा सकता। इस रिश्ते में लोगों के मन जुडते है और इसी के आधार पर वे एक–दूसरे के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

मित्रता का वर्गीकरण

अरस्तू के अनुसार मित्रता के तीन रूप हैं–

(i) जिस मित्रता में हितों को ध्यान में रखकर मित्र बनाए जाते है, वह उपयोगिता की मित्रता कहलाती है
(ii) ऐसी मित्रता जिसमें मित्र अपनी आपसी खुशी बांटे हैं और अपने हितों को लेकर उनके बीच सहमति होती है, वह आनंद की मित्रता कहलाती है
(iii) ऐसी मित्रता जो आनंद और हितों को ध्यान में रखकर नहीं की जाती बल्कि दोनों मित्र एक दूसरे के सम्मान का ध्यान रखते हुए आनंद लेते हैं, वह अच्छी मित्रता कहलाती है

मित्र का महत्व

(i) मित्र हमारे सर्वांगीण विकास (म्मंसाइक एवं शारीरिक) में सहायक होता है
(ii) मित्र हमारे खेलकूद तथा अन्य कार्यों में सहायक होता है
(iii) मित्र हमें कुसंगति से बचाता है
(iv) मित्र हमें आदर्शों तथा मूल्यों को सिखाता है
(v) मित्र हमें पाश्विक प्रवृत्ति अपनाने से बचाता है

सम्बन्ध
(Relation)

जब रक्त या विवाह तथा भावनाओं के आधार पर दो या दो से अधिक लोग एक–दूसरे से जुड़े होते हैं तो इसे संबंध तथा उन लोगों को संबंधी कहते हैं। किसी भी परिवार में आदर्शों, मूल्यो, रीति–रिवाजों एवं विश्वासों आदि को बालक धीरे–धीरे अपने सदस्यों एवं रिश्तेदारों से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सीखता है और उसके व्यक्तित्व के विकास पर इन सबका गहरा प्रभाव पड़ता है और जैसे–जैसे बालक बड़ा होता जाता है, वैसे–वैसे वह प्रेम, सहानुभूति, सहनशीलता तथा सहयोग आदि अनेक सामाजिक गुणों को आत्मसात करता जाता है।। यहाँ यह बात गौर करने लायक है कि रिश्तेदारों और सदस्यों में से सबसे गहरा प्रभाव बालक पर उसके परिवार के प्रमुख सदस्य डालते है।

यदि बालक के परिवार में चाचा–चाची, बुआ फूफा जैसे सम्बन्धी नहीं हैं तो भी शिक्षक कक्षा में मौजूद छात्रों/छात्राओं की पारिवारिक विविधता के माध्यम से बालकों को इसके विषय में विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्रदान कर सकता है।

सामान्यतः सम्बन्ध दो प्रकार के होते हैं–

(i) वैवाहिक सम्बन्ध जो विवाह के कारण बनते हैं; जैसे–पति पत्नी, सास–बहू आदि।
(ii) समरक्त सम्बन्ध जो रक्त के आधार पर बनते हैं। ध्यान रहे कि ऐसे सम्बन्धों की सामाजिक स्वीकृति आवश्यक होती है, जबकि प्राणी शास्त्रीय सम्बन्धों में स्वीकृति आवश्यक नहीं होती हैं जैसे माता–पिता एवं पुत्र–पुत्री के बीच का सम्बन्ध।

कार्य एवं खेल
(Work and Sports)

किसी परिवार में कार्य की जिम्मेदारी उस परिवार के वयस्कों को होती है, जबकि खेल–कूद बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। परिवार के सदस्यों के सहयोग से बच्चे स्वयं को खेल कूद में व्यस्त रखते हैं। बाल्यावस्था से ही बालक में रचनात्मक प्रवृत्तियों विकसित होने लगती हैं और बालकों की इन प्रवृत्तियों को विकसित करने में खेल–कूद का बहुत योगदान होता है। वस्तुतः रचनात्मक खेल, कल्पनात्मक खेलों से अत्यधिक समानता रखते हैं क्योंकि रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति द्वारा प्रभावित होती है। इन दोनों खेलों में बच्चों को नई नई रचनाएँ करने की कल्पनाशक्ति प्राप्त होती है।

खेल–खेल में बच्चे आसानी से कोई भी चीज़ सीख जाते हैं और पाठ भी रुचिकर हो जाता है। आरम्भ में वस्तुओं को एक के ऊपर एक लगाना, ब्लॉक जोड़कर आकृतियाँ बनाना आदि रचनात्मक खेल बालकों द्वारा खेला जाता है। प्रोजेक्ट विधि, किण्डरगार्टन विधि, मोण्टेसरी विधि, डाल्टन विधि, वारिस्टिक विधि, बेसिक शिक्षा, इत्यादि खेल–कूद एवं सामान्य क्रियाकलापों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कुछ प्रमुख विधियाँ प्रचलित हैं।

बालकों के विकास में खेल–कूद का योगदान

(i) खेल–कूद से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है
(ii) इससे बच्चे स्फुर्तिवान बने रहते हैं और यह बच्चों के शारीरिक, सामाजिक एवं ज्ञानात्मक क्षमता के विकास में सहायक होता है।
(iii) इससे शरीर की माँसपेशियों एवं हड्डियाँ मजबूत होती हैं। रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है। पाचन क्रिया सुदृढ़ होती है। शरीर को अतिरिक्त ऑक्सीजन मिलती है और फेफड़े मजबूत होते हैं।
(iv) खेल कूद से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा बालकों का मानसिक विकास होता है।
(v) खेलकुद के द्वारा बालक सामाजिक परिवेश में समायोजित (घुल–मिल जाना) हो जाते हैं।
(vi) खेल–कूद से बालक स्वयं निर्णय लेने में सक्षम बन जाते हैं।

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. एकल परिवार से तात्पर्य है–
(A) वर्ष 1950 के बाद बना परिवार
(B) परिवार जिसमें माता-पिता एवं उनके बच्चे
(C) सम्पूर्ण परिवार जिसमें बच्चे, उनके माता-पिता एवं दादा-दादी
(D) केवल पति-पत्नी

2. भारत में लड़के व लड़कियों की विवाह योग्य न्यूनतम आयु क्या है ?
(A) 21 वर्ष व 18 वर्ष (B) 18 वर्ष व 21 वर्ष
(C) 18 वर्ष व 18 वर्ष (D) 18 वर्ष व 16 वर्ष

3. प्राथमिक समाजीकरण है–
(A) शुरुआती उम्र में परिवार एवं मित्रों से सीखना
(B) किशोरावस्था में समाज से सीखना
(C) प्राथमिक स्तर पर समाज से सीखना
(D) शिक्षकों का अनुसरण करना

4. "लड़के लड़कियों की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान होते हैं" यह कथन–
(A) सही है
(B) सही हो सकता है
(C) बुद्धि के भिन्न पक्षों के लिये सही है
(D) लैंगिक पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करता है

5. शारदा एक्ट का सम्बन्ध निम्न में से किससे है?
(A) बाल विवाह (B) दहेज प्रथा
(C) बालश्रम (D) अनिवार्य शिक्षा

6. बच्चे को समाजीकरण का पहला पाठ कहाँ से प्राप्त होता है?
(A) परिवार से
(B) विद्यालय से
(C) सांस्कृतिक केन्द्र से
(D) धार्मिक केन्द्र से

7. सामाजिक बुराइयों का उदाहरण है–
(A) बाल विवाह (B) दहेज
(C) बालश्रम (D) ये सभी

8. कौन-सी विशेषता परिवार की नहीं है?
(A) कम-से-कम दो भिन्न लिंग वाले वयस्क साथ रहते हों
(B) प्रत्येक सदस्य की आय भिन्न जमा की जाती हो

(C) वे समान आवास, भोजन और समान सामाजिक क्रियाओं का उपयोग करते हों

(D) सुरक्षा एवं बच्चों का साझा उत्तरदायित्व

9. कितने प्रकार के परिवार होते हैं ?

(A) एक (B) दो

(C) तीन (D) चार

10. किसी परिवार को दर्शाया जाता है :

(A) पारिवारिक वृक्ष से

(B) पारिवारिक सदस्यों से

(C) पारिवारिक पाई-चार्ट से

(D) किसी से भी नहीं

उत्तरमाला

1. (B)	**2.** (A)	**3.** (A)	**4.** (D)	**5.** (A)
6. (A)	**7.** (D)	**8.** (B)	**9.** (B)	**10.** (A)